E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 80 | गुवाहाटी | रविवार, 15 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

30 लाख मूल्य के नकली नोटों के साथ पांच गिरफ्तार पेज 3
भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों के सबसे मजबूत स्तंभो में से एक है ... पेज 4
यूपी में महिला अपराधों को अंजाम देने वाले हो जाएं सावधान, होगी कड़ी कार्रवाई पेज 5
विपक्षी समाज को जातियों में बांटकर चुनाव जीतने का कुचक्र रच रहे हैं : सुधांशु त्रिवेदी पेज 8

सनातन धर्म नहीं हो सकता कभी खत्म : डॉ. हिमंत

हरिद्वार। पितृपक्ष की अमावस्या के चलते आज हर की पैड़ी हरिद्वार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। अमावस्या पर स्नान करने का विशेष महत्व होता है। ऐसे में इस पुण्य का लाभ लेने के लिए सुबह-सुबह ही श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने पहुंचे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी हरिद्वार के प्राचीन नारायणी शिला मंदिर में पूजा अर्चना करने पहुंचे। यहां पितरों के लिए पूजन करने के बाद उन्होंने कहा कि सनातन कभी खत्म नहीं हो सकता। बताया कि वह हर साल अमावस्या के दिन प्राचीन नारायणी शिला मंदिर आने की कोशिश करते है। आज भी वह पितृ अमावस्या के मौके पर नारायणी शिला मंदिर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने सनातन धर्म पर की जा रही लगातार बयान बाजी पर बोलते हुए कहा कि कुछ लोग चाहते हैं कि सनातन और सनातन से जुड़ी परंपराएं इस देश में खत्म हो जाए,लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि जब वह लोग भी नहीं थे तब से सनातन धर्म था। करीब 5000 साल पूर्व से सनातन धर्म और उससे जुड़ी परंपराएं चलती आ रही है। सनातन धर्म की की परंपराएं आगे भी इसी तरह चलती रहेगी। वहीं गठबंधन द्वारा की जा रही बयान बाजी पर उन्होंने कहा कि यह जो गठबंधन के लोग सनातन धर्म पर बयानबाजी कर रहे है यह पाप का कार्य कर रहे हैं और इस पाप के लिए भारत के लोग उन्हें 2024 में जवाब देंगे। माना जाता है कि यदि किसी को अपने पितरों की मृत्यु कि तिथि ना पता हो तो वह पितृ पक्ष के अंतिम दिन अमावस्या को पितरों को पिंडदान तर्पण कर सकता है। इससे पितरों को मुक्ति और मोक्ष मिलता है। आज के दिन किया गया दान पुण्य कभी बेकार नहीं जाता है। नारायणी शिला के पंडित -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व कप : भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया

अहमदाबाद (हि.स.)। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा (86) और श्रेयस अय्यर (नाबाद 53) के अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने विश्व कप के 12वें मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का विश्व कप में जीत का रिकॉर्ड 8-0 हो गया। इस मैच में पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.5 ओवर में केवल 191 रनों पर सिमट गई। जवाब में भारत ने 30.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाकर सात विकेट से जीत हासिल की। 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की -शेष पृष्ठ दो पर

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गूंजा जय श्री राम का नारा

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला खेला जा रहा है। पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करते हुए 191 रनों पर ही ढेर हो गई। भारत के 2 विकेट गिर चुके हैं। इस बीच स्टेडियम में जय *श्री राम के नारे* का जयघोष हुआ। इसका सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया एक्स पर वायरल हो रहे वीडियो में देख सकते हैं कि गाने पर -शेष पृष्ठ दो पर

जहरीला मशरूम खाने से एक ही परिवार के छह लोग बीमार

उदालगुड़ी। असम के उदालगुड़ी जिले में शनिवार को जहरीला मशरूम खाने से एक ही परिवार के कम से कम छह सदस्य गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। सूत्रों के मुताबिक, घटना डिमाकुची इलाके की बताई जा रही है, जहां उन्होंने जहरीला मशरूम खा लिया और गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। प्रभावित व्यक्तियों को पहले डिमाकुची मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, हालांकि, बाद में उन्हें उन्नत उपचार के लिए चार 108 एम्बुलेंस में -शेष पृष्ठ दो पर

महालया : गुवाहाटी के विभिन्न घाटों पर पितरों को तर्पण देने के लिए उमड़ी भीड़

गुवाहाटी (हि.स.)। पितृ पक्ष की अंतिम दिन महालय के अवसर पर भारी संख्या में लोग अपने पूर्वजों को तर्पण करने के लिए आज ब्रह्मपुत्र नद के किनारे पहुंचे। महालया पितृ पक्ष का अंत और देवी पक्ष का प्रारंभ होता है। महालय के अवसर पर तर्पण के लिए सुबह से ही गुवाहाटी के विभिन्न घाटों पर लंबी कतारें देखी गईं। गुवाहाटी का पांडू घाट एक विशेष घाट है। हर साल महालया के दिन इस घाट पर काफी लोग तर्पण के लिए आते हैं। इस साल भी सुबह से ही पितरों को जल अर्पित करने के लिए लोगों की भीड़ उमर पड़ी। वहीं महालया के साथ दस दिवसीय दुर्गा पूजा आरंभ हो गई। महालया के दिन से ही देवी पक्ष की शुरुआत मानी जाती है। इसलिए महालया के पवित्र दिन पर कई लोगों ने पूरे विधि-विधान का पालन करते हुए अपने पूर्वजों को तर्पण दिया। पितृ पक्ष के अंतिम दिन सुबह से ही मौसम सुहावना था। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शहर के विभिन्न घाटों पर पुलिस की व्यापक व्यवस्था की गई थी। नदी और ट्रैफिक पुलिस भी पूरी तरह मुश्तैद थी। हर साल की तरह, पांडु भारत सेवाश्रम संघ के अध्यक्ष स्वामी वरुणानंद महाराज के नेतृत्व में और सभी भक्तों के सहयोग से पांडु घाट पर तर्पण का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्बांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

हमास का समर्थन करने का मतलब आतंकवाद का समर्थन : शर्मा

मीरजापुर (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को विंध्याचल पहुंचकर मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन किया। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं स्थानीय सांसद अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मां विंध्यवासिनी के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने मीडियाकर्मियों से बातचीत की। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर देश में कुछ संगठनों द्वारा हमास का समर्थन किए जाने पर डॉ. शर्मा ने कहा कि भारत आतंकवाद का शिकार रहा है। इसलिए लोगों को आतंकवाद का विरोध करना चाहिए। हमास आतंकी संगठन है, इसकी भर्त्सना होनी चाहिए। हमास का समर्थन करने का मतलब है आतंकवाद का समर्थन करना। ऐसा करने से आपका नुकसान होगा। -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल से वापस लौटे प्रदेश के लोगों के संपर्क में हैं : सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने शनिवार को कहा कि वह राज्य के उन लोगों के संपर्क में है, जो युद्धग्रस्त इजराइल से वापस वतन लौटे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि *ऑपरेशन अजय* के तहत इजराइल से दूसरी उड़ान से शनिवार को नई दिल्ली पहुंचे 235 भारतीयों में राज्य के पांच छात्र भी शामिल हैं। उड़ान से स्वदेश आने वाले राज्य के छात्रों की पहचान सुरजीत कलिता, विवेक छेत्री, प्रीतम शर्मा, नाजिहा तरन्नम और देबोजीत के रूप में हुई है। राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

भारत 2036 में ओलंपिक खेलों के आयोजन की दावेदारी में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा : पीएम

मुंबई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से जुड़े कार्यक्रम में कहा कि भारत 2036 में अपनी धरती पर ओलंपिक खेलों के आयोजन का इच्छुक है। इन खेलों को भारत में लाने के लिए भारत कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर पहुंचे। यहां उन्होंने 141वें आईओसी सत्र को संबोधित किया और चर्चा की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने कहा कि 40 साल बाद अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सम्मेलन का भारत में आयोजित होना गौरव की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान देश में वैश्विक स्तर के आयोजन कराए जाने की क्षमता का उल्लेख किया और कहा कि ओलंपिक के साथ भारत 2029 के यूथ ओलंपिक के आयोजन का इच्छुक है। उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की भावना है कि भारत में ओलंपिक खेलों का आयोजन हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हाल में कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन किए हैं। वर्तमान में देश में -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

शिलांग के पुलिस बाजार स्थित बहुमंजिला इमारत में लगी भीषण आग

शिलांग (हि.स.)। राजधानी शिलांग के पुलिस बाजार स्थित थाना रोड पर एक बहुमंजिला इमारत में शनिवार को भीषण आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल के 15 वाहन जुटे हुए हैं। एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर तैनात है। पुलिसबाजार के सदर थाना रोड स्थित आबादी वाले इलाके में कांग्रेस भवन एवं जगन्नाथ मंदिर के बगल में व्यवसायी अमित सिंघानिया के बहुमंजिला आवास में शनिवार को करीब ढाई बजे आग लग गयी। घटना के तुरंत बाद एक-एक कर करीब 15 अग्निशमन वाहन के साथ दमकलकर्मी और एसडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंचे। वे आग पर काबू पाने के लिए पूरी मशक्कत कर रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

मांडविया ने नगालैंड के पहले मेडिकल कॉलेज का किया उद्घाटन

कोहिमा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को नगालैंड के पहले मेडिकल कॉलेज नगालैंड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एनआईएमएसआर) का उद्घाटन किया। मंडाविया ने मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, उपमुख्यमंत्री टीआर जेलियांग, राज्य के मंत्रियों, विधायकों और नौकरशाहों की उपस्थिति में उद्घाटन किया। कॉलेज में कुल 100 सीटें हैं, जिसमें 85 नगालैंड के छात्रों के लिए और 15 अन्य राज्यों के लिए। समारोह को संबोधित करते हुए मंडाविया ने कहा कि राज्य का -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

तुम्हे अंदर से सीखना हैं सबकुछ... । तुम्हे कोई नहीं पढ़ा सकता.., कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। अगर यह सब कोई सिखा सकता हैं तो यह केवल आपकी आत्मा हैं... ।

– **स्वामी विवेकानंद**

न्यूज गैलरी

संयुक्त अभियान में इंफाल से बड़ी संख्या में हथियार जब्त

इंफाल (हि.स.)। असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को इंफाल पश्चिम जिला पुलिस थाने के अंतर्गत कामेंग, खमरान और माना इंखोल गांवों में छापे मारे और बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए। पता चला है कि संयुक्त बलों ने तीन गांवों में लगभग 150 घरों पर छापा मारा। सेना और पुलिस की कार्रवाई में 3 कार्बाइन, 5 कार्बाइन मैगजीन, 1 पीस 9 एमएम पिस्तौल, -शेष पृष्ठ दो पर

गाजा में घुसी इजराइली सेना

दुश्मनों को खत्म करके रहेंगे : नेतन्याहू

तेल अबीब। हमास लड़ाकों द्वारा दक्षिणी इजाइल में उत्पात मचाने के बाद इजराइली पैदल सेना ने शुक्रवार को गाजा पट्टी पर अपना पहला हमला किया, और प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जवाबी कार्रवाई का अभियान अभी शुरू हुआ है। इजराइल ने हमास को खत्म करने की कसम खाई है, क्योंकि उसके लड़ाके एक हफ्ते पहले गाजा से निकलकर कस्बों और गांवों में घुस गए थे, जिसमें 1,300 इजराइली, मुख्य रूप से नागरिक मारे गए थे और कई बंधकों को लेकर भाग गए थे। तब से इजाइल ने 2.3 मिलियन फिलिस्तीनियों के घर, हमास द्वारा संचालित गाजा पट्टी को पूरी तरह से घेर लिया है और उस पर अभूतपूर्व हवाई हमले किए हैं। गाजा अधिकारियों का कहना है कि 1,900 लोग मारे गए हैं। शुक्रवार को इजाइल ने गाजा के उत्तरी हिस्से के दस लाख से अधिक निवासियों को हमले से बचने के लिए दक्षिण की ओर भागने के लिए 24 घंटे का समय दिया। हमास ने खून की आखिरी बूंद तक लड़ने की कसम खाई और निवासियों से कहा कि वे न जाएं। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ब्लड कैंसर के मरीजों को मिलेगा अत्याधुनिक उपचार

भारत की पहली सीएआर-टी थेरेपी को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। ब्लड कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए भारत के एक अत्याधुनिक उपचार को अनुमति मिल गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने विशेषज्ञ कार्य समिति की सिफारिश पर भारत की पहली स्वदेशी काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर)-टी सेल थेरेपी को बाजार में लाने की मंजूरी दी है। इस थेरेपी का इस्तेमाल गंभीर लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया और बी-सेल लिंफोमा जैसे कैंसर के इलाज में किया जाएगा। यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें कैंसर मरीज से सफेद रक्त कोशिकाओं के साथ टी सेल्स निकाले जाते हैं। इसके बाद इन्हें एक प्रयोगशाला में लाकर टी सेल्स और सफेद रक्त कोशिकाओं को अलग अलग किया जाता है। इसके बाद ट्यूमर कोशिकाओं को लक्षित करने के लिए टी सेल्स को प्रयोगशाला में संशोधित किया जाता है। इसके बाद वापस से इन्हें मरीज में डाला जाता है। यह प्रक्रिया सिर्फ एक बार की जाती है। मरीज के शरीर में जाने के बाद कैंसर के साथ टी सेल्स लड़ते हैं और उन्हें अंदर ही अंदर खत्म करने लगते हैं। ल्यूकेमिया (श्वेत रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करने वाली कोशिकाओं से उत्पन्न होने वाले कैंसर) और लिम्फोमा (लसीका प्रणाली से उत्पन्न होने वाले) के लिए इस थेरेपी को मंजूरी दी गई है। 2017 में अमेरिका में इस थेरेपी को अनुमति मिली थी, जहां एक मरीज को करीब तीन से चार करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते हैं, लेकिन भारत के वैज्ञानिकों ने 2018 में इस पर काम शुरू किया। फिलहाल, आगामी दिनों में यह करीब 30 से 40 लाख रुपए में उपलब्ध हो सकती है। हालांकि, यह कीमत भी सभी कैंसर मरीजों के लिए सरल नहीं है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी समय में यह थेरेपी न सिर्फ काफी सस्ती होगी बल्कि देश के अस्पतालों में उपलब्ध भी होगी। आईआईटी बॉम्बे और टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) ने संयुक्त रूप से इस स्वदेशी तकनीक को विकसित किया है जिसका परीक्षण देश के कई बड़े अस्पतालों में दो अलग अलग चरणों में हुआ है। एक चरण चंडीगढ़ पीजीआई और एक टाटा अस्पताल की निगरानी में हुआ।

केंद्र की अधिसूचना, 23 अगस्त को मनाया जाएगा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 23 अगस्त को *राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस* के रूप में मनाने की घोषणा की है। यह फैसला चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लैंडर की लैंडिंग और प्रज्ञान रोवर की तैनाती के साथ चंद्रयान-3 मिशन की सफलता का जश्न मनाने के लिए की गई है। इसको लेकर एक अधिसूचना भी जारी की गई है। अंतरिक्ष विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि 23 अगस्त, 2023 को विक्रम लैंडर की लैंडिंग और चंद्रमा की सतह पर प्रज्ञान रोवर की तैनाती के साथ चंद्रयान -2023 मिशन की सफलता के साथ भारत अंतरिक्ष यात्रा करने वाले देशों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गया, जो चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला राष्ट्र बन गया। इस ऐतिहासिक मिशन के परिणाम आने वाले वर्षों में मानव जाति को लाभान्वित करेंगे। इसमें आगे कहा गया कि यह दिन अंतरिक्ष मिशनों में देश की प्रगति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित को आगे बढ़ाने के लिए युवा पीढ़ी को प्रेरित करता है और अंतरिक्ष क्षेत्र को एक प्रमुख प्रेरणा प्रदान करता है।

जम्मू में संघ की समन्वय बैठक, पर्यावरण संरक्षण समेत कई बिंदुओं पर चर्चा

जम्मू (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठनों की शनिवार को हुई समन्वय बैठक में पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और सामाजिक समरसता सहित कई विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की मौजूदगी में संघ कार्यालय में आयोजित इस बैठक में 38 संगठनों के 105 प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। संघ के प्रचार विभाग के मुताबिक डॉ. भागवत ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, सद्भावन और कुटुंब प्रबोधन इत्यादि के बारे में बताया। आने वाले समय में समाजिक जीवन में स्वदेशी का आग्रह एवं नागरिक अनुशासन इत्यादि विषयों पर काम करने को कहा। विभिन्न सामाजिक कार्यों में मातृशक्ति की सहभागिता बढ़ाने के विषय पर भी चर्चा हुई। इसके बाद संघ की शाखाओं से जुड़ी बैठक भारतीय योग संस्थान में हुई जिसमें शाखा के कार्यकर्ताओं ने शाखा द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों से सरसंघचालक को अवगत कराया। डॉ. भागवत ने अपने उद्बोधन में कहा कि इन्हीं छोटे-छोटे प्रयोगों से राष्ट्र का उत्थान होगा। संघ का विचार हमारे व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ समाज के अन्य लोगों में भी पहुंचना चाहिए। बैठक में क्षेत्र संघचालक सीताराम व्यास, प्रांत संघचालक डॉ. गौतम मेंगी भी मौजूद रहे। बैठक से पहले, सेवा भारती के तत्वावधान में ग्राम पौनी चक में चल रहे दिशा छात्रावास की छात्राओं ने डॉ. भागवत से मुलाकात की और उन्हें देशभक्ति के गीत भी सुनाए।

मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 56 गायें जब्त

शिलांग (हिंस)। बीएसएफ की 172वीं बटालियन के जवानों ने मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय सीमा से पिछले 48 घंटे में 56 गायों को जब्त किया। गायों को पूर्वी जयंतिया हिल्स के सीमावर्ती क्षेत्रों के माध्यम से बांग्लादेश ले जाया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पूर्वी जयंतिया हिल्स में सोनापुर पुल पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने एक वाहन को रोका। बीएसएफ की टीम ने वाहन को रुकने का इशारा किया। लेकिन, चालक ने वाहन को उमकियांग इलाके की ओर बढ़ा दिया। इसके बाद, बीएसएफ की टीम गायों से भरे वाहन का पीछा करने और जब्त करने में कामयाब रही। लेकिन, चालक सड़क पर घने खड्डों और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। बीएसएफ की टीम ने 35 गायों को जब्त किया। जब्त गाय और वाहन को कानूनी कार्रवाई के लिए उमकियांग पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। एक अन्य अभियान में बीएसएफ मेघालय के 172वीं बटालियन के जवानों ने बांग्लादेश सीमा के पास जंगलों में छिपाकर रखी गई 21 गायों को जब्त किया।

पीएम मोदी के नए हुनर की मुरीद हुई जनता *गरबो* गाने से गूंज उठेंगे नवरात्रि पंडाल

नई दिल्ली। नवरात्रि की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखे गए गरबा गीत संगीत वीडियो शनिवार को जारी किया गया। इसे नवरात्रि उत्सव से एक दिन पहले यानी आज जारी किया गया है। 190 सेकंड का गाना कई साल पहले प्रधानमंत्री ने लिखा था। इस गाने का वीडियो पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है। पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से लिखे गए गाने *गार्बो* को ध्वनि भानुशाली ने गाया है और तनिष्क बागची द्वारा कंपोज किया गया है। इसे जेजस्ट म्यूजिक की ओर से रिलीज किया गया है। इस गाने के रिलीज के मौके पर कहा कि वह एक और गरबा सॉन्ग लिख रहे थे, जिसे वे नवरात्रि के दौरान शेयर करेंगे। गायिका ध्वनि भानुशाली ने इस गाने को अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसके ट्वीट के जवाब में, प्रधानमंत्री ने भानुशाली, बागची और जेजस्ट म्यूजिक की टीम को गरबा की इस सुंदर प्रस्तुति के लिए धन्यवाद दिया। भानुशाली ने अपने ट्वीट में कहा कि संगीतकार तनिष्क बागची और उन्हें प्रधानमंत्री द्वारा लिखा गया गरबा सॉन्ग बहुत पसंद आया और वे नए लय और रचना के साथ एक गीत बनाना चाहते थे। भानुशाली ने इस गीत और वीडियो को जीवंत बनाने में मदद करने के लिए संगीत लेबल को भी धन्यवाद दिया। म्यूजिक लेबल के यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए जाने के बाद *गार्बो* गाने को केवल 3 घंटों में 240,000 से अधिक बार देखा जा चुका है।

पृष्ठ एक का शेष

सनातन धर्म नहीं ...

मनोज त्रिपाठी ने बताया कि पुराणों में कहा गया है कि जो व्यक्ति श्राद्ध पक्ष में किसी भी वजह से श्राद्ध नहीं कर पाता है तो वह इस पक्ष के आखिरी दिन पितृ विसर्जनी अमावस्या को पिंडदान श्राद्ध आदि कर दे तो पितरों को सदगति मिलती है। यह भी मान्यता है कि हरिद्वार में नारायणी शिला पर अपने सभी भूले बिसरों और पितरों का पिंडदान व तर्पण करने से उन्हें प्रेत योनि से मुक्ति मिलती है। हरिद्वार में स्थित नारायणी शिला में भगवान श्री हरि नारायण की कंठ से नाभि तक का हिस्सा है। नारायणी शिला के बारे में बताया जाता है कि यह श्री हरिनारायण का हृदय स्थल है। यहां पर आकर आप जो कुछ कहते हैं, वह भगवान को अपने हृदय में सुनाई देता है। यहां आकर जो भी अपने पितरों के निमित्त कर्म करता है, उसके पितरों को मुक्ति मिलती है। उधर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार शाम बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। दरबार में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दर्शन पूजन कर डॉ. शर्मा ने काशी विश्वनाथ धाम के भव्यता को भी निहारा। मंदिर परिसर में डॉ. शर्मा का स्वागत कमिश्नर कौशलराज शर्मा और मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने किया। कमिश्नर ने डॉ. शर्मा को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया। मंदिर के बाहर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन किया। मां विन्ध्यधाम में भी दर्शन का सौभाग्य मिला। इजरायल और हमास के बीच जंग में भारत के इजरायल को समर्थन से जुड़े सवाल पर डॉ. शर्मा ने कहा कि हमास आतंकी संगठन है। हमारे देश की नीति है कि हम विश्वभर में जहां भी आतंक और आतंकवाद होगा उनके खिलाफ आवाज उठाएंगे। भारत खुद आतंकवाद से पीड़ित देश है। हर भारतीय हमास के खिलाफ आवाज उठा रहा है। दूसरी तरफ जो लोग हमास के पक्ष में बोल रहे हैं या उनका साथ दे रहे हैं वो हमारे देश के शुभचिंतक नहीं हैं। एआईएमआईएम के प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी के फिलिस्तीन के समर्थन के सवाल पर डॉ. शर्मा ने कहा कि ओवैसी गाजापट्टी जाकर हमास के समर्थन में युद्ध करें। हैदराबाद में बिरियानी खाकर जिंदाबाद, मुर्दाबाद कहने से अच्छा रहता वह गाजा जाकर हमास के समर्थन में युद्ध लड़ते। विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए से जुड़े सवाल पर डॉ. शर्मा ने कहा कि ये गठबंधन सनातन धर्म विरोधी है। जनता से अपील है कि आप लोग इस गठबंधन को पूरा बाहर कीजिए। यह गठबंधन कहीं गलती से भी जीत गया तो सनातन धर्म संकट में आ जाएगा। इसके पहले लालबहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा का पूरे गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान भाजपा किसान मोर्चा काशी प्रांत के उपाध्यक्ष शैलेश पांडेय और अन्य नेता मौजूद रहे।

विश्व कप : भारत ने ...

शुरुआत खराब रही और तीसरे ही ओवर में 23 रनों के कुल स्कोर पर शुभमन गिल 16 रन बनाकर शाहिन शाह अफरीदी की गेंद पर आउट हो गए। गिल के आउट होने के बाद रोहित ने कोहली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी की। इस दौरान रोहित ने काफी तेज बल्लेबाजी की और पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर खबर ली और अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि कोहली इस दौरान 79 के कुल स्कोर पर 16 रन बनाकर अफरीदी के दूसरे शिकार बने। दूसरे छोर पर कोहली ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। 22वें ओवर में रोहित हसन अली का शिकार बने। रोहित ने 63 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की बदौलत 86 रन बनाए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और भारत को 30.3 ओवर में जीत दिला दी। अय्यर ने चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई और अपना अर्धशतक भी पूरा किया। अय्यर 53 और राहुल 19 रन बनाकर नाबाद रहे। जसप्रीत बुमराह (7 ओवर 19 रन 2 विकेट) को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। पाकिस्तान की ओर से शाहिन शाह अफरीदी ने 2 और हसन अली ने 1 विकेट लिया। इससे पहले पाकिस्तान की पूरी टीम 42.5 ओवर में 191 रनों पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए कप्तान बाबर आजम ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 50 रन बनाए। बाबर के अलावा मोहम्मद रिजवान ने 49, इमाम उल हक ने 36 और अब्दुल्लाह शफीक ने 20 रन बनाए। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पाकिस्तान को अब्दुल्लाह शफीक और इमाम उल हक ने सधी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। 41 के कुल स्कोर मोहम्मद सिराज ने शफीक को एलबीडब्ल्यू कर भारत को पहली सफलता दिलाई। शफीक ने 20 रन बनाए। इसके बाद 73 के कुल स्कोर पर हार्दिक पांड्या ने इमाम को राहुल के हाथों कैच कराकर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। यहां से बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी कर पाकिस्तान का स्कोर 155 तक पहुंचाया, यहां से लग रहा था कि पाकिस्तान एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेगी, लेकिन तभी सिराज ने बाबर आजम को बोल्ड कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। बाबर ने 58 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 50 रन बनाए। बाबर के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए सउद शकील कुछ खास नहीं कर सके और 162 के कुल स्कोर पर केवल 6 रन बनाकर कुलदीप यादव की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। कुलदीप ने इसके बाद इफ्तिखार अहमद (04) को बोल्ड कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। जसप्रीत बुमराह ने इसके बाद मोहम्मद रिजवान (49) और शाजाब खान (02) को बोल्ड कर पाकिस्तान का स्कोर 7 विकेट पर 171 रन कर दिया। 187 के कुल स्कोर पर हार्दिक पांड्या ने मोहम्मद नवाज (04) को आउट कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने 187 के ही स्कोर पर पहले हसन अली (12) और फिर हारिस रऊफ (02) को आउट कर पाकिस्तान की पारी का अंत किया। पाकिस्तानी टीम 42.5 ओवर में 191 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम ...

कैसे मैच देख रहे दर्शक झूम उठते हैं। मैच के बीच मे जब गाना *हर घर में बस एक ही नाम, एक ही नारा गूंजेगा, भारत का बच्चा, बच्चा अब जय श्री राम बोलेगा* बजता है। तो स्टेडियम में मौजूद दर्शक उल्लास के साथ गाने पर झूम उठते हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा और भाजपा नेता संबित पात्रा ने यह वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शेयर किया है। बता दें कि मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने शनिवार को विश्व कप के बहु प्रतीक्षित मुकाबले में पाकिस्तान को 42 . 5 ओवर में 191 रन पर आउटकर दिया। वनडे विश्व कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का यह दूसरा न्यूनतम स्कोर है। इससे पहले 1999 में पाकिस्तानी टीम 180 रन पर आउट हो गई थी। नई गेंद संभालने वाले सिराज और बुमराह ने अपनी लैंग्थ में बदलाव करके शाम का पूरा फायदा उठाते हुए पाकिस्तान के मध्यक्रम को निस्तेज कर दिया और विश्व कप में भारत की चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आठवीं जीत का मार्ग प्रशस्त किया। कुलदीप यादव ने सऊद शकील (छह) और इफ्तिखार अहमद (चार) को लगातार आउट करके पाकिस्तान की परेशानियां और बढ़ा दी।

जहरीला मशरूम खाने ...

उदालगुड़ी सिविल अस्पताल ले जाना पड़ा। जुलाई में, असम के धेमाजी में जंगली मशरूम खाने के बाद कुल 17 लोग बीमार पड़ गए, जिनमें से 14 व्यक्ति सिमेन सपोरी से और 3 पश्चिम सुवाही से थे। प्रभावित व्यक्तियों की स्वास्थ्य स्थिति का अवलोकन करने वाले धेमाजी के जिला निगरानी अधिकारी (आईडीएसपी) डॉ. जुगेन दास ने बताया था कि उपचार के बाद उनका स्वास्थ्य स्थिर पाया गया और बाद में उन्हें धेमाजी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

महालया : गुवाहाटी के ...

ने पांडु घाट पर तर्पण किया। इसके अलावा विभिन्न पूजा समितियों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। उधर दुर्गा पूजा का शुभ अवसर पर भक्तों ने 1सुबह महालया पर अनुष्ठान किया, जो उत्सव के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। असम राज्य भर में श्रद्धालु महालया मनाएं, जो हिंदू परंपरा में एक महत्वपूर्ण दिन है। महालया देवी पक्ष की शुरुआत का प्रतीक है और इसे देवी दुर्गा का आह्वान करने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए एक शुभ समय माना जाता है। भक्त सुबह-सुबह अनुष्ठानों के लिए तैयार हो रहे हैं, जिसमें प्रसिद्ध बीरेंद्र कृष्ण भद्र द्वारा महिषासुर मर्दिनी का मंत्रमुग्ध पाठ सुनना भी शामिल है। कई लोग अपने पूर्वजों को तर्पण (अनुष्ठान प्रसाद) देने के लिए नदी तटों और अन्य पवित्र स्थानों पर जाएंगे। महालया के शुभ दिन पर, लोग प्रार्थना करने और अपने पूर्वजों के लिए मोक्ष की कामना करने के लिए पितृ तर्पण और पिंड दान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन अनुष्ठानों को करने से पूर्वजों को शांति और आशीर्वाद मिलता है। पूजा समितियों और आयोजकों ने अद्वितीय और विस्तृत पंडाल बनाने के लिए सावधानीपूर्वक प्रयास किए हैं जो समुदाय की सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मकता को दर्शाते हैं। आयोजक और अधिकारी भक्तों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए सख्त सुरक्षा उपाय लागू कर रहे हैं। चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। महालया के साथ त्योहारी सीजन की शुरुआत होने के साथ, राज्य उत्सुकता से दुर्गा पूजा के भव्य उत्सव का इंतजार कर रहा है, जो महा षष्ठी के साथ शुरू होगा।

हमास का समर्थन ...

वोट का फायदा नहीं देखना चाहिए, देश का फायदा देखना चाहिए। हमास के समर्थन में सड़क पर उतरे लोगों पर उन्होंने कहा कि सड़क पर उतरना उनका अधिकार है और उन्हें जेल में डालना सरकार का अधिकार है। डॉ. शर्मा ने विंध्याचल आगमन के संबंध में कहा कि बहुत दिनों से मां की सेवा की इच्छा थी, जो आज पूरी हुई। मां से सभी के कल्याण की कामना की। पांच राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव तो होते रहते हैं और आगे भी होंगे, लेकिन देश के भविष्य को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को लोग पूर्ण बहुमत के साथ जिताएं, जिससे भारत विश्व में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त कर सके।

इजराइल से वापस...

राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह और असम सरकार के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उन्हें नई दिल्ली स्थित असम भवन ले जाया गया, जहां से उन्हें बाद में यहां लाया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि असम सरकार राज्य के उन लोगों के संपर्क में है, जो ऑपरेशन अजय के तहत इजराइल से लौटे हैं। असम के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास ने भी एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि युद्धग्रस्त इजराइल से वापस लाए गए तीन छात्रों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की, जिन्होंने भारतीय लोगों की सुरक्षा के संबंध में प्रतिबद्धता के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। संघर्ष के बीच इजराइल में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने वाली दूसरी विशेष उड़ान से दो शिशुओं सहित कुल 235 लोग शनिवार सुबह तेल अवीव से नई दिल्ली पहुंचे।

भारत 2036 में ओलंपिक ...

क्रिकेट विश्व कप का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा जी20 जैसे बड़े आयोजनों को भी भारत ने देश भर में सफलता से आयोजित किया है। यह देश के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और आयोजन क्षमताओं की ताकत भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान क्रिकेट विश्व कप में भारत की पाकिस्तान पर जीत के लिए टीम इंडिया को बधाई दी। साथ ही ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किए जाने की सिफारिश का उल्लेख करते हुए आशा व्यक्त की कि इस संबंध में भी हमें जल्द ही सकारात्मक समाचार मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेल हमारी संस्कृति में रचे बसे हैं। हमारे ग्रंथों में 64 कलाओं में संपन्न होने की बात कही गई है जिसमें से कई कलाएं खेलों से जुड़ी हैं। 5 हजार साल पुरानी धोलावीरा और राखीगढ़ी जैसे विश्व धरोहर स्थलों पर भी बड़े स्तर पर खेल आयोजन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि खेल सबके हैं और सबके लिए हैं। यह शांति और वेलनेस को बढ़ावा देते हैं। वैश्विक स्तर पर शांति को बढ़ाने का माध्यम बन सकते हैं। खेलों में हम या तो जीतते हैं या सीखते हैं, हारते कभी नहीं हैं। खेलों की भावना और स्पिरिट यूनिवर्सल होते हैं। उल्लेखनीय है कि आईओसी का सत्र, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक होती है। आईओसी के सत्र में ओलंपिक खेलों के भविष्य से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं। भारत दूसरी बार और लगभग 40 वर्षों के अंतराल के बाद आईओसी के सत्र की मेजबानी कर रहा है। आखिरी बार आईओसी का 86वां सत्र 1983 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। भारत में आयोजित होने वाला आईओसी का 141वां सत्र वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने, खेलों में उत्कृष्टता का उत्सव मनाने और मैत्री, सम्मान एवं उत्कृष्टता के ओलंपिक के आदर्शों को आगे बढ़ाने के प्रति देश के समर्पण का प्रतीक है। यह सत्र खेलों से संबंधित विभिन्न हितधारकों के बीच बातचीत और ज्ञान साझा करने का अवसर प्रदान करेगा। इस सत्र में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाख तथा आईओसी के अन्य सदस्यों के साथ-साथ भारतीय खेल जगत की प्रमुख हस्तियां और भारतीय ओलंपिक संघ सहित विभिन्न खेल महासंघों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाख ने कहा कि भारत हमारे आईओसी सत्र को आयोजित करने के लिए वास्तव में एक प्रेरणादायक स्थान है - एक ऐसा देश जो एक शानदार इतिहास और गतिशील वर्तमान को भविष्य में जोरदार आत्मविश्वास के साथ जोड़ता है। भारत एक ऐसा देश जो ओलंपिक खेलों सहित कई मायनों में आगे बढ़ रहा है। आज यहां पीएम मोदी की उपस्थिति देश में ओलंपिक खेलों के बढ़ते महत्व का प्रमाण है।

शिलांग के पुलिस ...

पूरा इलाका काले धुएं में डूबा हुआ है। जवान अमित सिंघानिया के आवास और उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को आग की तेज लपटों से बचाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। वे आग को सिंघानिया के फर्नीचर और अन्य आवासों, कांग्रेस भवन और जगन्नाथ मंदिर को अपनी चपेट में लेने से रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हालांकि, खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका था। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मांडविया ने नगालैंड ...

पहला मेडिकल कॉलेज न केवल चिकित्सा शिक्षा प्रदान करेगा बल्कि यह एक अनुसंधान केंद्र भी होगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के हर हिस्से में स्वास्थ्य सुविधाएं स्थापित करना चाहती है। मांडविया ने कहा कि समय की मांग को देखते हुए मेडिकल और नर्सिंग शिक्षा को मजबूत करने की जरूरत है। मंडाविया ने कहा कि 2014 में देश में लगभग 64,000 एमबीबीएस सीटें थीं और इसमें कई गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि इसी तरह पीजी सीटें भी पिछले नौ वर्षों में दोगुनी हो गई हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने नगालैंड सरकार से राज्य की हर स्वास्थ्य केंद्र में जन औषधि केंद्र शुरू करने को कहा और केंद्र के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। सीएम रियो ने कहा कि यह नगालैंड के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि उनका मेडिकल कॉलेज का सपना पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में डॉक्टरों की भारी कमी है और माध्यमिक और तृतीय स्तर की स्वास्थ्य देखभाल में भी कमियां हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस उद्घाटन के बाद यह कमी पूरी हो जाएगी। रियो ने लोगों से एनआईएमएसआर में पढ़ने के लिए दूसरे राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए विशेष देखभाल सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि उन्हें यहां आना अच्छा लगे।

गाजा में घुसी...

इजराइली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि टैंकों द्वारा समर्थित सैनिकों ने फिलिस्तीनी रॉकेट क्रू पर हमला करने और बंधकों के स्थान के बारे में जानकारी लेने के लिए छापेमारी की थी, जो संकट शुरू होने के बाद से गाजा में जमीनी सैनिकों का पहला आधिकारिक विवरण था। नेतन्याहू ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि हमारे दुश्मनों ने अभी कीमत चुकानी शुरू कर दी है। मैं यह नहीं बता सकता कि क्या होगा, लेकिन मैं आपको बता रहा हूं कि यह सिर्फ शुरुआत है, जो असामान्य रूप से यहूदी सब्बाथ शुरू होने के बाद टेलीविजन पर प्रसारित किया गया था। उन्होंने कहा कि हम क्षमा नहीं करेंगे, हम दुनिया को यहूदी लोगों पर हुई इन भयावहताओं को कभी भूलने नहीं देंगे। हम असीमित शक्ति का उपयोग करके अपने दुश्मनों से लड़ेंगे। कई हजार गाजा निवासी गाजा पट्टी के उत्तरी भाग से बाहर जाने वाली सड़कों पर उतर आए, लेकिन उनकी संख्या का आकलन करना असंभव था। कई अन्य लोगों ने कहा कि वे नहीं जाएंगे। गाजा के केंद्र के पास पहले इजराइली हवाई हमले में मलबे में तब्दील हो गई एक इमारत के बाहर सड़क पर खड़े 20 वर्षीय मोहम्मद ने कहा कि जाने से बेहतर है मौत। हमास के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता इयाद अल-बोज़ोम ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम उत्तरी गाजा और गाजा शहर के लोगों से कहते हैं, अपने घरों और अपने स्थानों पर रहें। गाजा अधिकारियों ने कहा कि जब इजराइल ने पट्टी के उत्तर से दक्षिण की ओर भाग रहे लोगों को ले जा रही कारों और ट्रकों पर हमला किया तो 70 लोग मारे गए और 200 घायल हो गए। रॉयटर्स रिपोर्ट की गई घटना की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि इतने सारे लोगों को भागने के लिए मजबूर किया गया तो एक आपदा होगी, और कहा कि सहायता के लिए एन्क्लेव की घेराबंदी हटा दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को कहा कि गाजा में स्थिति *नए खतरनाक स्तर* पर पहुंच गई है। हमें पूरे गाजा में तत्काल मानवीय पहुंच की आवश्यकता है, ताकि हम हर जरूरतमंद को ईंधन, भोजन और पानी पहुंचा सकें। यहां तक कि युद्ध के भी नियम होते हैं। इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा था कि *विनाशकारी मानवीय परिणामों* के बिना उत्तर छोड़ने के इजराइल के आदेश का पालन करना गाजावासियों के लिए असंभव होगा, जिसके बाद इजराइल ने फटकार लगाते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र को हमास की निंदा करनी चाहिए और इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहायता प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने सोशल मीडिया पर लिखा गाजा में नागरिक आबादी पर शिकंजा कसता जा रहा है। 24 घंटे से भी कम समय में 11 लाख लोगों को घनी आबादी वाले युद्ध क्षेत्र में कैसे स्थानांतरित किया जा सकता है? व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि इतनी बड़ी निकासी एक *कठिन आदेश* था, लेकिन वाशिंगटन नागरिकों को बाहर निकलने के लिए कहने के इजराइल के फैसले पर संदेह नहीं करेगा। उन्होंने एमएसएनबीसी पर कहा कि हम समझते हैं कि वे क्या करने की कोशिश कर रहे हैं और वे ऐसा क्यों करने की कोशिश कर रहे हैं - नागरिक आबादी को हमास से अलग करने की कोशिश करना, जो उनका असली लक्ष्य है। हमास के प्रतिद्वंद्वी फिलिस्तीनी प्राधिकरण के अध्यक्ष महमूद अब्बास ने जॉर्डन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से कहा कि गाजा में फिलिस्तीनियों का जबरन विस्थापन 1948 की पुनरावृत्ति होगी, जब सैकड़ों हजारों फिलिस्तीनी भाग गए थे या उन्हें खदेड़ दिया गया था। अब इजराइल क्या है। अधिकांश गज़ावासी ऐसे शरणार्थियों के वंशज हैं। गाजा पहले से ही पृथ्वी पर सबसे अधिक भीड़भाड़ वाली जगहों में से एक है, और फिलहाल इससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इजाइल ने पूर्ण नाकाबंदी लगा दी है, और मिस्र, जिसकी सीमा भी एन्क्लेव से लगती है, ने अब तक इसे भागने वाले निवासियों के लिए खोलने के आह्वान का विरोध किया है। हमास ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया, जिसमें दिखाया गया है कि उसके लड़ाकों ने जिन गांवों में तोड़फोड़ की है, उनमें से एक में वह एक बच्चे को गोद में ले रहे हैं। इजराइल ने कहा है कि पूरे परिवारों का कत्लेआम किया गया। हम अपने घर के लिए लड़ रहे हैं। हम अपने भविष्य के लिए लड़ रहे हैं, इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात करते हुए कहा कि जो विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की यात्रा के एक दिन बाद इजराइल आए थे। रास्ता लंबा होगा, लेकिन अंततः मैं आपसे वादा करता हूं कि हम जीतेंगे।

संयुक्त अभियान में ...

17.65 लामा पिस्तौल, 3 36 एचई ग्रेनेड, 1 स्कोप एयर गन, गोलियां 67, 9 एमएम बारूद, 1 इनसास राइफल का 78 0.45 एमएम बारूद, 1 प्लास्टिक मैगजीन, 8 जोड़ी बीपी बरामद किया। बरामद सामानों 19 डमी राइफल, 3 रेडियो सेट, 4 चार्जर की केसीपी की रसीद पुस्तिका, 1 उपस्थिति पंजीकरण पुस्तिका, 6 मोबाइल फोन, बिना पंजीकरण नंबर प्लेट की एक मारुति जिप्सी सहित कानूनी कार्रवाई के लिए लाम्बसांग पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

विश्वनाथ : महालया के अवसर पर श्रद्धालु देव-देवी के वेशभूषा में दिखे

विश्वनाथ (हिंस/विभास)। सनातन धर्म के अनुसार शरत आते ही मां दुर्गा सवाहन सपरिवार मृत्युलोक में प्रवेश करती है। इसी खास दिन से महालया में दुर्गा पूजा की शुरुआत होती है। इसी क्रम में विश्वनाथ जिले के विभिन्न अंचलों के साथ विश्वनाथ चारिआली शहर में आज प्रात: समय महालया के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय मार्ग एवं पाभोई रोड पर भक्तों की भीड़ देखी गई। इधर पाभोई रोड के बहु बजार में शिव योग फोरम विश्वनाथ चारिआली के सौजन्य से शिवाजी संघ के दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में दुर्गा सप्तशती एंव चंडी पाठ का भव्य आयोजन हुआ। भक्तों ने देवी दुर्गा के आगमन को पर पूजा अर्चना की। इस मौके पर शिव योग विश्वनाथ चारिआली फोरम के सहयोगी मौजूद थे। साथ ही शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडाल की समितियों द्वारा मां दुर्गा व देवता के वेशभूषा में सजाकर धार्मिक झांकियां भी निकाली गई। सुबह चारों तरफ मां जगदम्बा के मंत्रोच्चारण से वातावरण भक्तिमय हो उठा। उल्लेखनीय है कि धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन मूर्तिकार मां दुर्गा की आंखें तैयार करते हैं। और इसके सांध्य में मां दुर्गा की मूर्तियों को अंतिम रूप देना शुरू कर देते हैं।

प्रशासन ने काजीरंगा के 700 परिवारों को दिया नोटिस

गोलाघाट (हिंस)। प्रशासन ने काजीरंगा के शिलडूबी नंबर दो के बरबिल मिसिंग गांव के 700 परिवारों को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को दूसरी ओर से जोड़ने की योजना के साथ नोटिस जारी किया है। इस संबंध में शनिवार को राइजर दल के अध्यक्ष और कृषक मुक्ति संग्राम समिति के नेता अखिल गोगोई, जीपाल कृषक श्रमिक संघ के नेता रत्नेश्वर मरांग और असम कृषक सभा के नेता प्रणब दले की मौजूदगी में बरबिल मिसिंग गांव में आयोजित विरोध सभा में लोगों ने किसी भी कीमत पर जमीन नहीं छोड़ने का संकल्प लिया और जरूरत पड़ने पर तीव्र आंदोलन का रास्ता अपनाने का फैसला किया।

30 लाख मूल्य के नकली नोटों के साथ पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। कुल 30 लाख मूल्य के नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) के साथ 5 तस्करों को पकड़ लिया गया है। असम पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा आज दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार जाली नोटों के लेनदेन और वितरण के संबंध में प्राप्त जानकारी पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने गुवाहाटी में एक अभियान शुरू किया। एसटीएफ की टीम ने राजधानी के हाथीगांव थाना अंतर्गत हावकुची-दक्षिणगांव सड़क किनारे के एक मकान स्थित किराए के आवास पर छापेमारी की। परिणामस्वरूप, पांच व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। पकड़े गए लोगों में निजाम अली (50), हफीजुर रहमान (36), अब्दुल रजक (46), मुनींद्र हजारिका (44) और अतीकुर रहमान (38)। तलाशी अभियान के दौरान, उनके कब्जे से जो चीजें बरामद की गईं उनमें 500 रुपए के 26 नकली नोट, 6 मोबाइल फोन, 500 रुपए साइज के 6 काले रंग के कागज, जिन्हें एक विशिष्ट रसायन लगाने पर 500 रुपए एफआईसीएन में बदला जा सकता है। 1 बोतल में एक तरल रसायन, जिसका उपयोग 500 रुपए मूल्यवर्ग के नकली नोट विकसित करने के लिए किया जाता है, 1 बोतल अन्य संदिग्ध तरल रसायन, रुपए के आकार में काले कागज का एक बंडल, जो 500 के नोटों के इस्तेमाल में जालसाजी के लिए किया जाता है, एक भूरे रंग का टेप और एक सफेद रंग का प्लास्टिक मार्केटिंग बैग, नकद राशि 7 हजार 700 रुपए, एक स्कॉर्पियो गाड़ी जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एएस 01 एआर 1918 है - शामिल हैं। पकड़े गए व्यक्तियों और बरामद, जब्त की गई वस्तुओं को मामला दर्ज करने, जांच करने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए स्थानीय हाथीगांव पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

बीपीएफ बंगाली सेल ने गरीबों को कराया भोजन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ के बीपीएफ कार्यालय में बीपीएफ बंगाली सेल ने आज माहालय को देखते हुए गरीब लोगों को खाना खिलाया। इस दौरान बीपीएफ के नेता एवं पूर्व राज्य की मंत्री प्रमिलारानी ब्रह्म, बीपीएफ के जिला उपाध्यक्ष फुबिराज बसुमतारी, केंद्रीय यूथ बीपीएफ के उपाध्यक्ष प्रहलाद ब्रह्म, बीपीएफ बंगाली सेल जिला अध्यक्ष कनक दे, देबरगांव ब्लॉक सेल के अध्यक्ष अरुपम साहा सहित कई लोग उपस्थित थे। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रमिलारानी ब्रह्म ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आज माहालय को देखते हुए बीपीएफ के बंगाली सेल के तरफ से गरीब लोगों को भोजन कराया गया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में बीपीएफ के उम्मीदवार दोनों लोकसभा सीट में जीत दर्ज करेगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि

2025 में होने वाले बीटीसी चुनाव में भी बीपीएफ जीतेगा। वहीं 2026 में विधानसभा चुनाव में भी बीटीसी क्षेत्र के सभी विस सीटों पर जीत हासिल करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि हग्रामा महिलारी के समय में क्षेत्र में व्यापारी वर्ग काफी खुश थे। लेकिन फिलहाल चल रही सरकार में अमंगलमयी सरकार है। अब स्थानीय जनता फिर से बीपीएफ को लाना चाहती है।

नूनमाटी के सेक्टर 2 ग्राउंड में *दिल से क्रिकेट* का आयोजन

बड़े पर्दे पर ब्लैक टाइगर सीमेंट ने दिखाया नि:शुल्क भारत-पाक मैच

गुवाहाटी (विभास)। बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान विश्व कप क्रिकेट मैच के हाई वोल्टेज मुकाबले की लाइव स्क्रीनिंग की व्यवस्था नूनमाटी के सेक्टर 2 मैदान में ब्लैक टाइगर सीमेंट की ओर से की गई। *दिल से क्रिकेट* नामक इस हाई वोल्टेज मैच को देखने के लिए क्रिकेट प्रेमियों के लिए नि:शुल्क व्यवस्था की गई, जिसमें सैकड़ो की संख्या में लोगों ने बड़े पर्दे पर भारतीय टीम का समर्थन करते हुए चौके व छक्के का जमकर आनंद उठाया। बड़े पर्दे पर लाइव स्क्रीनिंग के साथ-साथ दर्शकों को स्टेडियम का अनुभव करने के लिए चीयरलीडर्स भी मौजूद थीं। वहीं आयोजकों द्वारा लजीज व्यंजनों के स्टाल भी लगाए गए जिसका भी सभी ने भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम के बारे में बोलते हुए, ब्लैक टाइगर सीमेंट के प्रबंध निदेशक संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि दिल से क्रिकेट नामक यह आयोजन क्रिकेट की भावना का एक सच्चा उत्सव रहा, जो खेल के लिए साझा जुनून में समुदाय को एक साथ जोड़ता हैं। इस आयोजन से हम काफी खुश हैं। इस रोमांचक अनुभव के लिए सेक्टर 2, नूनमाटी ग्राउंड के साथ हम भविष्य में इस तरह की और अधिक सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेंगे। यह आयोजन खेल, सामुदायिक जुड़ाव और साझा सौहार्द के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण का प्रतीक है, जो एकजुटता और खेल कौशल की संस्कृति को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

प्रतिभा रत्न सम्मान 2023 से आनोवारा खातून व संतोष कुमार महतो सम्मानित

विश्वनाथ (विभास)। उत्तर प्रदेश सरकार के अधीनस्थ वैदिक प्रकाशन द्वारा कल विश्वनाथ के हिंदी सेवी व राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रचारक सैयदा आनोवारा खातुन और संतोष कुमार महतो को साहित्य के क्षेत्र में काम करने हेतु *प्रतिभा सम्मान 2023* से अलंकृत किया गया। जानकारी के अनुसार वैदिक प्रकाशन के द्वारा संकलन *बनेगा विश्व गुरु भारत* में अमूल्य साहित्यिक योगदान देने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्त सैयदा आनोवारा खातुन विश्वनाथ शहर समता महिला काव्य मंच विश्वनाथ इकाई (असम) की जिलाध्यक्षा, शिक्षिका, लेखिका, कवयित्री, समाजसेवक तथा विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से जुड़ी हुई है। हाल ही में उनका पुस्तक *जिंदगी तेरे लिए* प्रकाशित हुई है। इधर सम्मान प्राप्त संतोष कुमार महतो विश्वनाथ के राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रचार- प्रसार में अमिट भूमिका के साथ शिक्षक, कवि, लेखक, विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के सचिव, पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, विश्वनाथ जिला इकाई के जिलासचिव, शहर समता पुरुष काव्य मंच के जिलाध्यक्ष तथा विभिन्न साहित्यिक सेवी संस्थानों से जुड़े हुए है। इस पुरस्कार के प्राप्त खबर फैलते ही साहित्यिक प्रेमी में खुशी की लहर व्याप्त है। हिंदी व साहित्य प्रेमी पुरस्कार प्राप्त सैयदा आनोवारा खातुन तथा संतोष कुमार महतो को बधाई व शुभकामनाएं दी।

असम गण परिषद का स्थापना दिवस आयोजित

गोलाघाट (हिंस)। आज असम के पहले क्षेत्रीय राजनीतिक दल असम गण परिषद (अगप) के 39वें स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य भर के अगप के कार्यालयों में समारोह का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस समारोह पार्टी के जन्मस्थान गोलाघाट में केंद्रीय रूप से आयोजित किया जा रहा है। यह गोलाघाट के समन्वय क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन अगप नेताओं ने सुबह आठखेलिया नामघर में दीप जलाकर की। इसके बाद सुबह 10 बजे से शहीद तर्पण और नेताओं को श्रद्धांजलि और 11 बजे से खुली सभाएं आयोजित की गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तथा असम सरकार के मंत्री अतुल बोरा, पार्टी के उपाध्यक्ष तथा असम सरकार के मंत्री केशव महंत एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता फणिभूषण चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

नगरबेड़ा के लिबर्टी कॉमर्स इंस्टीट्यूट में नवागत सभा आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेरा में एक निजी क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थान लिबर्टी कॉमर्स इंस्टीट्यूट का नवागंतुक स्वागत समारोह आज एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रबंध निदेशक काजोम अली ने सुबह 8 बजे ध्वजारोहण किया और प्रधानाचार्य वजीदुल हसन ने वृक्षारोपण किया। सुबह 9 बजे, नए युग के छात्रों का परिचय समारोह आयोजित किया जाता है। इसके बाद दोपहर 1.30 बजे स्कूल के प्रबंध निदेशक काजोम अली की अध्यक्षता में खुली बैठक और मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संस्थान के प्राचार्य वजीदुल हसन ने बैठक का उद्घाटन किया और स्वागत भाषण दिया। बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. विभूति भूषण पांडा, नगरबेड़ा क्षेत्रीय मौजा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, किशोरी दास, मुख्य सलाहकार और पूर्व प्रिंसिपल, लिबर्टी कॉमर्स इंस्टीट्यूट, सेवानिवृत्त प्रोफेसर नूर आलम, सेवानिवृत्त प्राचार्य एम अब्दुल मजिद, कलायरदिया ज्ञान विकास अकादमी के अध्यक्ष खलीलुर्रहमान, भखुराडिया पहाड़पाड़ा हाई स्कूल

के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक अमिय कुमार मेधी, इस अवसर पर लुइत परीया कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. स्वामसुल आलम सोरोर्डी, टुपामारी आंचलिक कॉलेज के प्रोफेसर अतवर रहमान, असमिया प्रतिदिन नगरबेड़ा के पत्रकार हाछानुल अहमद, जमलाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक जाहिदुल इस्लाम, आपकु सलाहकार अबुल कलाम आजाद अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर छात्रों को शैक्षिक पहलुओं पर महत्वपूर्ण भाषण देता है। बैठक में विद्यालय से गया वर्ष 2022 में हायर सेकेण्डरी फाइनल परीक्षा को लेकर चर्चा की गई। प्रसिद्धि के साथ उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाता है। बैठक के अंत में आयोजित संगीत कार्यक्रम में आमंत्रित कलाकार रूपम कलिता और हिमाश्री दास ने गीतों की प्रस्तुति दी।

आलोपति छात्र संघ की नई समिति का शपथ ग्रहण समारोह

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा के बागबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत आलोपति चर में 1968 में गठित एक गैर-राजनीतिक संगठन, आलोपति छात्र संघ की एक पूर्ण नई समिति का गठन किया गया था। पुरानी कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद अल अमीन की अध्यक्षता में हुई बैठक में 31 सदस्यीय मजबूत पूर्ण समिति का गठन किया गया, जिसमें अरिफुल कैफी अंसारी को अध्यक्ष और महासचिव आजीवुल हक और आमिर हमजा को शामिल किया गया। उल्लेखनीय है कि पिछली समिति के वार्षिक लेखा-जोखा समाप्त होने के बाद निर्णायक समिति द्वारा एक नई समिति का गठन किया गया था। बैठक में विभिन्न सामाजिक विकास

गतिविधियों पर चर्चा की गई और आने वाले दिनों में नई समिति समाज के लिए कैसे काम करेगी, इस पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा नई कमेटी को जिम्मेदारी सौंपने की जिम्मेदारी के साथ आज पश्चिम आलोपति आंचलिक मार्केट (फकीर पाड़ा) की प्रबंध समिति के कार्यालय हॉल में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। आलोपति छात्र संघ के सलाहकार सिराजुल हक ने नई समिति को शपथ दिलाई। बैठक में आलोपति छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष साज्जाद कबीर ने अभिनन्दन परिचालन सभा का उद्देश्य बताया छात्र संघ सचिव आमीर हमजा ने। शपथ ग्रहण समारोह में आलोपति छात्र संघ के सलाहकार सिराजुल हक, अजीजुल हक, मोहम्मद अल अमीन, छात्र संघ की नवगठित समिति के सदस्य के साथ ही पश्चिम आलोपति क्षेत्रीय बाजार प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जहीरुल इस्लाम, अल्हाज अहमद अली एम ई मदरसा के प्रधानाध्यापक अब्दुल अजीज, छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष आदम आली मौजूद थे। सभा में अंचल के बुजुर्ग व्यक्ति क्रमानुसार तमसेर आली, हुसैन आली, दिल मोहम्मद, कमर उद्दीन अहमद, सैयद अली, अब्दुल जलील मंडल, रूकुन उद्दीन के साथ-साथ अन्य बहुत सारे मान्यवर व्यक्ति उपस्थित थे।

भारी मात्रा में अफीम बरामद, चार लोग गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। खटखटी पुलिस ने शनिवार को तलाशी के दौरान में डीमापुर की ओर से आ रहे दो वाहनों एनएल 07- एए- 3057 और बीआर 06-जीएफ-6731 को चेक किया। इस दौरान पुलिस को गाड़ी से भारी मात्रा में अफीम मिली। पुलिस ने दोनों वाहनों से 7 किलोग्राम से अधिक अफीम बरामद की । पुलिस ने मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। चारो की पहचान खटखटी खारिया झुग्गी बस्ती निवासी तारबीर गुरुंग, मणिपुर निवासी सागर धुंगाना, बिहार निवासी गणेश यादव और सुनील कुमार सिंह शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार तस्करों ने बड़ी चालाकी से एक वाहन के कैबिन में कंबल में अफीम लपेटकर रखा था।

रानी में खातिरदारी रेस्टोरेंट का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के समीपवर्ती आजरा के रानी इलाके में खातिरदारी द अर्बन रसोई नमक रेस्टोरेंट का शुभारंभ आज किया गया। इस रेस्टोरेंट का उद्घाटन पराग समूह के सीएमडी संजीव नारायण ने किया। इस मौके पर रेस्टोरेंट के पार्टनर जोगेश उपाध्याय, दीपांकर बरुआ व धीरज खट्टर मौजूद थे। मुख्य अतिथि श्री नारायण ने कहा कि इस क्षेत्र में इस रेस्टोरेंट के खुलने से यहां के लोगों को लजीज व्यंजनों के अलावा मिठाई व बेकरी के ताजा खाद्य उत्पाद भी उपलब्ध होंगे। इस मौके पर रेस्टोरेंट के पार्टनर जोगेश उपाध्याय ने कहा कि 1600 वर्ग फुट में पहले इस रेस्टोरेंट में एक साथ 60 लोगों के बैठने की व्यवस्था है, जहां वेजीटेरियन व नॉनवेज दोनों खाद्य परोसे जाएंगे। रेस्टोरेंट में इंडियन, चाइनीज, साउथ इंडियन, नॉर्थ इंडियन, कॉन्टिनेंटल, मॉकटल्स सहित अन्य लजीज व्यंजनो का विस्तृत में मेन्यू मौजूद है। इस दौरान पार्टनर दीपांकर बरुआ ने कहा कि हमारे यहां जन्मदिन, सालगिरह, किटी पार्टी आदि के लिए प्री बुकिंग की व्यवस्था भी है। वही पार्टनर धीरज खट्टर ने कहा कि जल्द ही ऑनलाइन सेवा स्विग्गी व जोमैटो पर भी खातिरदारी के व्यंजन उपलब्ध होंगे। उन्होंने आशा जाता है कि इस रेस्टोरेंट के खुलने से आजरा, रानी तथा आसपास के इलाकों के लोगों को ताज एवं लजीज व्यंजन एक छत तले उपलब्ध होंगे।

फैंसी बाजार के लचित घाट पर शौर्य जागरण यात्रा का भव्य समापन

असम कभी राजनीतिक दृष्टि से पराजित नहीं हुआ : चंपक राय

गुवाहाटी (विभास)। संपूर्ण भारत कभी भी विदेशी राज सत्ता के सामने समर्पित नहीं हुआ। विदेशी सत्ता का राज संपूर्ण भारत पर कभी नहीं रहा। असम राजनीतिक दृष्टि से कभी भी पराजित नहीं हुआ। कभी कोई विदेशी शक्ति ब्रह्मपुत्र को पार नहीं कर सकी। पादरी भारत में आए सेवा के बहाने आए इसका दुष्परिणाम राजनीतिक, सामाजिक जीवन पर भी पड़ा। परंतु राजनीतिक दृष्टि से आक्रमण में समाज ने कभी भी समर्पण किया हो ऐसा नहीं हुआ। यह बातें विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपक राय ने फैंसी बाजार के लचित घाट पर शौर्य जागरण यात्रा के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कहीं। विश्व हिंदू परिषद के बारे में बोलते हुए उन्होंने आगे कहा कि भारत राष्ट्र के लिए काम करने वाले विश्व हिंदू परिषद के लोगों से हमने यह कहा कि ऐसे लोगों के जीवन के विषय में पढे, मनन करें और वैसा बनने की कोशिश करें जिन्होंने राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर अपना जीवन निछावर कर दिया। जिनके राष्ट्रभक्ति के कारण असम में विदेशी शक्तियां अपने पांव नहीं रख सकी। ऐसे लोग किसी भी जिले में हो उनकी जन्मभूमि पर जाइए और उनको सम्मान से याद कीजिए। इसीलिए विश्व हिंदू परिषद ने ग्राम आधारित यात्राएं शौर्य जागरण यात्रा के रूप में प्रत्येक जिले में शुरू की। असम के चारों दिशाओं से यह शौर्य जागरण यात्रा राष्ट्र के वीर सपूतों को नमन

करते हुए आज इस यात्रा का समापन गुवाहाटी के लचित घाट में हो रहा है। लाचित बरफूकन भी एक बहुत बड़े देश भक्त थे। जिनके करण मुगलों ने ब्रह्मपुत्र पार कर असम पर कब्जा जमाने में बुरी तरह से असफल हुए। इससे पहले राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपक राय ने भारत माता, श्री राम और हनुमान के चित्रों के अलावा स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित कर उन्हें स्मरण किया। इस अवसर पर उनके साथ विश्व हिंदू परिषद के पूर्वोत्तर अध्यक्ष परमेश जी, विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री बजरंगी शर्मा, बजरंग दल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आनंद बासूमतारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर पूर्व कार्य अध्यक्ष खगेन सैकिया, उत्तर पूर्व विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष मुनींद्र मोहन डेका, 17 सत्राधिकारी ईश्वर महंत देव, भागवत कथा वाचक पुरुषोत्तम उपाध्याय, विश्व हिंदू परिषद गुवाहाटी के संगठन मंत्री दिनेश तिवारी कोकरझाड़ मातृशक्ति की प्रमुख श्रीमती उमा ब्रह्मा विश्व हिंदू परिषद गुवाहाटी की मातृशक्ति प्रमुख तारा देवी, बजरंग दल के पृथ्वी राज बोर्दोलोई उपस्थित थे। 17 सत्राधिकारी ईश्वर महंत देव ने असम की भूमि पर भगवत प्रचार व शौर्य जागरण यात्रा के उद्देश्य के विषय में बताया।

गुवाहाटी में मनाया गया विश्व मानक दिवस

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), गुवाहाटी ने रत्नमौली पैलेस में विश्व मानक दिवस मनाया। उद्घाटन सत्र के दौरान असम सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले विभाग, संसदीय कार्य विभाग, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, विश्वरंजन श्यामल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बीआईएस, गुवाहाटी के निदेशक एवं प्रमुख सब्यासाची दे ने कार्यक्रम के उद्देश्य और विषय बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टिकोण-सतत विकास लक्ष्य 3 (एसडीजी 3) और मानकों के जरिए एसडीजी 3 के प्रचार और कार्यान्वयन के संबंध में बीआईएस की भूमिका पर बात करते हुए उद्घाटन भाषण दिया। कार्यक्रम के बाद बीआईएस, गुवाहाटी के तहत स्टैंटर्ड

क्लबों (स्कूलों और कॉलेजों) के साथ एक सत्र आयोजित किया गया ताकि उन्हें स्वस्थ जीवन के लिए सतत विकास लक्ष्य 3 के बारे में जागरूक किया जा सके। बीआईएस, गुवाहाटी ने 12 मानक वीरों को मानकों के प्रचार और कार्यान्वयन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और ईमानदार योगदान के लिए सम्मानित किया। डब्ल्यूएसडी समारोह-2023 के अवसर पर एनईएआईडी के सहयोग से आयोजित एक्सटेम्पोर स्पीच और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को पुरस्कार दिए गए।

भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है साझेदारी : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रगति और विकास के लिए साझेदारी भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को वीडियो संदेश के माध्यम से नागापट्टिनम (भारत) और कांकेसंथुराई (श्रीलंका) के बीच नौका सेवाओं के शुभारंभ को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि भारत और श्रीलंका राजनयिक और आर्थिक संबंधों में एक नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं और नागापट्टिनम और कांकेसंथुराई के बीच नौका सेवा की शुरूआत संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, "भारत अपने लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए श्रीलंका के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों की प्रगति और विकास के लिए साझेदारी को सशक्त माध्यम बताया और कहा कि हमारा दृष्टिकोण सभी तक विकास पहुंचाना है, किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है। श्रीलंका में भारतीय सहायता से कार्यान्वित परियोजनाओं ने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। उन्होंने बताया कि उत्तरी प्रांत में आवास, पानी, स्वास्थ्य और आजीविका सहायता से संबंधित कई परियोजनाएं

पूरी हो चुकी हैं और कांकेसंथुराई हार्बर के उन्नयन के लिए समर्थन देने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, चाहे वह उत्तर से दक्षिण को जोड़ने वाली रेलवे लाइनों की बहाली हो; प्रतिष्ठित जाफना सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण; पूरे श्रीलंका में आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा शुरू करना; या डिक ओया के मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल में हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं। भारत और श्रीलंका के बीच संस्कृति, वाणिज्य और सभ्यता के साझा इतिहास को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राचीन तमिल साहित्य में नागपट्टिनम और आसपास के शहर श्रीलंका सहित कई देशों के साथ समुद्री व्यापार के लिए जाने जाते हैं और पूम्पुहार के ऐतिहासिक बंदरगाह का उल्लेख एक केंद्र के रूप में किया जाता है। उन्होंने पट्टिनाप्पलाई और मणिमेकलाई जैसे संगम युग के साहित्य के बारे में भी बात की, जिसमें दोनों देशों के बीच नावों और जहाजों की आवाजाही का वर्णन है। उन्होंने महान कवि सुब्रमण्यम भारती के गीत 'सिंधु नाधियिन मिसाई' को भी याद किया, जिसमें भारत और श्रीलंका को जोड़ने वाले एक पुल का उल्लेख है। उन्होंने आगे कहा कि नौका सेवा उन सभी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को जीवंत बनाती है। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की हालिया यात्रा पर प्रधानमंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी के केंद्रीय विषय के साथ आर्थिक साझेदारी के लिए संयुक्त रूप से एक विजन दस्तावेज अपनाया गया था। मोदी ने कहा, कनेक्टिविटी का मतलब केवल दो शहरों को करीब लाना नहीं है। यह हमारे देशों को करीब, हमारे लोगों को करीब और हमारे दिलों को करीब लाता है।ह्वउन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कनेक्टिविटी व्यापार, पर्यटन और लोगों से लोगों के संबंधों को बढ़ाती है, साथ ही दोनों देशों के युवाओं के लिए नए अवसर भी पैदा करती है। हाल ही में भारत द्वारा आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन पर प्रधानमंत्री ने भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसका अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने स्वागत किया है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस दृष्टिकोण का एक हिस्सा पड़ोसी देशों के साथ प्रगति और समृद्धि साझा करने को प्राथमिकता देना है।

अमित शाह की मौजूदगी में डॉ रमन सिंह सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे

रायपुर, (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह 16 अक्टूबर का राजनांदगांव से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इस दौरान खुद केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहेंगे। इससे पहले भाजपा ने राजनांदगांव के स्टेट स्कूल मैदान में बड़ी रैली की योजना बनाई है, जिस्-ाकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। भाजपा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री तथा भाजपा उम्मीदवार डॉ रमन सिंह के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमित शाह का पूरा प्रवास कार्यक्रम भी तय कर लिया गया है। तय शेड्यूल के मुताबिक अमित शाह 16 अक्टूबर

को 11:45 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उसके बाद रायपुर एयरपोर्ट से 11:50 बजे हेलीकॉप्टर से राजनांदगांव के लिए रवाना होंगे और 12 :22 बजे वो राजनांदगांव पहुंचेंगे। अमित शाह यहाँ पूर्व मुख्यमंत्री के नामांकन के अवसर पर आयोजित रैली और सभा में शिरकत करेंगे। अमित शाह 1:30 बजे हेलीकॉप्टर से रायपुर के लिए रवाना होंगे और यहां से वे 2 बजे कोलकाता के लिए रवाना होंगे।

हरियाणा में नियमों के फेर में फंसी असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा में अभी असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्तियां नहीं होंगी। राज्य सरकार अभी तक इन भर्तियों के नियमों को ड्राफ्ट नहीं कर पाई है। अब नियमों को नए सिरे से ड्राफ्ट करने के बाद दोबारा भविष्य में होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। हरियाणा में पिछले लंबे समय से असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती अटकी हुई है।

हरियाणा में इसको एक मामला पहले ही हाई कोर्ट में चल रहा है। हाई कोर्ट ने इस मामले में स-रकार से पूछा है कि खाली पड़े 60 प्रतिशत से अधिक पदों को भरने के लिए सरकार की ओर से क्या रोडमैप तैयार किया गया है। हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई 30 अक्टूबर हो होगी। गत दिवस मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह प्रस्ताव उच्च शिक्षा

विभाग की ओर से रखा गया। इस पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने कुछ कमियां निकाल दीं। प्रस्ताव में कुछ शब्द प्रिंट नहीं हुए थे। इसके बाद गृहमंत्री अनिल विज और डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने भी अधिकारियों से कुछ बिंदुओं पर सवाल पूछ लिए, जिसका वह जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया है। मंत्रिमंडल में रखे गए प्रस्ताव में जिन बिंदुओं पर सवाल उठाए गए हैं उनमें विभाग द्वारा संशोधन किया जाएगा। इसके बाद फिर होने वाली कैबिनेट मीटिंग में यह संशोधित प्रस्ताव रखा जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारियों ने बताया कि इस प्रस्ताव को सकुर्लेशन आधार पर पारित कराया जा सकता है। उसके बाद एचपीएससी को भर्ती के लिए आग्रह पत्र भेजा जाएगा।

राजीव चंद्रशेखर ने कर्नाटक सरकार को घेरा, कहा- कांग्रेस के डीएनए में है भ्रष्टाचार

नई दिल्ली, (हि.स.)। बेंगलुरु में एक ठेकेदार के घर से मिली बेहिसाबी संपत्ति को लेकर शनिवार को केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस फर्जी गारंटी, झूठ और भ्रष्टाचार में विश्वास करती है। कांग्रेस के डीएनए में भ्रष्टाचार है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में अपने इस अनुभव का उपयोग कांग्रेस अब चुनावी राज्यों- तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में करना चाहती है। चंद्रशेखर ने भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस के

भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ हो चुका है। आयकर विभाग के छापे में अंबिकापति के घर से अभी 42 करोड़ रुपये बरामद हुए हैं। इससे साफ पता चलता है कि उन्होंने कांग्रेस की तरफ से 2022 का जो ड्रामा किया उसके पीछे का मकसद ऐसी ही लूट को अंजाम देना था। बकौल चंद्रशेखर, अंबिकापति के भाई कांग्रेस में हैं, पिताजी कांग्रेस से विधायक रहे हैं। कांग्रेस का एकमात्र विजन करप्शन है और वो भारत जोड़ो यात्रा नहीं कर रहे थे बल्कि इंडिया लूटो यात्रा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने कर्नाटक चुनाव के समय ही दावा किया था कि अगर कांग्रेस सत्त-ारूढ़ हुई तो कर्नाटक एटीएम बनेगा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के चुनाव के लिए और अंबिकापति के घर से निकले पैसे उस भविष्यवाणी के रुझान के रूप में आने शुरू हो गए हैं। अंबिकापति सिर्फ. एक नहीं है, ऐसे कई मामले आने वाले समय में सामने आएंगे।

महिलाओं को समानता नहीं, सभी क्षेत्रों में नेतृत्व के अवसर मिलें : ओम बिरला

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को पार्लियामेंट 20 के तीसरे सत्र में कहा कि भारत में महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। हमारा मानना है कि महिलाओं को केवल समानता नहीं बल्कि सभी क्षेत्रों में नेतृत्व के अवसर मिलने चाहिए। यशोभूमि, द्वा-रका में आयोजित पी20 सम्मेलन में तीसरे सत्र का विषय एक परिवार-लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लाना- महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास तक रहा। बिरला ने लैंगिक समानता के लिए महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास पर जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में संवैधानिक व्यवस्था महिलाओं को सशक्तीकरण प्रदान करने के केंद्र में रही है। हाल ही में संविधान संशोधन कर केंद्र और

राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी तथा निर्णय लेने और कानून बनाने में उनका योगदान भी बढ़ेगा। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत और नगर पालिकाओं में राज्यों में मिलने वाले महिलाओं को 33 से 50 प्रतिशत आरक्षण का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा के लिए कई योजनाएं भारत में चलाई जा रही हैं।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने परिवार के साथ की बदरी-केदार की पूजा-अर्चना, की देश की खुशहाली कामना

-(बीकेटीसी) उपाध्यक्ष पंवार ने की एयर चीफ मार्शल की अगुवानी

गोपेश्वर, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने शनिवार को पहले परिवार के साथ भगवान बदरीविशाल के दर्शन किये। इसके बाद उन्होंने केदारनाथ धाम में बाबा केदार के दर्शन कर रुद्राभिषेक किया। उनके साथ पारिवारिक जनों के अलावा सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी दर्शन को पहुंचे हैं। एयर चीफ मार्शल चौधरी बदरीनाथ आर्मी हैलीपेड से बदरीनाथ के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे, जहां पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) उपाध्यक्ष किशोर सिंह पंवार ने एयर चीफ मार्शल की अगुवानी की। एयर चीफ मार्शल ने भगवान बदरीविशाल के दर्शन किये और वेदपाठ पूजा में शामिल हुए। रावल ईश्वर प्रसाद नंबू-दरी और धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल सहित वेदपाठी रविंद्र भट्ट ने पूजा करायी। इस अवसर पर एयर चीफ मार्शल ने देश की खुशहाली की कामना की। मंदिर समिति उपाध्यक्ष ने भगवान बदरीविशाल का प्रसाद अंगवस्त्र भेंट किया। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा.हरीश गौड़ ने बताया कि एयर चीफ मार्शल ने शुक्रवार शाम श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ में दर्शन किये शनिवार को बदरीनाथ धाम दर्शन को आये। बदरीनाथ मंदिर प-रिसर में एयर चीफ मार्शल 45 मिनट

तक रहे इसके बाद केदारनाथ दर्शन को रवाना हुए। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्होंने सभी का धन्यवाद किया। बदरीनाथ धाम सिंह द्वार पर फोटो भी खिंचवाई। इस अवसर प्रभारी अधिकारी अनिल ध्यानी, ईओ नगर पंचायत सुनील पुरोहित, सहायक अभियंता गिरीश देवली, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चैहान, विवेक थपलियाल, राजेंद्र सेमवाल, जगमोहन बत्र्वाल, केदार सिंह रावत, अनसुया नौटियाल अजीत भंडारी, कुलानंद पंत, विकास सनवाल, दीपक सयाना, योगेंद्र नेगी, हरीश जोशी, राहुल मैखुरी आदि मौजूद रहे। बदरीनाथ के दर्शन के बाद एयर चीफ मार्शल केदारनाथ धाम को रवाना हुए। केदारनाथ पहुंचने पर श्री केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव/बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने एयर चीफ मार्शल की अगुवानी की। तथा भगवान केदारनाथ के दर्शन को पहुंचे। भगवान केदारनाथ का रुद्राभिषेक पूजा की। पूजा दर्शन के लिए केदारनाथ धाम में सवा घंटा तक मौजूद रहे। इस अवसर पर कार्याधिकारी आरसी तिवारी ने एयर चीफ मार्शल को भगवान केदारनाथ का प्रसाद अंगवस्त्र, भस्म, रुद्राक्ष माला भेंट की इस अवसर पर पुजारी शिवलिंग, धमार्चार्य ओंकार शुक्ला, वेदपाठी स्वयंबर सेमवाल, प्रबंधक प्रदीप सेमवाल एवं अरविंद शुक्ला आदि मौजूद थे।

भारतीय पोल्ट्री डिब्बों में एवियन इन्फ्लूएंजा से मुक्ति की स्व-घोषणा की मंजूरी पोल्ट्री क्षेत्र के लिए गेम चेंजर: रूपाला

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला ने चेन्नई से सागर परिक्रमा कार्यक्रम के अगले चरण की शुरूआत करते हुए आज मीडिया से बातचीत में कहा कि शुक्रवार को विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारतीय पोल्ट्री डिब्बों में एवियन इन्फ्लूएंजा से मुक्ति की स्व-घोषणा की मंजूरी दे दी गई। यह हमारे पोल्ट्री क्षेत्र के लिए गेम चेंजर होगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान भारत ने 64 देशों को पोल्ट्री और पोल्ट्री उत्पादों का निर्यात किया, जिससे 134 मिलियन अमेरिकी डालर का राजस्व प्राप्त हुआ। इस स्व-घोषणा की मंजूरी से वैश्विक बाजार में भारतीय पोल्ट्री के लिए नए अवसर खुलने की उम्मीद है। परषोत्तम रूपाला ने कहा कि ये पोल्ट्री डिब्बे भारत के चार राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में स्थित हैं। इनसे मांस और अंडे सहित भारतीय पोल्ट्री और पोल्ट्री उत्पादों की निर्यात क्षमता को बढ़ाने में योगदान मिलेगा । भारत, विश्व स्तर पर अंडों का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक (129.60 बिलियन) और पोल्ट्री मांस का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक (4.47 मिलियन टन) है। इससे भारत को काफी फायदा होगा।

परषोत्तम रुपाला ने कहा कि एवियन इन्फ्लुएंजा (एचपीएआई), जिसे आमतौर पर बर्ड फ्लू के रूप में जाना जाता है, भारत में पहली बार फरवरी 2006 में महाराष्ट्र राज्य में पाया गया था। तब से देश ने विभिन्न क्षेत्रों में एचपीएआई के वार्षिक प्रकोप का अनुभव किया है, जिससे काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। यह बीमारी 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रिपोर्ट की गई है, जिसके परिणामस्वरूप इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए 9 मिलियन से अधिक पक्षियों को मार दिया गया। उन्होंने कहा कि भारत में एचपीएआई के खिलाफ टीकाकरण की अनुमति नहीं है। इन चुनौतियों के बावजूद भारत ने पोल्ट्री कंपार्टमेंटलाइजेशन की अवधारणा को अपनाकर एचपीएआई से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है। कंपार्टमेंटलाइजेशन एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो पशु स्वास्थ्य को बढ़ाता है, डिब्बे के भीतर और बाहर बीमारी के फैलने के जोखिम को कम करता है, और पोल्ट्री और पोल्ट्री से संबंधित उत्पादों के व्यापार को सुविधाजनक बनाता है।

मांडविया ने नगालैंड में पहले आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने शनिवार को कोहिमा में नगालैंड आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईएमएस-ाआर) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, उप मुख्यमंत्री टी आर जेलियांग और नगालैंड के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री पी पैवांग कोन्याक भी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ मनसुख मांडविया ने कहा कि एनआईएमएसआर सिर्फ एक मे-डिकल कॉलेज नहीं है, यह एक शोध संस्थान भी है। यह न केवल चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य को पूरा करेगा बल्कि नगा लोगों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का भी समाधान करेगा। केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि केवल 9 वर्षों की अवधि में एमबीबीएस सीटें 64,000 से बढ़कर 1,60,000 हो गई हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह पीजी सीटें भी पिछले 9 वर्षों में दोगुनी हो गई हैं। मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने कहा कि आज नगालैंड के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि हमने राज्य में पहले मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन किया है। नगालैंड के लोगों का अपने राज्य में एक मेडिकल कॉलेज होने का सपना आज साकार हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि एनआईएमएसआर राज्य को अपनी माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने में मदद करेगा और यह आने वाले दिनों में उत्कृष्टता का केंद्र बन जाएगा। एनआईएमएसआर की सम्बद्धता नगालैंड विश्वविद्यालय से है। इसे अप्रैल 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 तक 100 एमबीबीएस सीटों के प्रवेश के लिए अनुमति पत्र प्राप्त हुआ। राज्य के गठन के 60 वर्षों के बाद पहला मे-डिकल कॉलेज शुरू हुआ है। नगालैंड राज्य से 85 एमबीबीएस छात्रों और अखिल भारतीय सीटों से 6 छात्रों को एनआईएमएसआर में प्र-वेश मिला है।

अनुराग ठाकुर ने 141वें आईओसी सत्र से पहले एएनओसी के महासचिव से की मुलाकात

मुंबई, (हि.स.)। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को मुंबई में एसोसिएशन ऑफ नेशनल ओलंपिक कमेटी (एएनओसी) की महासचिव गुनिला लिंडबर्ग से मुलाकात की। एएनओसी एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा मान्यता प्राप्त वर्तमान 206 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) को संबद्ध करता है। आईओसी का 141वां सत्र रविवार को मुंबई में शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में सत्र का उद्घाटन करेंगे। बता दें कि ठाकुर ने शुक्रवार शाम को मुंबई में प्रमुख खेल हस्तियों और अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधियों के साथ दो द्विपक्षीय बैठकें कीं थीं। अनुराग ठाकुर ने पहली द्विपक्षीय बैठक विश्व रोइंग फेडरेशन के अध्यक्ष जीन-क्रिस्टोफ रोलैंड के साथ की, जबकि दूसरी द्विपक्षीय बैठक इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फे-डरेशन के अध्यक्ष लॉर्ड सेबेस्टियन कोए के साथ की। द्विपक्षीय बैठकें भारतीय एथलीटों के समग्र स्वास्थ्य

और प्रदर्शन में सुधार के लिए खेल विज्ञान और चिकित्सा में विशेषज्ञता साझा करने पर केंद्रित थीं। इसके अलावा बैठक में प्रशिक्षण पद्धतियों और उपकरणों में नवीनता लाने और अन्य क्षेत्रों की तरह खेलों में डिजिटल कोचिंग और प्रशिक्षण के उपयोग के लिए अनुसंधान पहल पर सहयोग पर चर्चा की गई।

आईओसी सत्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आ-ईओसी) के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक के रूप में कार्य करता है। ओलंपिक खेलों के भविष्य के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय आ-ईओसी सत्र में लिए जाते हैं। भारत में आयोजित होने वाला 141वां आ-ईओसी सत्र वैश्विक सहयोग को बढ़-ावा देने, खेल उत्कृष्टता का जश्न मनाने और दोस्ती, सम्मान और उत्कृष्टता के ओलंपिक आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए देश के समर्पण का प्रतीक है। यह खेल से संबंधित विभिन्न हितधारकों के बीच बातचीत और ज्ञान साझा करने का अवसर प्रदान करता है। सत्र में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक और आईओसी के अन्य सदस्यों के साथ-साथ प्रमुख भारतीय खेल हस्तियां और भारतीय ओलंपिक संघ सहित विभिन्न खेल महासंघों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

दूध में मिला था कास्टिक सोडा, लाइसेंस रद्द

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली दुग्ध योजना (डीएमएस) के तहत वितरित किए जाने वाले दूध में कास्टिक सोडा पाया गया है। जिसके तहत इसका लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। अब इस दूध की सप्लाई नहीं हो पाएगी।दूध में मिलावट पाए जाने के बाद भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की क्षेत्रीय इकाई ने दिल्ली दुग्ध योजना का लाइसेंस रद्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि डीएमएस दूध में कास्टिक साडा पाया गया है। इस मामले आदेश जारी हुआ जिसमे कहा गया है कि डीएमएस किसी भी प्रकार से दूध का उत्पादन नहीं करेगा और ना ही इसकी बिक्री करेगा। दरअसल, दो महीने पहले दिल्ली स्थित डीएमएस के शादीपुर प्लांट में कास्टिक सोडा पाया गया था। इसके बाद भी दूध की सप्लाई राजधानी में संचालित 400

बूथों और 800 दुकानों पर हो चुकी थी। डीएमएस ने अपनी गलती मानी और इस गलती को स्वीकार करते सभी आधा लीटर दूध के पैकेट को वापस लेने का लिखित आदेश जारी कर दिया था। उन्होंने कहा था कि सभी बूथ संचालक दूध के सभी पैकेट जमा करके वापस डीएमएस को लौटा दे। ये दूध पीने योग्य नहीं है, क्योंकि दूध पैकेट 20 जुलाई को तैयार किए गए थे और इन्हें 22 जुलाई तक इस्तेमाल किया जा सकता था। बता दें कि, डीएमएस अभी दिल्ली में आधा लीटर से लेकर एक लीटर और पांच लीटर के पैकेट में दूध की सप्लाई करता है।

मैराथन की वजह से आज ट्रैफिक प्रभावित रहेगा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में रविवार सुबह हाफ मैराथन का आयोजन हो रहा। इसमें तीन तरह की स्पधाएं होंगी। हाफ मैराथन में 37 हजार से ज्यादा लोग दौड़ने वाले हैं। रविवार सुबह लगभग 5.20 बजे जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया जाएगा। इसके चलते सुबह 5 से 10 बजे तक नई दिल्ली और दक्षिण दिल्ली के कुछ इलाकों में यातायात प्रभावित रहेगा। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, हाफ मैराथन को ध्यान में रखकर व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। हाफ मैराथन के रूट पर सुबह 5 से 10 बजे तक यातायात की आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा। हालांकि, आपातकालीन वाहनों की आवाजाही को नहीं रोका जाएगा। प्रतिभागियों की संख्या के आधार पर रास्ते में जंक्शनों पर क्रॉस ट्रैफिक को आवाजाही की अनुमति होगी। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे हाफ मैराथन के रास्ते से दूरी बनाकर चलें और वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। हाफ मैराथन एमेच्योर (सुबह 5.20 बजे से) जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर भीष्म

पितामह मार्ग, लोधी रोड, श्री अरबिंदो मार्ग से यू-टर्न लेकर लोधी रोड, मथुरा रोड, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग, सी-हेक्सागोन, कर्तव्यपथ, रफी मार्ग, रेल भवन, रफी मार्ग, संसद मार्ग होते हुए वापस जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम पर समाप्त होगी। 10 किलोमीटर मार्ग (सुबह 5.20 बजे से) संसद मार्ग पर जीवन दीप बिल्डिंग से शुरू होकर, पटेल चौक, संसद मार्ग, रफी मार्ग, रेल भवन, कार्तव्यपथ, जनपथ, होटल ली मेरिडियन, जनपथ पर यू टर्न लेकर कर्तव्य पथ, इंडिया गेट कैनोपी, सी-हेक्सागोन, मथुरा रोड, लोधी रोड, भीष्म पितामह मार्ग, जेएलएन स्टेडियम कॉम्प्लेक्स पर समाप्त होगी। हाफ मैराथन एलीट जेएलएन स्टेडियम कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर भीष्म पितामह मार्ग, लोधी रोड, श्री अरबिंदो मार्ग, लोधी रोड, मथुरा रोड, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग, सी-हेक्सागोन, कर्तव्यपथ, रफी मार्ग क्रॉसिंग से यू टर्न लेकर कर्तव्यपथ, इंडिया गेट कैनोपी, सी-हेक्सागन होते हुए वापस इसी रूट से स्टेडियम के बाहर खत्म होगी।

सरकार की कार्यप्रणाली से नारी शक्ति में बढ़ा आत्मविश्वास : डॉ. सोमेंद्र तोमर

-मेरठ में मिशन शक्ति के फेज-4 में निकाली गई जागरूकता रैली

मेरठ, (हि.स.)। मिशन शक्ति के विशेष अभियान के अंतर्गत शनिवार को मेरठ में जागरूकता रैली निकाली गई। प्रदेश के ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने कहा कि सरकार की कार्यप्रणाली के कारण नारी शक्ति में आत्मविश्वास बढ़ा है। नवरात्र के पर्व पर शनिवार को मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-4) के अंतर्गत सिवालखास विधायक गुलाम मोहम्मद, आईजी नचिकेता झा, आयुक्त सेल्वा कुमारी जे. द्वारा पुलिस लाईन से जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रैली रघुनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज पर संपन्न हुई, जिसमें स्कूल, कॉलेजों के बच्चों एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया। जागरूकता रैली के उपरांत रघुनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। प्रदेश के ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने कहा कि नारी का सम्मान सनातन काल से हमारी प्राथमिकता पर रहा है। खेल सहित अन्य क्षेत्रों में भी नारी शक्ति विकास के पथ पर अग्रसर है। कैंट विधायक अमित अग्रवाल, एमएलसी सरोजिनी अग्रवाल ने भी नारी शक्ति के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ज्वाईंट मजिस्ट्रेट गामिनी सिंगला, आंगनबाडी कार्यकत्री पूनम सागर, किरण, सहायक अध्यापिका कौशर जहां, राखी रानी, आशा कार्यकत्री प्रियंका, रिहाना, सहायक अध्यापिका निधि सक्सैना, मुक्ता भटनागर, नारी निकेतन की अधीक्षिका रीमा राठी, सहायक अध्यापिका अनिता, सफाई कर्मचारी बबली, गीता देवी, महिला मुख्य आरक्षी मीनाक्षी चौहान, उप निरीक्षक प्रियंका गौतम, हाईस्कूल की टॉपर छात्रा कशिश, सुमन नागर, समूह सखी संगीता तोमर एवं सोनबीरी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी रोहित सिंह सजवाण, सीडीओ नुपूर गोयल, एसपी देहात कमलेश बहादुर, उप जिलाधिकारी सदर गामिनी सिंगला, सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार आदि उपस्थित रहे।

यूपी में महिला अपराधों को अंजाम देने वाले हो जाएं सावधान, होगी कड़ी कार्रवाई

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण के तहत महिला सशक्तिकरण रैली का शुभारंभ करते हुए महिला अपराधों को अंजाम देने वाले अपराधियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे अपराधी अब भी नहीं सुधरे तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो देश के लिए नजीर बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और उनके सशक्तीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आए हैं। अलग-अलग जिलों में, ग्राम पंचायतों में किस प्रकार से काम किया गया है। बीसी सखियों ने जिस तरह से काम किया, यह कल्पना नहीं की जा सकती थी। लोग कहते थे कि वे पढ़ी-लिखी नहीं हैं, क्या काम कर पाएंगी लेकिन आज बीसी सखी के रूप में वह बैंकिंग का सारा काम कर रही हैं। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने वाली बीसी सखियों को 06 महीने तक सरकार की तरफ से मानदेय दिया गया। आज वही बीसी सखियां 25000 से लेकर सवा लाख रुपये महीने तक कमा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि झांसी में 2019 में हम लोगों ने एक कार्यक्रम प्रारंभ किया था। उस वक्त गांव की महिलाएं हम लोगों से मिलीं और काम करने की इच्छा व्यक्त की। हम लोगों के सामने एक बड़ी चुनौती थी कि वह सभी महिलाएं पढ़ी-लिखी नहीं

थीं, उन्हें कैसे रोजगार दिया जाए। लेकिन उन्होंने काम करना शुरू किया। सरकार ने मदद की। आज वहीं महिलाएं अपने साथ करीब 40000 महिलाओं को जोड़ा है। योगी ने कहा कि देश की आधी आबादी के लिए केंद्र सरकार के जो प्रयास है, उसमें सबसे बड़े आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश को उसका नेतृत्व करना चाहिए। आज रैली निकाली जा रही है। कल से एक पक्ष जागरूकता का होगा। समस्याओं के समाधान का होगा। हमे ऐसा विश्वास है। महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा अगर कोई महिला सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहा है, तो उनके साथ बहुत सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं। बहुत समय उन लोगों को दिया गया है। अगर अब भी नहीं सुधरे, वह महिलाओं के साथ इस प्रकार के अपराध करेंगे तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह विभाग और उत्तर प्रदेश पुलिस इसको लेकर पूरी तरह से मुस्तादी से कार्य कर रही है। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर एक सकारात्मक माहौल बनेगा। हमें इस कार्यक्रम को लेकर ऐसा विश्वास है। इस मौके पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, पुलिस महानिदेशक समय अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बलिया में सनबीम को लगातार पांचवीं बार मिला बेस्ट को-एड स्कूल का खिताब

बलिया, (हि. स.)। शहर से सटे अगरसंडा स्थित सनबीम स्कूल को लगातार पांचवीं बार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग 2023-24 का बेस्ट को-एड डे स्कूल का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। एजुकेशन वर्ल्ड के सीईओ भाविन शाह ने प्रबंध समिति के अध्यक्ष संजय कुमार पांडेय व निदेशक डॉ. कुंवर अरुण सिंह को यह पुरस्कार दिया। इस अवसर पर सनबीम ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन डॉ. दीपक मधोक व निदेशक भारती मधोक थीं। प्रत्येक वर्ष दिल्ली में देश के समस्त विद्यालयों को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों का अवलोकन करते हुए एजुकेशन वर्ल्ड में विभिन्न वर्ग के मापदंडों के आधार पर पुरस्कृत किया जाता है। लगातार पांचवें वर्ष यह पुरस्कार प्राप्त कर विद्यालय ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि इच्छाशक्ति दृढ़ हो तो कोई भी

कठिनाई आपको सफलता के उच्च शिखर पर पहुंचने से नहीं रोक सकती। बेस्ट को-एड स्कूल चयनित होने से विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष संजय कुमार पांडेय तथा सचिव अरुण कुमार सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों को देते हुए कहा कि एकजुट होकर पूरे लगन से कार्य करने का ही यह परिणाम है। विद्यालय के निदेशक डॉ. कुंवर अरुण सिंह ने कहा कि सनबीम स्कूल ने एजुकेशन वर्ल्ड में निर्धारित समस्त मापदंडों को पूरा किया है। इस पुरस्कार के लिए विद्यालय के शिक्षण कार्यों के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए किए जाने वाले प्रयासों का निरीक्षण किया जाता है। सनबीम स्कूल उनकी हर कसौटी पर खरा उतरा। उन्होंने कहा कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने इनोवेटिव आइडिया पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे एनसीएसई, इंस्पायर मानक अवार्ड, वीवीएम, माइंड वार, जेनिक ओलंपियाड, हिंदी ओलिंपियाड, हिंदुस्तान ओलंपियाड व आर्यभट्ट ओलंपियाड जैसे अनेकों प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सफलता प्राप्त की है। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अर्पिता सिंह ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक सदैव हर चुनौती के लिए तैयार रहते हैं। जिससे समय की मांग के अनुरूप विद्यार्थियों को शिक्षित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने परखी सड़क की गुणवत्ता, जमकर लगाई फटकार

जालौन, (हि.स.)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने लोक निर्माण विभाग द्वारा क्रिटिकल गैप से बनाई जा रही कोंच बस स्टैंड से लेकर पीली कोठी तक निमार्णाधीन सड़क का औचक निरीक्षण किया। लोक निर्माण विभाग द्वारा कोच बस स्टैंड से लेकर पीली कोठी तक बनाई जा रही 1.8 किलोमीटर सड़क का जिलाधिकारी ने शुक्रवार की शाम पैदल मार्च करते हुए सड़क की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने ने सड़क की गुणवत्ता खराब होने पर संबंधित अधिकारियों पर जमकर फटकार लगाई साथ ही ससमय पुनः गुणवत्ता युक्त सड़क निर्माण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को

हिदायत देते हुए कहा कि सड़क निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जा रही गिट्टी की साइज और मानक की जांच कराते रहने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्ता विहीन सड़क बनाने को लेकर संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदारों को सख्त चेतावनी दी गई कि सड़क के काम की गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

इजरायल के समर्थन में नमामि गंगे ने गंगा द्वार पर की विशेष गंगा आरती

वाराणसी, (हि.स.)। इजरायल हमास के बीच छिड़े जंग में इजरायल के समर्थन में यहां विविध संगठन खुलकर आगे आ रहे हैं। शनिवार को नमामि गंगे टीम ने श्री काशी विश्वनाथ धाम स्थित गंगा द्वार से इजरायल के समर्थन में विशेष गंगा आरती की। गंगा द्वार पर गंगा आरती के दौरान सदस्यों ने भारत-इजरायल का झंडा लेकर इजरायल का समर्थन किया। गंगा आरती में शामिल लोगों ने विश्व शांति की कामना की और इजरायल में मरने वालों के लिए मां गंगा से मोक्ष की कामना की। गंगा आरती के दौरान इजरायल में फिर से सुख और समृद्धि कायम होने की भी प्रार्थना की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेतन्याहू की तस्वीर लेकर संदेश दिया गया कि भारत इजरायल के साथ है। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश

शुक्ला ने कहा कि भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वसुधैव कुटुंबकम, शांति और भाईचारे का संदेश दिया है। भारत इजरायल के साथ मिलकर आतंकवाद के जड़-मूल से विनाश को संकल्पित है। उन्होंने कहा कि मां गंगा की आरती उतार कर हमने वैश्विक शांति के लिए प्रार्थना की है। आयोजन में प्रमुख रूप से महानगर सहसंयोजक सारिका गुप्ता, संजय गुप्ता, सुमन, अनीता, राजकुमार आदि शामिल रहे।

झारखंड में हमास का सपोर्ट करने बांग्लादेशी और रोहिंग्या : बाबूलाल मरांडी

रांची, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में हमास का समर्थन करने वालों को बांग्लादेशी और रोहिंग्या हैं। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर के माध्यम से कहा कि कांग्रेस शासित झारखंड, कर्नाटक सहित कई अन्य राज्यों में हमास आतंकवादियों के समर्थन में रैली निकाली जा रही है। इजरायल पर फिलिस्तीन समर्थित हमास द्वारा किए जा रहे कायराना आतंकी हमले की भर्त्सना पूरा विश्व जगत कर रहा है। हाफिज सईद और ओसामा बिन लादेन के प्रति सम्मान जताने वाली और 2008 मुंबई हमलों के बहाने हिन्दुओं को बदनाम करने वाली कांग्रेस का आतंक के प्रेम भाव सर्वविदित है। बाबूलाल ने सवाल उठाते कहा कि झारखंड समेत हमारे देश की प्रबुद्ध जनता ये तय करे कि आतंकियों के साथ खड़ा होने वाले ये लोग आखिर कौन हैं? इनकी मंशा क्या है? ये लोग या तो बंग्लादेशी-रोहिंग्या हैं या उनके समर्थक। बाबूलाल मरांडी ने स्वास्थ्य विभाग, झारखंड को मृतप्राय बताया है। सोशल मीडिया पर इस संबंध में सूचना साझा करते कहा कि जमशेदपुर में लगातार 33 बार फोन करने के बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची। इससे अंततः दो गरीब महिलाएं जिंदगी की जंग हार गयीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महज कुछ करोड़ रुपये कमीशन के चलते पहले से एम्बुलेंस का संचालन कर रही कंपनी को टर्मिनेट कर नई कंपनी को एंबुलेंस सेवा के लिए अनुबंधित किया लेकिन यह कुछ करोड़ रुपये ही झारखंड की गरीब जनता के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। हेमंत को चाहिए कि पैसों का मोह छोड़ कर जनता की सेवा के लिए ऐसी अक्षम कंपनी का अनुबन्ध तुरंत समाप्त करें। बाबूलाल ने साहिबगंज जिले में एक गर्भवती महिला को एम्बुलेंस नहीं मिल पाने के कारण उसे बहंगी में लादकर अस्पताल तक पहुंचाने के मसले पर कहा कि एम्बुलेंस अनुपलब्धता के कारण मरीजों को हुई परेशानी की खबरें लगातार आते रहती हैं लेकिन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और उनका विभाग कोई संज्ञान नहीं लेता। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिस जिले का प्रतिनिधित्व करते हों, वहां बुनियादी स्वास्थ्य व्यवस्था की यह दयनीय हालत हेमंत के लिए भी चुल्लू भर पानी में डूब मरने वाली स्थिति है। इन लोगों ने झारखंड की गरीब आदिवासी जनता के जीवन को नर्क बना दिया है।

देश में कैंसर की समस्या बढ़ रही है और झारखंड भी इससे अछूता नहीं : राज्यपाल

रांची, (हि. स.)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश में कैंसर की समस्या बढ़ रही है और झारखंड भी इससे अछूता नहीं है। ऐसे में इस कैंसर कॉन्क्लेव का आयोजन करना एक सराहनीय प्रयास है, जिसमें टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई सहित देशभर से विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। उनके ज्ञान एवं विचारों के आदान-प्रदान से कैंसर के इलाज और मनोबल वृद्धि में सहायता मिलेगी। राज्यपाल शनिवार को महावीर मेडिका सुपर स्पेशयलिटी हॉस्पिटल, रांची की ओर से होटल बीएनआर चाणक्या में आयोजित "मेडिका कैंसर कॉन्क्लेव" में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कॉन्क्लेव शोधकताओं और चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों को कैंसर की चुनौतियों पर चर्चा करने एवं अपने अनुभव को साझा करने की दृष्टि से उपयोगी मंच हो सकता है। इससे शीघ्र ही कैंसर का पता लगाने के नवीनतम तरीकों, बेहतर उपचार के साथ

स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता को भी बढ़ावा मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कैंसर से निजात पाने के लिए सबको एक साथ काम करना पड़ेगा। साथ ही अस्पताल को यह भी ध्यान रखना होगा कि कैंसर के मरीजों का अच्छे-से-अच्छा इलाज समुचित व्यय पर हो सके। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल और सदियों से ही सेवा एवं विश्व बंधुत्व की भावना निहित है। साथ ही कहा कि स्वास्थ्य बीमा के संबंध में जागरुकता फैलाना आवश्यक है ताकि वक्त पर लोगों को इलाज में कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अस्पताल में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि लोगों को वहां भी स्वास्थ्य बीमा की जानकारी प्राप्त हो सके। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्य के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह, डॉ राणा उदयन लहरी, डॉ मदन कुमार गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

हाई कोर्ट के आदेश का छह माह बाद भी अनुपालन नहीं, न्याय के लिए भटक रहा पारा शिक्षक

पलामू, (हि.स.)। हाई कोर्ट ने पलामू जिले के तरहसी प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुंदु के पारा शिक्षक पटेल सिंह के दायर वाद में सुनवाई करते हुए गत 12 अप्रैल को फैसला पारा शिक्षक के पक्ष में दिया था। साथ ही ऑर्डर में लिखा था कि आठ सप्ताह के अंदर पारा शिक्षक का योगदान कराते हुए बकाया मानदेय भुगतान कराना सुनिश्चित करेंगे लेकिन विभाग के उदासीन रवैये के कारण हाई कोर्ट के आदेशों का अनुपालन अबतक नहीं कराया गया है। ऐसे में पारा शिक्षक पटेल सिंह दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। पारा शिक्षक पटेल सिंह ने शनिवार को कहा कि पलामू के शिक्षा विभाग के पदाधिकारी हाई कोर्ट के आदेश का घोर उल्लंघन करते हुए मनमाना रवैया अपनाए हुए हैं। नतीजा अबतक उसे न्याय नहीं

मिल पाया है। उन्होंने कहा कि 17 जनवरी, 2006 को उनकी नियुक्ति राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुंदु में पारा शिक्षक के पद पर हुई थी। सात वर्षों तक इस विद्यालय में सेवा दी लेकिन वर्ष 2013 में लोकायुक्त के एक मामले में सुनवाई के दौरान तत्कालीन जिला शिक्षा अधीक्षक सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने मनमाने तरीके से उसे सेवा मुक्त कर दिया गया। इसके विरोध में मामले को लेकर उच्च न्यायालय में वाद दायर किया था। पटेल सिंह ने कहा कि पलामू उपायुक्त सह अध्यक्ष समग्र शिक्षा अभियान एवं निदेशक झारखंड शिक्षा परियोजना रांची को सारे कागजात देने के बावजूद भी इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। तरहसी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी परमेश्वर साहू ने बताया कि उन्हें भी इस संबंध में चिट्ठी प्राप्त हुई है लेकिन शिक्षक का बकाया मानदेय भुगतान एवं योगदान कराना उनके क्षेत्राधिकार में नहीं है। यह कार्य (एसपीडी) राज्य परियोजना निदेशक एवं जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी का है। उन्होंने भी चिट्ठी भेजी है। निर्देश प्राप्त होने पर उसका अनुपालन करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली थाना में हुई शांति समिति की बैठक

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के कोतवाली थाना के प्रांगण में शनिवार को दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक कोतवाली थाना प्रभारी जीपी यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसका संचालन प्रकाश चंद गुप्ता ने किया। जबकि बैठक का धन्यवाद ज्ञापन जिला शांति समिति के सदस्य महबूब आलम ने किया। बैठक में दुर्गा पूजा त्यौहार में लगने वाले मेला एवं यातायात और शोभायात्रा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर सभी शांति

समिति के सदस्य एवं दुर्गा पूजा महासमिति के पदाधिकारी ने अपना अपना विचार रखा। इस मौके पर कोतवाली थाना में दो पदाधिकारी जिसमें देवानंद पासवान एवं कृष्णा नंदन को इंस्पेक्टर बनाए जाने पर मोहम्मद तकी अहमद जावेद ने चादर देकर उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर प्रकाश चंद्र गुप्ता, कमल जायसवाल, जिला शांति समिति के सदस्य महबूब आलम, मोहम्मद तकी अहमद जावेद, प्रोफेसर एजाज अली रोज, दुर्गा पूजा महासमिति के महामंत्री जय नंदन आचार्य, संरक्षक भगवान यादव, रेणु देवी, इंदु देवी, मानिक पासवान, ब्रह्मदेव शाह, सुनीता देवी, देवाशीष बनर्जी, अशोक राय, डॉ जयंत जलद, रामशरण, तिलक राज वर्मा के अलावा काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

पूर्व विधायक पर जमीन कब्जा का आरोप, न्यायालय से यथास्थिति बरकरार

नवादा, (हि .स.)। नवादा जिले के हिसुआ की जदयू नेत्री,वार्ड पार्षद व नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन शोभा देवी ने हिसुआ के पूर्व विधायक अनिल सिंह पर फर्जी कागज बनवाकर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया है। जदयू नेता का कहना है कि अतिपिछड़ी जाति के होने के कारण हमारे साथ ऐसा बर्ताव किया जा रहा है। इसके साथ ही जदयू नेत्री शोभा देवी का कहना है कि जब सारे अधिकारियों को मैंने हालात से अवगत कराया तो फिर कब्जा किए गए जमीन पर बाउंड्री होने के बाद भी प्रशासन द्वारा 107 का नोटिस वहां क्यों चिपकाया गया, जो एक सोची-समझी चाल है। जदयू नेता का कहना है कि जिस जमीन पर पूर्व विधायक ने अपने समर्थकों संग कब्जा किया है। उक्त जमीन का वाद न्यायालय में लंबित है और कोर्ट का स्पष्ट आदेश है कि जबतक किसी प्रकार का

फैसला नहीं दिया जाता है, तब तक यथास्थिति बनाए रखें। इसके बावजूद भी पूर्व विधायक अपने रसूख का इस्तेमाल करते हुए प्रशासनिक साठ-गांठ से अपने गुर्गों संग जमीन पर कब्जा कर लिए हैं। शोभा देवी ने आरोप लगाते हुए कहा है कि हमारी जमीन मौजूद किरायेदारों को भी पूर्व विधायक ने नहीं बख्शा। दुकानदारों को बिना वक्त दिए उनके सामानों को बुलडोजर से रौंद कर नष्ट कर दिया गया, तोड़े गए दुकानों में लालूजी का दुकान, विजय रेडियो हाउस की बाउंड्री और मनोज गैरेज की दुकान को तोड़ा गया है। दुकानदारों का आरोप है कि सामान हटाने का वक्त दिए बिना अचानक जेसीबी से सामान सहित दुकानों को तोड़ दिया गया जबकि हम लोग 37 सालों से यहां किराए पर दुकान चला रहे हैं और दुकान का किराया जमीन मालिक शोभा देवी को दे रहे हैं।

हिंदुओं की धार्मिक भावना और स्वतंत्रता पर हमला कर रही है बिहार सरकार : गिरिराज सिंह

बेगूसराय/पटना, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर बिहार में हिंदुओं के धर्मांतरण, लव-जिहाद के द्वारा दलित पिछड़ों के साथ शोषण तथा हिंदुओं के त्योहार में अघोषित पाबंदी पर संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। गिरिराज सिंह ने सांसद राम कृपाल यादव, विधायक संजीव चौरसिया, विधायक कुंदन कुमार, पूर्व विधायक शिवेश राम, प्रदेश मंत्री संतोष रंजन राय एवं मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल के साथ राज्यपाल से मुलाकात किया है। गिरिराज सिंह के नेतृत्व में मिलने गए सभी नेताओं ने बिहार सरकार द्वारा हिंदुओं के साथ किया जा रहे भेदभाव सहित अन्य मामले को विस्तार से रखा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार सरकार के द्वारा अपने राजनीतिक लाभ के लिए हिंदू समुदाय विशेष कर दलित और पिछड़े वर्ग पर अत्याचार हो रहे हैं। नवरात्र से प्रारंभ दुगार्पूजा और त्योहारों के महीने में अघोषित पाबंदी तथा प्रदेश भर में पूजा समितियों पर अघोषित पाबंदी संविधान में हिंदुओं के धार्मिक तथा नागरिक स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। प्रदेश हित में इन विषयों पर संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करने का निर्देश देने का आग्रह किया है। कल से शारदीय नवरात्र के साथ सनातनी हिंदुओं के त्योहारों का महीना प्रारंभ हो रहा है। बिहार सरकार ने हिंदुओं के त्योहार पर रक्षाबंधन से शुरू छुट्टियों की कटौती के बाद भाजपा द्वारा तीव्र विरोध करने पर अपना आदेश वापस

लिया। अब उसी मानसिकता के तहत नवरात्र में शिक्षकों की छुट्टियों की अवधि में आवासीय प्रशिक्षण का निर्देश देकर हिंदुओं की घोषित छुट्टियों पर अघोषित पाबंदी लगा दी है। इस अवधि में हिंदू धर्मावलंबी दस दिनों तक लगातार उपासना करते हैं। दुर्गा पूजा की पूजा समितियों को लाइसेंस देने के समय ही जिला प्रशासन अपने मनमाफिक विसर्जन तथा विसर्जन के रूट को अंकित कर हिंदुओं की धार्मिक भावना को आहत कर रही है। जिला प्रशासन अपने कड़े निदेर्शों के माध्यम से पूजा समितियों के सदस्यों के नाम पुलिस थानों में अंकित कर रही है। जिससे समितियों के सदस्यों तथा सनातनियों के बीच भय का वातावरण व्याप्त हो रहा है। बेगूसराय में सुनियोजित षड्यंत्र के तहत हिंदुओं की धार्मिक भावना तथा दलित पिछड़ों के साथ अन्याय किया जा रहा है। पिछले दिनों बेगूसराय के खातोपुर में शिवलिंग तोड़ने की घटना के बाद जिला प्रशासन द्वारा हमलावर अल्पसंख्यक तत्वों के प्रति नरमी तथा एक दर्जन निर्दोष हिंदुओं को जेल में बंद कर दिया गया। दो दर्जन से अधिक नामजद तथा दो सौ अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर दमन की क्रूरतम शैली को प्रदर्शित किया। गिरफ्तारी के नाम पर हिंदुओं के घरों पर छापामारी तथा मंदिर तोड़ने वाले लोगों पर नरमी से चौतरफा आक्रोश देखा गया। इसके पूर्व बेगूसराय प्रखंड के रजौड़ा, खोदावंदपुर प्रखंड के सिरसी, डंडारी प्रखंड के कटहरी तथा हाल ही में वीरपुर प्रखंड के सरौंजा में मुस्लिम समुदाय के युवकों द्वारा हिंदू भेष और टीका लगाकर लगातार दलित एवं पिछड़े वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के भोले भाले बच्चियों का अपहरण कर सुनियोजित रूप से शादियां की जा रही है, यह चिंता का विषय है। वीरपुर प्रखंड के सरौंजा गांव में क्रमिक रूप से पांच दलित बच्चियों को अगवा कर उनसे धर्म परिवर्तन कराकर शादियां की गई। इन घटनाओं के पीछे सबसे दुखद पहलू यह है कि राज्य सरकार संपोषित जिला प्रशासन इसका खुलेआम संरक्षण कर रही है। इसका विरोध करने वाले हिंदुओं को झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भेज रही है। बेगूसराय की यह घटना प्रदेश की स्थिति का एक उदाहरण मात्र है। फुलवारी शरीफ के पीएफआई मॉडल अपने विभिन्न स्वरूप में पूरे प्रदेश में जड़ जमा रही है तथा उसे राज्य सरकार का प्रत्यक्ष समर्थन मिल रहा है। इसी कारण प्रदेश भर में विशेषकर दलित, पिछड़ों में भय तथा अराजकता का माहौल बनता जा रहा है। सबसे दुखद यह है कि बहुत ही कम घटनाएं लोगों के सामने आ पाती है। जबकि बड़ी संख्या में इन घटनाओं को दलित और पिछड़ा समुदाय अपनी नियति मानकर उसी स्थिति में जीने को विवश हैं। हिंदुओं के त्योहारों पर अघोषित पाबंदी, दलित, पिछड़े तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों पर लव जिहाद के माध्यम से शोषण और हमला तथा राज्य सरकार के द्वारा ऐसे तत्वों को खुला समर्थन चिंता का विषय है। अभी पूजा समितियों पर अघोषित पाबंदी संविधान में हिन्दुओं के धार्मिक तथा नागरिक स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। प्रदेश हित में इन विषयों पर राज्यपाल सीधा संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करने का निर्देश दें।

संपादकीय

महिला बनाम अजन्मा बच्चा

भारत में गर्भपात कानूनन वैध है। सबसे पहले 1971 में संसद ने बिल पारित किया था, जो कानून बना, लेकिन 2021 में उसमें कुछ जरूरी संशोधन किए गए। गर्भपात के संदर्भ में दो स्थितियां सबसे महत्वपूर्ण आंकी गई हैं। एक, गर्भ कितने सप्ताह का है। दूसरे, महिला अधिकार और उसकी दैहिक स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। अब सर्वोच्च अदालत में ऐसी सुनवाई जारी है कि महिला की दैहिक स्वायत्तता के साथ-साथ गर्भ में पल रहे, जिंदा भ्रूण, अर्थात अजन्मे बच्चे, के भी अधिकार हैं। उसे महिला की इच्छा के मद्देनजर समाप्त नहीं किया जा सकता। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कुछ मानवीय सवाल उठाए हैं कि क्या वह एम्स के डॉक्टर को बुलाएं और अजन्मे बच्चे के दिल की धडक़नें बंद करने को कहें? भ्रूण को ऐसे नहीं मारा जा सकता। न्यायिक पीठ ने स्पष्ट किया है कि एक अजन्मा बच्चा, जीवित और सामान्य रूप से विकसित भ्रूण है। शीर्ष अदालत को उसके अधिकारों को, उसकी मां के निर्णय लेने की स्वायत्तता के अधिकार के साथ, संतुलित करना होगा। अजन्मे बच्चे के अधिकारों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सर्वोच्च अदालत के सामने यह मामला एक विवाहित महिला की याचिका के जरिए आया है, जो 26 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति लेने अदालत में आई है। हालांकि इस मुद्दे पर दो महिला न्यायाधीशों का विभाजित फैसला सामने आया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने 'महिला के हित में गर्भपात' की अनुमति दी है, जबकि जस्टिस हिमा कोहली ने 'जीवनक्षम भ्रूण' के लिए चिंता और सरोकार जताते हुए अनुमति देने से इंकार कर दिया है। नतीजतन गर्भपात के कानून और अधिकारों पर न्यायिक और चिकित्सीय भ्रम और भी बढ़ गया है। इसका अविलंब निराकरण किया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ एक अलग न्यायिक पीठ की अध्यक्षता कर रहे हैं, फिर भी उन्होंने अजन्मे बच्चे के अधिकारों पर अदालत का सरोकार जताया है। इस न्यायिक पीठ ने केंद्र और याचिकाकर्ता के वकील को, गर्भवती याचिकाकर्ता महिला से, गर्भावस्था को कुछ और सप्ताह तक बरकरार रखने की संभावना पर बात करने को कहा है। यदि महिला के कहे मुताबिक, सर्जरी के जरिए बच्चे को बाहर निकाला जाता है, तो उसमें शारीरिक और मानसिक विकार पैदा होने की आशंका है। ऐसा चिकित्सा रपटों के निष्कर्ष हैं। इस मामले के जरिए गर्भपात एक राष्ट्रीय चिंता का मुद्दा बन गया है। कानून में कई प्रगतिशील परिवर्तन करने के बावजूद इस क्षेत्र में कार्यरत संगठनों और संबद्ध कार्यकर्ताओं का मानना है कि अब भी कानून में सुधारों की गुंजाइश है। गर्भावस्था की जो अवधि 20-24 सप्ताह कानून में दी गई है, उसे और भी बढ़ाया जाना चाहिए। यदि 24 सप्ताह के बाद का गर्भ है और महिला उसे समाप्त कराना चाहती है, तो उसके लिए एक मेडिकल बोर्ड द्वारा निर्णय लेने की व्यवस्था हो। यह भी एक 'भद्दा मजाक' साबित न हो, क्योंकि हमारे देश में अब भी ऐसे इलाके हैं, जहां डॉक्टर ढूंढने पर भी नहीं मिलते। फिर भी आज चिकित्सा और अदालत को यह बिल्कुल स्पष्ट किया जाना चाहिए कि गर्भवती महिला के ही निर्णय का सम्मान किया जाए। सिर्फ उसके स्वास्थ्य को विचाराधीन रखा जाए। मौजूदा केस में भारत सरकार ने हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि मेडिकल बोर्ड का निष्कर्ष है कि भ्रूण जीवित है और वह जन्म ले सकता है। ऐसी स्थिति में महिला की इच्छा और मनःस्थिति को क्या नजरअंदाज किया जा सकता है? जिन न्यायाधीशों के फैसले आज विभाजित हैं, उन्होंने ही पहले संयुक्त रूप से फैसला सुनाया था कि महिला का अपने शरीर पर पूरा अधिकार है। बहरहाल यह याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दाखिल की गई है। इसके तहत भारत का प्रत्येक नागरिक शीर्ष अदालत को कह सकता है कि उसके मौलिक अधिकारों की रक्षा की जाए। देश में कितनी महिलाएं गर्भावस्था को लेकर अदालत तक पहुंच पाती हैं, यह भी एक अहम सवाल है। अजन्मे बच्चे के अधिकारों का सवाल खुद प्रधान न्यायाधीश ने उठाया है, लिहाजा इस पेचीदा स्थिति को उसकी समग्रता में ही संबोधित किया जाना चाहिए। माननीय न्यायालय का यह कहना भी ठीक है कि वह आने वाले बच्चे को नष्ट करने का आदेश नहीं दे सकता है।

सर्वोच्च अदालत के सामने यह मामला एक विवाहित महिला की याचिका के जरिए आया है, जो 26 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति लेने अदालत में आई है। हालांकि इस मुद्दे पर दो महिला न्यायाधीशों का विभाजित फैसला सामने आया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने 'महिला के हित में गर्भपात' की अनुमति दी है, जबकि जस्टिस हिमा कोहली ने 'जीवनक्षम भ्रूण' के लिए चिंता और सरोकार जताते हुए अनुमति देने से इंकार कर दिया है। नतीजतन गर्भपात के कानून और अधिकारों पर न्यायिक और चिकित्सीय भ्रम और भी बढ़ गया है। इसका अविलंब निराकरण किया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ एक अलग न्यायिक पीठ की अध्यक्षता कर रहे हैं, फिर भी उन्होंने अजन्मे बच्चे के अधिकारों पर अदालत का सरोकार जताया है।

कुछ अलग

स्कूल कैसे बनेंगे संस्थान

श्रेष्ठ स्कूल की अवधारणा में हिमाचल अपनी शिक्षा के स्तर में गुणवत्ता का संदेश देना चाहता है। वैसे सरकारी सेवाओं में गुणवत्ता लाने के आदर्श तो कायम होते हैं, लेकिन कार्यान्वयन की तस्वीर पर गौर नहीं होता, नतीजतन वही ढाक के तीन पात वाली स्थिति लौट आती है। जाहिर है यहां स्कूल बहुत खुल गए, लेकिन संस्थान नहीं। इमारतें बन गईं, लेकिन शिक्षा को आश्रय नहीं। बच्चे पढ़ गए, लेकिन अध्ययन की फिराक नहीं। शिक्षा अपनी कसौटियों में शर्मिंदा है, तो इस लाइलाज बीमारी को पुनः एक वेंटीलेटर पर चढ़ा दिया जाएगा। विडंबना यह कि शिक्षा कभी मरेगी नहीं, लेकिन स्वस्थ भी नहीं होगी, जब तक किसी तुक्के से इसे शिखर पर पहुचाने की सुर्खी देखेंगे। अब नई खोज यह है कि पांच से दस किलोमीटर के दायरे में खुल चुके बेहिसाब स्कूलों में से किसी एक की चमड़ी पर एक्सीलेंस का तमगा लगा दिया जाए। यहां शिक्षा के मानक नए सिरे से तय होंगे यानी शिक्षकों की तैनाती में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी ताकि प्रवेश पाने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हो। यह कसरत होनी चाहिए, लेकिन चिंता इस बात की भी हो कि आम जनता को क्यों निजी क्षेत्र के स्कूल पर निर्भर होना पड़ रहा है। यह माना जा सकता है कि निजी स्कूलों की मार्केटिंग इस तरह की हो चुकी है कि अभिभावक भी स्टेटस सिंबल मानकर बच्चों को वहां भेज रहे हैं, लेकिन प्रयास के स्तर पर तथा स्कूल शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों के कारण भी कुछ स्कूल अव्वल हो रहे हैं। कहना न होगा कि एक ओर जहां शहरी सरकारी स्कूलों ने खुद को अप्रासंगिक बना लिया, वहीं दूसरी ओर ऐसे निजी स्कूल पसंद किए जा रहे जो या तो आईसीएसई या सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत चल रहे हैं। ऐसे में क्यों न हिमाचल प्रदेश अपने चुनिंदा शहरी स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत चलाकर शिक्षा में गुणवत्ता के नए विकल्प तराशे। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम अगर सीबीएसई के सामने, एक तपके को आकर्षित नहीं कर पा रहे, तो उसे भी कुछ परिवर्तन करने होंगे। स्कूल ऑफ एक्सीलेंस तब साबित होंगे जब परीक्षा परिणामों की फेहरिस्त में करियर की तलाश पूरी होगी। दुर्भाग्यवश करियर की प्रतिस्पर्धा में छात्रों का एक ऐसा वर्ग समृद्ध हो रहा है, जो निजी स्कूलों व अकादमियों के बीच विकसित हुए ताने बाने का मोहताज है। दूसरी ओर सरकारी स्कूल शिक्षा को परीक्षा प्रणाली तक पहुचा कर बच्चों के सौ फीसदी सफलता परिणाम की मुनादी तक ही सीमित है। वहां करियर की उड़ान या वैकल्पिक पाठ्यक्रम का कोई प्रावधान नहीं। अगर विज्ञान व कॉमर्स के करियर में निजी स्कूल आगे हैं, तो आट्र्स विषयों के उच्चतम मानदंड से सरकारी स्कूल बहुत आगे निकल सकते हैं। इसी के साथ हिमाचल सरकार को यह भी सोचना चाहिए कि क्या स्कूलों को अनावश्यक रूप से स्तरोन्नत करके हम छात्र संख्या बढ़ाने के इच्छुक हैं या गुणवत्ता के लिहाज से कोई सफल मॉडल अपना रहे हैं। अगर स्कूली शिक्षा को सुदृढ़ करना है तो मैट्रिक स्कूलों की संख्या को सीमित नहीं करना चाहिए। मैट्रिक तक के स्कूल कहीं अधिक व्यावहारिक इसलिए भी हैं, क्योंकि यहां छात्रों को ज्ञान परिमार्जित करने का पाठ्यक्रम तथा भाषाई मजबूती के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास के अन्य पहलू भी मिलते हैं।

विधायकों व पूर्व में प्रत्याशी रहे नेताओं के नाम काट दिए जाने से पार्टी में विरोध की स्थिति उत्पन्न हो रही

जूझना पड़ रहा है

रमेश सर्राफ

राजस्थान में भाजपा के हिन्दुवादी चेहरे अलवर सांसद महंत बालकनाथ को तिजारा से मैदान में उतारा गया हैं। वहां भाजपा के पूर्व विधायक मास्टर मामन सिंह यादव ने बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने कि घोषणा कर दी है। राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा को सवाई माधोपुर सीट से प्रत्याशी बनाया। किरोड़ीलाल मीणा 5 बार विधायक, दो बार लोकसभा सदस्य व एक बार राज्यसभा सदस्य तथा राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में अगले विधानसभा चुनाव के टिकटों को लेकर अंदरूनी गुटबाजी सामने आ रही है। आगामी नवंबर महीने में देश के पांच प्रदेशों- मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान व तेलंगाना में विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा ने अभी तक मध्य प्रदेश में 136 सीटों पर छत्तीसगढ़ में 84 सीटों पर व राजस्थान में 41 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर कांग्रेस पर बढ़त तो बना ली है। मगर भाजपा की सूची में बहुत से मौजूदा विधायकों व पूर्व में प्रत्याशी रहे नेताओं के नाम काट दिए जाने से पार्टी में विरोध की स्थिति उत्पन्न हो रही है। विभिन्न चुनावी एजेंसियों द्वारा किये गए सर्वे के आधार पर भाजपा ने पार्टी विरोधी लहर को रोकने के लिए बहुत-सी सीटों पर प्रत्याशियों में फेरबदल किया है। भाजपा द्वारा राजस्थान में 6 लोकसभा व एक राज्यसभा सदस्य को, मध्य प्रदेश में तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित सात लोकसभा सदस्यों के साथ पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय को मैदान में उतारा गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह सहित चार सांसदों को चुनाव मैदान में उतर गया है। हालांकि भाजपा ने केंद्रीय मंत्रियों व सांसदों को उन्हीं सीटों पर मैदान में उतारा है जहां पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। मगर सांसदों को विधानसभा चुनाव में टिकट देने से उस क्षेत्र में विरोध की स्थिति पैदा हो गई है। कई क्षेत्रों में प्रत्याशी पिछले पांच साल से चुनाव की तैयारी कर रहे थे। वहां सांसदों को टिकट देने से उनमें नाराजगी व्याप्त हो रही है। राजस्थान के जयपुर में विद्याधर नगर सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी मौजूदा विधायक हैं। उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव करीबन 31232 वोटों से जीता था। उनका टिकट कटने से उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए यहां तक कह दिया कि मेरा टिकट काटकर मुगलों के सामने घुटने टेकने वालों को टिकट देना कहां का इंसाफ है। हालाँकि बाद में राजवी अपने बयान से पलट गए। दीया कुमारी अभी राजसमंद से सांसद हैं तथा 2013 में सवाई माधोपुर से विधायक रह चुकी हैं। जयपुर की झोटवाड़ा विधानसभा सीट से राजपाल सिंह शेखावत का टिकट काट कर उनके स्थान पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री व जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन राठौड़ को मैदान में उतारा गया है। टिकट काटने पर राजपाल शेखावत के समर्थकों ने भाजपा मुख्यालय पर जाकर जमकर बवाल मचाया। राजपाल शेखावत कई बार विधायक तथा राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री रह

चुके हैं। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ लगातार दो बार जयपुर ग्रामीण से सांसद का चुनाव जीत चुके हैं। अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी को किशनगढ़ से विधानसभा का टिकट दिया गया है। पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे विकास चौधरी तो अपने टिकट काटने पर रोने लगे तथा कहा कि पैसों के बल पर टिकट दी गई है। हालांकि भागीरथ चौधरी 2003 व 2013 में किशनगढ़ से विधायक रह चुके हैं। 2018 में उनका टिकट काट दिया गया था। फिर 2019 को उनको अजमेर से लोकसभा का टिकट दिया गया था और वह चुनाव जीत गए थे। झुंझुनूं के सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ को मंडावा सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। नरेंद्र कुमार मंडावा से चार चुनाव लड़ चुके हैं। जिसमें वह दो बार हारे व दो बार जीते थे। 2018 में उन्होंने भाजपा टिकट पर विधानसभा का चुनाव जीता था। मगर 2019 में उन्होंने सांसद बनने पर विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। जालौर से लगातार तीन बार के सांसद देवजी पटेल को सांचौर से वन मंत्री सुखराम बिश्नोई के सामने मैदान में उतारा गया है। सांचौर से भाजपा एक बार 2003 में ही जीत पाई थी। सांचौर से सांसद देवजी पटेल को टिकट मिलने से वंचित टिकट दावेदारों में आक्रोश है। वहां सांसद के काफिले को लोगों ने बीच रास्ते में रोका व काले झंडे दिखाकर उनका विरोध जताया और काफिले के वाहनों पर पथराव किया जिससे दो से तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इस उग्र प्रदर्शन से घिरे सांसद देवजी पटेल ने जैसे-तैसे अपनी जान बचायी। राजस्थान में भाजपा के हिन्दुवादी चेहरे अलवर सांसद महंत बालकनाथ को तिजारा से मैदान में उतारा गया हैं। वहां भाजपा के पूर्व विधायक मास्टर मामन सिंह यादव ने बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने कि घोषणा कर दी है। राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा को सवाई माधोपुर सीट से प्रत्याशी बनाया। किरोड़ीलाल मीणा 5 बार विधायक, दो बार लोकसभा सदस्य व एक बार राज्यसभा सदस्य तथा राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। वह एक बार सवाई माधोपुर से विधायक भी रह चुके हैं। राजस्थान में भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी कि अध्यक्षता में एक कमेटी बनायीं है जो बागी प्रत्याशियों को समझाकर मनायेगी। इस कमेटी ने अपना काम भी शुरू कर दिया है। भाजपा के कई बड़े नेता अलग-अलग जिलों में जाकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें समझा रहे हैं। मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को दिमनी, प्रहलाद सिंह पटेल को नरसिंहपुरी, फगन सिंह कुलस्ते को निवास विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं लोकसभा सांसद राकेश सिंह को जबलपुर पश्चिम, गणेश सिंह को सतना, प्रीति पाठक को सीधी और उदय प्रताप सिंह को गाडरवारा से प्रत्याशी बनाया गया है। इसके साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को इंदौर क्रमांक-1 से प्रत्याशी बनाया गया है। मध्य प्रदेश में अब तक घोषित 136 प्रत्याशियों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम भी शामिल है। छत्तीसगढ़ से केंद्र सरकार में मंत्री रेणुका सिंह को भरतपुर-मोनहता सीट से, सांसद गोमती सांय को पत्थलगांव, सांसद अरुण सांव को लोरमी से प्रत्याशी बनाया गया है। दुर्ग से सांसद विजय बघेल को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने पाटन से प्रत्याशी बनाया गया है। विजय बघेल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भतीजे हैं। वहीं आईएएस अधिकारी रहे ओपी चौधरी को रायगढ़ से व नीलकंठ टेकाम को केशकाल से प्रत्याशी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को भी टिकट दिया गया है। भाजपा अभी छत्तीसगढ़ में कमजोर मानी जा रही है जहां उनके पास मात्र 14 विधायक ही हैं। हिंदी भाषी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में भाजपा की लिस्ट जारी होने के बाद कई सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों को बागियों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान में भाजपा से विधानसभा का चुनाव लड़ रहे सात सांसदों को टिकट मिलते ही कांग्रेस या अन्य दलों के प्रत्याशियों से पहले अपनी ही पार्टी के लोगों में उभर रहे विरोध से पार पाना होगा।। इनमें बड़ा नाम तिजारा से बाबा बालकनाथ, किशनगढ़ से भागीरथ चौधरी, सांचौर से देवजी पटेल हैं जो अपनों से ही घिर रहे हैं। बीजेपी मुख्यालय पर राज्यवर्धन गो बैक और विजय बैंसला के लिए बाहरी भगाओ देवली-उनियारा बचाओ के नारे लगे हैं।

क्या कुल्लू दशहरा भरेगा हिमाचली जीवन में रंग

हिमाचल के विभिन्न सांस्कृतिक मंचों के कलाकारों द्वारा भी पर्यटकों और स्थानीय लोगों का मनोरंजन किया जाएगा। मेले में लगने वाले स्टाल या दुकानों को पैगोड़ा, यहां की मंदिर निर्माण वास्तुकला, का आकार देने की कोशिश की जाएगी। साफ-सफाई और रोशनियों का विस्तृत प्रबंध किया जा रहा है। व्यापारिक दृष्टि से यह मेला कुल्लू और लाहुल-स्पीति के लिए बहुत महत्व रखता है। पिछले कुछ सालों में जब से अटल सुरंग शरू हुई है, लोगों को यातायात हर मौसम में आवाजाही की सुविधा है। लेकिन पहले जब यातायात रोहतांग दर्रे से होकर गुजरता था तब अधिकतर खरीददारी लोग दशहरा के मेले से ही करते थे। अब भी यह परंपरा है। क्योंकि बर्फबारी और मौसम की अनिश्चितता बनी रहती है। हां, यह बात अलग है कि सुरंग के आसपास का रास्ता अगर बर्फबारी में कुछ दिनों के लिए बंद भी रहे तो उसे जल्दी खोलने के लिए हम सक्षम हैं।

अक्टूबर महीने की 24 तारीख से शुरू वाले दशहरा उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। कुल्लू दशहरा या विजय दशमी की खास बात यह है कि जब यह उत्सव बाकी जगह सम्पन्न होता है तो यहां शुरू होता है और यह उत्सव भगवान श्री राम की रथयात्रा से शुरू होता है। यह पारंपरिक रथ यात्रा है जिसमें घाटी के अधिकतम देवी-देवता शामिल होते हैं। दशहरा की तैयारी में पूरा कुल्लू प्रशासन जुटा है। दशहरा कमेटी के अध्यक्ष एवं सीपीएस सुंदर सिंह ठाकुर स्वयं प्रशासन के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव की तैयारियों में एक महीने से जुटे हैं। क्योंकि वे कुल्लू से हैं और उन्होंने बचपन से दशहरा उत्सव में भाग लिया है तो उनके पास दशहरा को किस तरह से और बेहतर बनाया जा सकता है, इसके लिए कई विचार हैं। दशहरा उत्सव की खास बात यह होगी कि इसमें लगभग बीस देशों के सांस्कृतिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। हिमाचल के विभिन्न सांस्कृतिक मंचों के कलाकारों द्वारा भी पर्यटकों और स्थानीय लोगों का मनोरंजन किया जाएगा। मेले में लगने वाले स्टाल या दुकानों को पैगोड़ा, यहां की मंदिर निर्माण वास्तुकला, का आकार देने की कोशिश की जाएगी। साफ-सफाई और रोशनियों का विस्तृत प्रबंध किया जा रहा है। व्यापारिक दृष्टि से यह मेला कुल्लू और लाहुल-स्पीति के लिए बहुत महत्व रखता है। पिछले कुछ सालों में जब से अटल सुरंग शरू हुई है, लोगों को यातायात हर मौसम में आवाजाही की सुविधा है। लेकिन पहले जब यातायात रोहतांग दर्रे से होकर गुजरता था तब अधिकतर खरीददारी लोग दशहरा के मेले से ही करते थे। अब भी यह परंपरा है। क्योंकि बर्फबारी और मौसम की अनिश्चितता बनी रहती है। हां, यह बात अलग है कि सुरंग के आसपास का रास्ता अगर बर्फबारी में कुछ दिनों के लिए बंद भी रहे तो उसे जल्दी खोलने के लिए हम सक्षम हैं। पिछले तीन सालों में कुल्लू दशहरा ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। पूरे देश में ही अनिश्चितता का वातावरण था। लेकिन इस बार बरसातों में हिमाचल को बहुत कठिन दौर से गुजरना पड़ा। अकस्मात बाढ़, बारिशें, बादलों का फटना, भूस्खलन और पहाडियों और रास्तों का जगह-जगह से बह जाना, यह सब दुखद है। 9 जुलाई से लगातार नुकसान और 14 अगस्त के बाद हिमाचल प्रदेश के निवासियों को काफी नुक्सान हुआ। जान-माल की खूब क्षति हुई। हिमाचल धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़ा हो रहा है। 12000 करोड़ की हानि के बाद, केंद्र सरकार और राज्य सरकार के प्रयत्नों से बहुत सी सडक़ों और दूसरी जगहों को ठीक किया गया है। सडक़ों के जगह-जगह से बह जाने से हिमाचल में पर्यटकों का आना-जाना लगभग बंद हो गया था। ज्ञात रहे हिमाचल की आर्थिक स्थिति पर्यटन और बागवानी पर अधिक निर्भर करती है। पिछले 15 दिनों में कुल्लू, मनाली तथा दूसरे पर्यटक स्थलों में पर्यटकों का आना-जाना शुरू हुआ है। कुल्लू दशहरा, आपदा से उभरे हिमाचल के जीवन में नया रंग भरेगा। यह साल का सबसे बड़ा उत्सव है। हिमाचल सरकार चाहती है कि इसे इस बार एक यादगार उत्सव बनाया जाए। इसलिए इसे अच्छे तरीके से योजनाबद्ध किया गया है। दशहरा कमेटी के अध्यक्ष एवं सीपीएस सुंदर सिंह ठाकुर नहीं चाहते कि कोई कसर बाकी रहे। उपायुक्त आशुतोष गर्ग और तमाम प्रशासनिक अधिकारी जो दशहरा कमेटी का हिस्सा हैं, दशहरा उत्सव को खास बनाने में लगे हैं। सुरक्षा और सुविधा को प्रमुखता दी जा रही है। कुल्लू दशहरा उत्सव को अंतरराष्ट्रीय फोक डांस फेस्टिवल भी कहा जाता है। कुल्लू के लोक नर्तक सामूहिक नाटी में रिकार्ड तो बना ही चुके हैं। इस बार 20 देशों के कलाकार नृत्य और अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। स्थानीय लोगों के लिए विश्व संस्कृति की झलक देखने का यह सुनहरा अवसर होगा। दशहरा में 325 देवी-देवता भाग लेंगे। यह संख्या कम या ज्यादा हो सकती है। उन्हें तमाम सुविधाएं प्रदान की जाएं, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। दशहरा को आधुनिकता प्रदान की जा रही है। पारंपरिक मान्यताओं को उतना ही सम्मान भी दिया जा रहा है। दशहरा के प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया का भरपूर प्रयोग किया जाएगा। दशहरा के विज्ञापन आजकल एक्स (जो पहले ट्विटर था) और दूसरे सोशल मीडिया पर देखे जा सकते हैं। विभिन्न समाचार पत्रों और दृश्य संचार साधनों में भी इस उत्सव का जमकर उल्लेख किया जा रहा है। कुल्लू दशहरा प्रदेश में आपसी मिलनसारी और भाईचारे का प्रतीक भी है। इस अवसर पर लोगों का बड़ी संख्या में मेला देखने आना, आपस में मिलना जुलना, सांस्कृतिक आदान प्रदान और खुशी के सात दिनों को बिताना, अपने आप में रोमांचकारी है। पिछले तीन महीने हिमाचल के जीवन में बहुत कष्ट लेकर आए। लेकिन सबके सांझा प्रयासों से हम मुश्किलों से निपट कर लगभग सामान्य हो रहे हैं। दशहरा उत्सव उदास चेहरों पर खुशी लौटा सकने में कामयाब होगा। व्यापारी, खरीददार और पर्यटक इस वार्षिक उत्सव का बहुत बेसब्री से इंतजार करते हैं। यह महासंगम है हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत का। यहां की लोककला का, यहां के इतिहास का, वाद्ययंत्रों का, धार्मिक परम्परा का और दर्पण है पहाड़ी जीवन का। सात दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में पूरी कुल्लू वादी नया रूप धारण कर लेती है। पूरी वादी में हिमाचल के लोकगीतों की आवाज गूंजती है। देवी-देवताओं के रथों या पालकियों के साथ लोगों के झुण्ड दशहरे में शामिल होते हैं, रथयात्रा में लोगों का सैलाब उमड़ पड़ता है। श्री रघुनाथ जी का रथ पर विराजमान होना और घाटी के समस्त देवी-देवताओं का इस रथयात्रा में भाग लेना, श्रद्धालुओं का रथ को खींचना, सबसे सुन्दर तस्वीर प्रस्तुत करता है। हिमाचल की जनता और बाहर से आने वाले सैलानियों के लिए यह महाकुंभ है, देवभूमि की धार्मिक आस्था में लीन होने के लिए।

देश दुनीया से

गांधी जी ने लिखा था, फलिस्तीन पर यहूदियों को थोपना अन्यायपूर्ण

इजरायल फलिस्तीनी संघर्ष सदी से भी पुरानी है और इसी तरह के सशस्त्र समाधान के पहले भी प्रयास हो चुके हैं, इसलिए इसका समाधान गांधी दर्शन के आधार पर ही हो सकता है। हालांकि गांधी जी ''हरिजन'' के 26 नवम्बर 1938 के अंक में यहूदियों के प्रति अपनी सहानुभूति जताने के साथ ही फलिस्तीन में यहूदियों को बसाने को अन्यायपूर्ण बता चुके थे। जिस तरह इंग्लैण्ड अंग्रेजों का है, फ्रांस फ्रेंच लोगों का है उसी तरह फलिस्तीन अरब के लोगों का है। गांधी जी ने यहूदियों के प्रति सहानुभूति जताते हुए लिखा था कि जिस तरह हिन्दुओं में हरिजनों के साथ अछूतों जैसा व्यवहार होता है उसी तरह यहूदी इसाई धर्म के अछूत ही हैं जिनके साथ धर्म के आधार पर भेदभाव और अत्याचार होते रहे हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि उन्हें अरब लोगों पर थोप दिया जाए। यहूदी आबादी में वृद्धि के साथ तनाव भी बढ़ता गया इजरायल-फलिस्तीनी संघर्ष एक लंबे समय से चला आ रहा और जटिल भू-राजनीतिक विवाद है जिसकी जड़ें ऐतिहासिक, धार्मिक, राजनीतिक और क्षेत्रीय कारकों से जुड़ी हुई हैं। इजरायली (यहूदी) और फलिस्तीनी (अरब) दोनों का फिलिस्तीन क्षेत्र से ऐतिहासिक संबंध है। यह क्षेत्र सदियों से लेकर प्रथम विश्व युद्ध के बाद इसके पतन तक ओटोमन साम्राज्य का हिस्सा था। प्रथम विश्व युद्ध के बाद, राष्ट्र संघ ने ब्रिटेन को फलिस्तीन पर शासन करने का अधिकार दिया और उसी के बाद यहां यहूदी आप्रवासन में वृद्धि हुई। यहां 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में जायोनी आंदोलन (जियानिस्ट) का उदय हुआ, जिसका उद्देश्य फलिस्तीन में एक यहूदी मातृभूमि की स्थापना करना था। इसी की प्रतिकृया स्वरूप क्षेत्र में अरब आबादी के बीच अरब राष्ट्रवाद मुखर होता गया। दरअसल, विवाद की असली शुरुआत फलिस्तीन क्षेत्र पर अधिकार मिलने के बाद 2 नवंबर, 1917 को ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश सचिव आर्थर बालफोर द्वारा ब्रिटिश यहूदी समुदाय के प्रमुख लियोनेल वाल्टर रोथ्सचाइल्ड को संबोधित एक पत्र से हुई जिसमें फलिस्तीन में यहूदियों के लिए ''होमलैण्ड'' की स्थापना के लिए ब्रिटिश सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई थी। दरअसल, यह जायोनी आंदोलन (यहूदियों) को एक ऐसा देश देने का वादा था जहां फलिस्तीनी अरब मूल की 90 प्रतिशत से अधिक आबादी थी। यह क्षेत्र 1923 से लेकर 1948 तक ब्रिटिश हुकूमत के अधीन रहा। उस अवधि के दौरान, अंग्रेजों ने बड़े पैमाने पर यहूदी अप्रवासन की सुविधा दी, जो यहूदी यूरोप में नाजीवाद के अत्याचारों से भाग रहे थे उन्हें यहां बसाया गया। फलिस्तीनी अपने देश की बदलती जनसांख्यिकी और ब्रिटेन द्वारा उनकी भूमि को यहूदी बाशिंदों को सौंपे जाने से जब्त होने से चिंतित थे। क्षेत्र में बढ़ती यहूदी आबादी के फलस्वरूप बढ़ते तनाव के कारण अंततः अरब विद्रोह हुआ, जो 1936 से 1939 तक चला। अप्रैल 1936 में नवगठित अरब राष्ट्रीय समिति ने फलिस्तीनियों से ब्रिटिश उपनिवेशवाद और बढ़ते यहूदी आप्रवासन के विरोध में एक आम हड़ताल शुरू करने, कर भुगतान रोकने और यहूदी उत्पादों का बहिष्कार करने का आह्वान किया। इस छह महीने की हड़ताल को अंग्रेजी हुकूमत ने बेरहमी से दबा दिया। विद्रोह का दूसरा चरण 1937 के अंत में शुरू हुआ और इसका नेतृत्व फलिस्तीनी किसान प्रतिरोध आंदोलन ने किया, जिसने ब्रिटिश सेनाओं और उपनिवेशवाद को निशाना बनाया। 1939 की दूसरी छमाही तक ब्रिटेन ने फलिस्तीन में 30,000 सैनिक तैनात कर लिए थे। इसी कड़ी में अंग्रेजों ने वहां बसने वाले यहूदी समुदाय के साथ सहयोग किया और सशस्त्र समूहों और ब्रिटिश नेतृत्व वाले यहूदी लड़ाकों के 'आतंकवाद विरोधी बल' का गठन किया, जिसे स्पेशल नाइट स्क्वाड नाम दिया गया।

गांधी जी ने यहूदियों के प्रति सहानुभूति जताते हुए लिखा था कि जिस तरह हिन्दुओं में हरिजनों के साथ अछूतों जैसा व्यवहार होता है उसी तरह यहूदी इसाई धर्म के अछूत ही हैं जिनके साथ धर्म के आधार पर भेदभाव और अत्याचार होते रहे हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि उन्हें अरब लोगों पर थोप दिया जाए। यहूदी आबादी में वृद्धि के साथ तनाव भी बढ़ता गया इजरायल-फलिस्तीनी संघर्ष एक लंबे समय से चला आ रहा और जटिल भू-राजनीतिक विवाद है जिसकी जड़ें ऐतिहासिक, धार्मिक, राजनीतिक और क्षेत्रीय कारकों से जुड़ी हुई हैं। इजरायली (यहूदी) और फलिस्तीनी (अरब) दोनों का फिलिस्तीन क्षेत्र से ऐतिहासिक संबंध है।

दृष्टिकोण

इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध व तुष्टिकरण

इजरायल फिलिस्तीन युद्ध में हमास के क्रूर आतंकी घटना की आलोचना करने के बजाय इजरायल की निंदा करने से साबित हो गया है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल अल्पसंख्यकों के वोट के लिए किस तरह तुष्टिकरण की नीति पर चलते हैं। यही वजह है कि भाजपा विपक्षी दलों पर आक्रामक रुख अख्तियार करती रही है। दरअसल विपक्षी दल आतंकी हमास की निंदा करके देश के अल्पसंख्यक वोट बैंक को नाराज नहीं करना चाहते। इस नए युद्ध की शुरुआत आतंकी संगठन हमास ने की। इसमें सैकड़ों निर्दोष लोग मारे गए और बड़ी संख्या में लोगों का अपहरण कर लिया। इसके विपरीत इस मुद्दे पर कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति अपना कर भाजपा को फिर से एक नया मुद्दा थमा दिया। केंद्र की भाजपा सरकार ने पहले दिन से ही रुख साफ कर दिया कि किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई का भारत समर्थन नहीं करेगा। केन्द्र सरकार की यह नीति जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली आतंकी कार्रवाइयों से प्रभावित है। आश्चर्य की बात यह है कि इस मामले में नए बने विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस को छोड़ कर ज्यादातर दलों ने कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की। ऐसे मुद्दों पर विपक्षी दल ज्यादातर बचाव या विरोध की नीति ही अपनाते रहे हैं। दरअसल कांग्रेस सहित गैर भाजपा दलों का निशाना भी अल्पसंख्यक वोट बैंक होता है। ऐसे में कोई भी दल सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया जाहिर करने से बचता है। इसमें हमास ने पहले हमला कर युद्ध को आमंत्रित किया, इसलिए विपक्षी दल स्पष्ट प्रतिक्रिया देने से कतरा रहे हैं। इसके विपरीत जम्मू-कश्मीर में धारा 370, तीन तलाक और अयोध्या में राम मंदिर जैसे मुद्दों पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने भाजपा के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया जाहिर करने में देर नहीं लगाई। धारा 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर की शांति और तरक्की की हालत सर्वविदित है। पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग शून्य हो गई हैं। इस साल पर्यटकों की रिकार्ड आमद दर्ज की गई है। जम्मू-कश्मीर से एक अग्निवीर का दस्ता तक सेना में शामिल हुआ है। जम्मू-कश्मीर में जी-20 की बैठक हो चुकी है। इसी से स्पष्ट होता है कि गैर भाजपा दलों को किस तरह से अल्पसंख्यक वोट बैंक के तौर पर नजर आते हैं। इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध को लेकर फिलिस्तीन के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें निराशा और पीड़ा व्यक्त की और फिलिस्तीनी लोगों के भूमि (और) स्वशासन, गरिमा और सम्मान के साथ जीने के अधिकार के प्रति अपने समर्थन को तवज्जो दी। हमास ने जिस तरह बच्चों और महिलाओं के कत्ल करके इनसानियत को शर्मसार किया, उस पर कांग्रेस ने एक शब्द भी नहीं कहा और न ही अपहृत लोगों को रिहा किए जाने की अपील की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी का हमेशा मानना रहा है।

इजराइल के हवाई हमले में ढेर हुआ हमास की वायुसेना का प्रमुख, आतंकियों को दिए थे हमले के निर्देश

तेल अवीव ।
इजराइली वायु सेना ने कहा है कि उसके हमले में हमास की वायु सेना का चीफ मुराद अबु मुराद मारा गया है। इजराइल ने हमास की वायु सेना के मुख्यालय पर हवाई हमला किया, जिसमें मुराद अबु मुराद के मारे जाने की खबरें हैं। इजराइली वायु सेना ने बयान में कहा कि बीते हमास के आतंकियों को निर्देश मुराद अबु मुराद की तरफ से ही दिए गए थे।

गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर इजराइल ने बरसाए बम

इजराइली वायु सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि बीते दिन, वायु सेना के फाइटर जेट्स ने आतंकी संगठन हमास के आकाशीय गतिविधियां संचालित करने वाले मुख्यालय पर हमला किया गया। इस हमले में मुराद अबु मुराद मारा गया। इजराइली वायु सेना ने कहा है कि अन्य हमलों में उन्होंने हमास के कमांडो फोर्स के ठिकानों पर बम बरसाए। बीती रात भी इजराइली सेना के फाइटर जेट्स ने गाजा पट्टी में बड़े पैमाने पर हमले किए। साथ ही एक आतंकी सेल की भी पहचान कर उन्हें निशाना बनाया गया, जिसमें कई आतंकियों के मारे जाने की खबरें हैं। इजराइल ने बताया कि ये आतंकी लेबनान से इजराइली सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

इजराइली सेना ने गाजा के उत्तरी इलाके में रहने वाले लोगों को दक्षिण की तरफ जाने का निर्देश दिया है ताकि हवाई हमलों में आम नागरिक हताहत ना हो। अब इजराइली सेना ने कहा है कि गाजा पट्टी से फलस्तीनी नागरिकों का पलायन शुरू हो गया है और बड़े पैमाने पर लोग दक्षिण की तरफ जा रहे हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजराइल के इस अल्टीमेटम पर नाराजगी जाहिर की है और कहा है कि इतने बड़े पैमाने पर लोगों को निकालना बेहद मुश्किल है। इजराइली सेना ने कहा है कि अभी भी हमास ने गाजा में 120 नागरिकों को बंधक बनाया हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर कोरिया ने 1000 कंटेनरों में रूस भेजे हथियार और गोला-बारूद, व्हाइट हाउस ने किया दावा

वाशिंगटन । यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष जारी है। इस बीच व्हाइट हाउस ने बड़ा दावा किया है। व्हाइट हाउस का कहना है कि उत्तर कोरिया ने रूस को 1000 से अधिक कंटेनर सैन्य उपकरण और युद्ध सामाग्री पहुंचाई है। हाल ही में उत्तर कोरिया के तानाशाह राष्ट्रपति किम जोंग उन रूस यात्रा पर गए थे। संभावना है कि इस दौरान दोनों देशों के बीच योजना पर चर्चा की गई होगी। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका का मानना है कि उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को बढ़ावा देने के किम जोंग उन हथियारों के बदले रूसी हथियार प्रोद्योगिकियों की मांग कर रहा है। व्हाइट हाउस ने बताया कि सात सितंबर को युद्ध सामाग्री और हथियारों से भरे कंटेनरों को उत्तर कोरिया के नाजिन बंदरगाह पर जहाज में लादा गया, जो एक अक्तूबर को रूस के डुने बंदरगाह पर पहुंचे। जहाजों पर रूसी झंडा फहर रहा था। इसके बाद कंटेनरों को दक्षिण-पश्चिमी रूस तक पहुंचाने के लिए ट्रेन की मदद ली गई। अमेरिका ने इसकी फोटो भी जारी की है। इससे पहले अमेरिका ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया अपने सहयोगी देश रूस को गोले-बारूद, तोपखाने के और रॉकेट उपलब्ध करा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी थी कि पुतिन और किम जोंग जल्द ही हथियार सौदे पर पूर्वी रूसी शहर व्लादिवोस्तोक में मुलाकात करने वाले हैं। उत्तर कोरिया भी इस डील को लेकर उत्सुक है। यही वजह है कि उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन, जो आमतौर पर देश से बाहर नहीं जाते हैं, वह रूस के दौरे पर गए थे। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने उस वक्त कहा था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के बीच रूस में बैठक के बारे में सवालों के जवाब में चेतावनी जारी की थी। उन्होंने कहा था कि उत्तर कोरिया और रूस के बीच हथियारों की बिक्री में दलाली करने वाली संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए हमने पहले ही कई कार्रवाई की है। अगर जरूरी हुआ तो हम आगे भी अतिरिक्त कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यह परेशान करने वाली बात है कि रूस और उत्तर कोरिया सहयोग बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन कर सकता है।

इजराइल पर हमले में हमास का साथ हिज्बुल्ला संगठन, लेबनान से कर सकता है वार

बेरूत। लेबनान के ईरान समर्थित आतंकी संगठन हिज्बुल्ला ने कहा है कि वह इजराइल के खिलाफ जंग में हमास के समर्थन में उतर सकता है। हिज्बुल्ला के उप-प्रमुख नसीम कासेम ने कहा है कि जब सही समय होगा, तब उनका संगठन हमास के इजराइल के खिलाफ छेड़े गए युद्ध का हिस्सा बनेगा। गौरतलब है कि इजराइल और हमास के बीच संघर्ष अब आठवें दिन में पहुंच चुका है। इसमें 3200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। कासेम ने लेबनान की राजधानी बेरूत में फलस्तीन के समर्थन में निकाली गई एक रैली में कहा, हिज्बुलला के तौर पर हम इस जंग में अपना योगदान दे रहे हैं और आगे भी हम अपने नजरिए और योजना के तहत योगदान देना जारी रखेंगे। हम पूरी तरह तैयार हैं और जब समय आएगा तब कार्रवाई करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले लेबनान दौरे पर ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लहियन ने भी इजराइल-हमास युद्ध को लेकर ऐसा ही बयान दिया था। हिज्बुल्ला के प्रमुख सैयद हसन नसरल्लाह से मुलाकात के दौरान हुसैन ने हमास का समर्थन करते हुए इजराइल पर संगठन के हमले को सही बताया था।

स्कूल में टीचर पर हमला, मौत, राष्ट्रपति मैक्रों बोले- इस्लामिक आतंकवाद की बर्बरता से प्रभावित हुआ देश

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति ने इस्लामिक चरमपंथ पर टिप्पणी की है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति का कहना है कि फ्रांस इस्लामिक 'आतंकवाद की बर्बरता से प्रभावित' हुआ है। दरअसल, उत्तरी फ्रांस के अर्रास में स्थित गैम्बेटा-कारनोट पब्लिक स्कूल में चाकूबाजी हो गई थी, जिसमें एक शिक्षक की मौत हो गई तो वहीं, दो छात्रों की मौत हो गई। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने स्कूल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि फ्रांस इस्लामिक आतंकवाद की बर्बरता से प्रभावित हुआ है। लगभग तीन साल पहले सैमुअल पैटी की हत्या के बाद अब एक बार फिर स्कूल में आतंकवाद फैल गया है। कायरतापूर्ण रूप से शिक्षक की हत्या की है। मैक्रों ने शिक्षक और दोनों घायल छात्रों के साथ-साथ एक अन्य शिक्षक सहित एक स्कूल कर्मचारी की तारीफ की, जिन्होंने संदिग्ध के हमले का सामना किया था।

हमास के हमले का मध्य पूर्व में हुआ बड़ा असर, सऊदी अरब-ईरान आए करीब, इजराइल से थमी बातचीत

रियाद ।
फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास के इजराइल पर किए गए हमले और इजराइल की जवाबी कार्रवाई का मध्य पूर्व की राजनीति पर बड़ा असर पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इजराइल और सऊदी अरब के बीच होने वाली ऐतिहासिक बातचीत फिलहाल ठंडे बस्ते में चली गई है। सऊदी अरब अपनी विदेश नीति पर फिर से विचार कर रहा है। इजराइल-हमास के हमले का ही असर है कि सऊदी अरब और ईरान के बीच शीर्ष स्तर पर बातचीत हो रही है। सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से गाजा पट्टी के हालात पर फोन पर चर्चा की।

अमेरिका कर रहा मध्यस्थता

बता दें कि सऊदी अरब-इजराइल के बीच बातचीत की मध्यस्थता अमेरिका द्वारा की जा रही थी। दावा किया जा रहा था कि इस बातचीत से मध्य पूर्व की राजनीति में बड़े बदलाव हो सकते हैं। साथ ही इस बातचीत के बदले में सऊदी अरब का अमेरिका के साथ अहम रक्षा समझौता भी होता। हालांकि अब इजराइल और हमास के बीच छिड़ी लड़ाई से यह पूरी बातचीत फिलहाल टल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब पूरी अरब दुनिया गाजा पट्टी पर इजराइली हमले से नाराज है तो ऐसे वक्त में सऊदी अरब, इजराइल से बातचीत कर अरब देशों को नाराज करने का खतरा मोल नहीं लेना चाहता।

इजराइल-हमास हमले से बदले हालात

बता दें कि बीती सात अक्तूबर को हमास ने इजराइली सीमा में घुसकर अप्रत्याशित तरीके से हमला किया और 1300 लोगों की हत्या की और कई को अगवा कर लिया। इसके जवाब में इजराइल ने जवाबी कार्रवाई में गाजा पट्टी पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए, जिससे गाजा पट्टी में 1500 लोगों की मौत हो चुकी है। अब इजराइल गाजा पट्टी पर जमीनी हमले की तैयारी कर चुका है और अपने साढ़े तीन लाख सैनिक उसने सीमाओं पर तैनात कर दिए हैं।

अरब देशों में फलस्तीन एक बड़ा मुद्दा है, जिसके चलते इस्लामी राष्ट्रों और इजराइल के संबंध पटरी पर नहीं आ रहे हैं। हालांकि अमेरिका द्वारा लगातार इजराइल का समर्थन किया जा रहा है और अमेरिका ही मध्यस्थता कराकर इजराइल की सऊदी अरब के साथ बातचीत की कोशिश कर रहा था। अब इजराइल हमास के बीच छिड़ी लड़ाई ने हालात को और बदतर बना दिया है। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलीवन ने कहा है कि बातचीत थमी नहीं है लेकिन फिलहाल फोकस अन्य चीजों पर हो गया है।

ईरान-सऊदी अरब के शीर्ष नेताओं के बीच हुई बातचीत वहीं लड़ाई के चलते सऊदी अरब और ईरान के बीच भी बातचीत एक अहम बदलाव है। अप्रैल में चीन ने सऊदी अरब और ईरान के बीच मध्यस्थता कराई थी, जिसके बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच इजराइल हमास युद्ध और गाजा पट्टी को लेकर बातचीत हुई। दोनों देशों ने मौजूदा लड़ाई को रोकने के लिए हरसंभव मदद की बात कही। दोनों नेताओं के बीच 45 मिनट बातचीत हुई।

रिपब्लिकन ने जिम जॉर्डन को बनाया प्रतिनिधि सभा अध्यक्ष के लिए उम्मीदवार, ट्रंप ने किया समर्थन

वॉशिंगटन । अमेरिका की सबसे पुरानी पार्टी रिपब्लिकन ने प्रतिनिधिसभा के अध्यक्ष पद के लिए फायरब्रांड नेता जिम जॉर्डन को उम्मीदवार बनाया है। रिपब्लिकन के आंतरिक मतदान में जॉर्डन के नाम पर अंतिम सहमति बनी। बता दें, जॉर्डन को ट्रंप का कट्टर समर्थक माना जाता है। वहीं, पूर्व अध्यक्ष कैविन मैक्कार्थी का कहना है कि मुझे लगता है कि जॉर्डन बहुत अच्छा काम करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिम जॉर्डन को नामित करने के फैसले का स्वागत किया है। जॉर्डन और ट्रंप के बीच काफी मजबूत रिश्ते हैं। जॉर्डन के कारण ट्रंप को चुनावी धोखाधड़ी सहित चार अलग-अलग मामलों में राहत मिल सकती है। कैपिटल हिल हमले के दौरान जॉर्डन कांग्रेस में उनके मुख्य रक्षक के रूप में थे। हालांकि, सभी रिपब्लिकन जॉर्डन को स्पीकर के रूप में देखना पसंद नहीं करेंगे। एक सप्ताह पहले, रिपब्लिकन सांसद केविन मैक्कार्थी को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। अमेरिकी संसद कांग्रेस के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा ने मैक्कार्थी को स्पीकर पद से हटाने के पक्ष में मतदान किया था। अमेरिका के इतिहास में पहली बार इस तरह का मतदान हुआ था। मैक्कार्थी वोटिंग के जरिये पद से हटाए जाने वाले पहले स्पीकर बन गए थे।

आखिर युद्ध के भी नियम होते हैं! इजराइल के अल्टीमेटम पर बरसे यूएन चीफ, कहा- ये संभव ही नहीं

न्यूयॉर्क ।
इजराइल हमास के बीच जारी युद्ध से पूरी दुनिया चिंतित है। अब इजराइल द्वारा उत्तरी गाजा में रहने वाले करीब दस लाख लोगों को अगले 24 घंटे में इलाका खाली करने के अल्टीमेटम से तनाव और बढ़ गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजराइल के इस अल्टीमेटम पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। गुटेरेस ने कहा है कि यह संभव ही नहीं है कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों को इतनी जल्दी निकाला जा सके। गुटेरेस ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आखिर युद्ध के भी कुछ नियम होते हैं!

24 घंटे में 10 लाख लोगों को गाजा खाली करने का अल्टीमेटम

बता दें कि हमास के ठिकानों पर हवाई हमले कर रही इजराइली सेना ने गुरुवार को उत्तरी गाजा में रह रहे लोगों को इलाका खाली करने का अल्टीमेटम दिया है। गाजा दुनिया के सबसे ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाले इलाकों में से एक है और उत्तरी गाजा में ही 10 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। ऐसे में इजराइली अल्टीमेटम के अनुसार, 24 घंटे में 10 लाख से ज्यादा लोगों को विस्थापित कराना बेहद मुश्किल है। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र के स्टाफ को भी इलाका खाली करने का अल्टीमेटम दिया है।

क्या बोले यूएन महासचिव

गुटेरेस ने कहा कि दस लाख से ज्यादा लोगों को युद्ध ग्रस्त इलाके से एक जगह से उस जगह ले जाना जहां ना खाना है ना पानी है और आवास हैं, यह बेहद खतरनाक है और संभव भी नहीं है। बता दें कि पश्चिम एशिया के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद की बैठक भी होनी है। इस बैठक से पहले ही गुटेरेस ने उक्त बात कही। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि दक्षिण गाजा में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह से चरमराई हुई हैं और अब वह और हजारों नए मरीजों के भार को नहीं झेल पाएंगी। गुटेरेस ने कहा कि गाजा पट्टी में ना पीने का पानी है, ना खाना है, ऐसे में पूरा क्षेत्र गंभीर संकट से गुजर रहा है। गुटेरेस ने हमास से भी अपील की कि वह बंधक बनाकर रखे गए मासूम लोगों को तुरंत रिहा करे। यूएन महासचिव ने सभी देशों, खासकर जिनका अरब देशों पर व्यापक प्रभाव है उन्हें इस संघर्ष को रोकने के लिए प्रयास करने की अपील की।

हमास के सामने तो अल-कायदा भी अच्छा है, ये तो राक्षस हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्यों कही ये बात

वॉशिंगटन ।
फलस्तीनी आतंकी संगठन हमास ने बीते हफ्ते इजराइल पर हमला कर 1300 लोगों की जान ले ली। हमास के हमले की बर्बरता की खबरें दुनियाभर में सुर्खियां बन रही हैं। अब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हमास को अल-कायदा से भी खूंखार और बर्बर बताया है। फिलाडेल्फिया में एक कार्यक्रम के दौरान जो बाइडन ने कहा कि जितना हमें हमास के हमले के बारे में पता चल रहा है, यह उतना ही डरावना होता जा रहा है। हजार से ज्यादा मासूम लोगों की जान चली गई, जिनमें 27 अमेरिकी भी शामिल हैं।

ये लोग राक्षस हैं

जो बाइडन ने कहा कि इन लोगों (हमास) के सामने अल कायदा भी पवित्र लग रहा है। ये लोग राक्षस हैं। अमेरिका ने इजराइल के साथ खड़े होकर कोई गलती नहीं की है। अमेरिका इजराइल के साथ खड़ा है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एंटनी ब्लिंकन हाल ही में इजराइल से लौटे हैं और आज सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस लॉयड ऑस्टिन इजराइल में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इजराइल के पास अपनी सुरक्षा और जवाबी कार्रवाई के लिए कोई कमी ना रहे।

बंधक बनाए गए अमेरिकियों को बचाने की कोशिशों में जुटे

जो बाइडन ने कहा कि गाजा पट्टी में मानवीय संकट पर ध्यान देना भी उनकी प्राथमिकता में है। उनकी टीम मध्य पूर्व के हालात पर नजर रख रही है और इजराइल, मिस्त्र, जॉर्डन और अन्य अरब देशों के साथ लगातार बातचीत कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हम ये बात जानते हैं कि अधिकतर फलस्तीनी हमास का समर्थन नहीं करते। आज सुबह, मैंने इजराइल पर हमले का शिकार हुए और बंधक बनाए गए अमेरिकी नागरिकों के परिजनों से बातचीत की। बाइडन ने कहा कि लोगों को अपने प्रियजनों के बारे में कोई जानकारी नहीं है कि वह कहां हैं और किस हाल में हैं।

इजराइल से भारतीयों का दूसरा जत्था पहुंचा नई दिल्ली, दो शिशुओं समेत 235 लोग शामिल

यरूशलेम ।
इजराइल में फंसे भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार को नई दिल्ली पहुंच गया है। ऑपरेशन अजय के तहत दो शिशुओं सहित 235 लोग विशेष विमान से दिल्ली पहुंचे। विदेश राज्य मंत्री रंजन सिंह ने हवाई अड्डे पर लोगों का स्वागत किया। बता दें, इजराइल और हमास के बीच पिछले एक सप्ताह से युद्ध जारी है, जिसमें अब तक करीब 3000 लोगों की मौत हो चुकी है। एक दिन पहले, 212 भारतीयों का पहला जत्था नई दिल्ली पहुंचा था।भारतीय अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय यात्रियों को विमान ने तेल अवीव से उड़ान भरी थी। भारतीय दूतावास ने बताया कि दूतावास ने तीसरे खेप में शामिल लोगों को ईमेल कर जानकारी दे दी है। बाद की उड़ानों के लिए लोगों को दोबारा संदेश भेजा जाएगा।

भारत सरकार का किया धन्यवाद

इजराइल के सफेद स्थित इलान यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहे भारतीय छात्र सूर्यकांत तिवारी ने इजराइल से उड़ान भरने से पहले कहा था कि इजराइल में खौफ का माहौल है। यहां की स्थिति बेहद खराब है। इजराइल से हमें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए मैं भारत सरकार का धन्यवाद देना चाहता हूं।

यात्रियों ने लगाया वंदे मातरम के नारे

235 यात्रियों को लेकर इजराइल से रवाना होने वाली भारतीय विमान में मौजूद सभी यात्रियों ने मिलकर वंदे मातरम के नारे लगाए। दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही विदेश राज्य मंत्री रंजन सिंह सभी यात्रियों से मुलाकात किए। विदेश राज्य मंत्री रंजन सिंह ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि इजराइल से 235 भारतीय यात्रियों को वापस लाया गया है। उन्होंने कहा कि वहां करीब 18,000 भारतीय रहते हैं, जिन्हें सुरक्षित भारत वापस लाने के लिए ऑपरेशन अजय जारी रहेगा। हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। हमास ने कहा कि इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंक इसे अपवित्र किया था। इजराइली सेना लगातार हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है और अतिक्रमण कर रही है। इजराइली सेना हमारी महिलाओं पर हमले कर रही है।

गाजा में मानवीय मदद भेजना भी मुश्किल, ब्लिंकन बोले- हमास को लेकर कोई बात नहीं होगी

दोहा ।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि गाजा पट्टी में मानवीय मदद भेजना भी काफी मुश्किल है क्योंकि आतंकी संगठन हमास आम नागरिकों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है। ब्लिंकन ने ये भी कहा कि गाजा में तुरंत मानवीय मदद भेजने की जरूरत है और इसके लिए वह अपने सहयोगी देशों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं।

एंटनी ब्लिंकन ने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में ब्लिंकन ने बताया कि उन्होंने कतर के पीएम से इजराइल पर हुए आतंकी हमले और इजराइल-हमास संघर्ष को फैलने से रोकने के संबंध में चर्चा की। इससे पहले कतर के पीएम के साथ संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि हमास ने इजराइल पर आतंकी हमला कर बर्बर तरीके से 1300 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इस दौरान बच्चों से लेकर बड़ों, महिलाओं, लड़के-लड़कियों को प्रताड़ित किया गया, उनके साथ दुष्कर्म किया गया और उनके शवों को क्षत-विक्षिप्त किया गया। उसके जवाब में इजराइल कार्रवाई कर रहा है।

ब्लिंकन बोले- इजराइल के पास जवाबी कार्रवाई का अधिकार

अब, गाजा पट्टी में मानवीय मदद भेजना बेहद मुश्किल है क्योंकि हमास लगातार आम नागरिकों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है। हमास ने कथित तौर पर रास्तों को बंद किया हुआ है ताकि फलस्तीनी नागरिक दक्षिणी गाजा की तरफ पलायन ना कर सकें। गाजा में मानवीय मदद पहुंचाना मुश्किल है लेकिन हम अपने सहयोगी देशों के साथ जरूरतमदों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। ब्लिंकन ने कहा कि इजराइल के पास अपनी रक्षा करने और वो सबकुछ करने का अधिकार है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके शनिवार जैसा हमला फिर कभी ना हो। हम यह साफ कर रहे हैं कि इस दौरे पर जो भी बात हुई है, उनमें हमास को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई।

सीजफायर कराने पर फोकस

वहीं कतर के पीएम ने कहा कि अभी हमारी कोशिश है कि सीजफायर हो और आम नागरिकों की जान बचाई जा सके। हमारी कोशिश है कि क्षेत्र में हिंसा ना फैलने पाए क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो इसके बहुत बुरे परिणाम होंगे। उल्लेखनीय है कि इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में रहने वाले नागरिकों से कहा है कि उत्तरी इलाके में रहने वाले लोग इलाका खाली कर दक्षिण की तरफ पलायन कर जाएं।

पंजाब पुलिस ने लश्कर के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया है। राज्य पुलिस को त्योहार में पंजाब को दहलाने का मंसूबा पाले लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। जम्मू-कश्मीर के इन आतंकवादियों के पास से बड़ी संख्या में हथियार बरामद हुए हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार सुबह एक्स हैंडल पर यह जानकारी साझा की। पुलिस महानिदेशक यादव ने बताया कि स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल अमृतसर ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। इन दोनों आतंकवादियों को फिरदौस अहमद भट ने टाइम बम बनाने का सामान, दो हैंड ग्रेनेड और पिस्टल देकर भेजा था। अमृतसर में आतंकियों से पूछताछ की जा रही है। इनके पास से दो आईईडी, दो हैंड ग्रेनेड, दो मैगजीन, एक पिस्तौल, 24 कारतूस, एक टाइमर स्विच, आठ डेटोनेटर और चार बैटरी बरामद हुई हैं। यादव ने कहा है कि आरोपियों को आज कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

विपक्षी समाज को जातियों में बांटकर चुनाव जीतने का कुचक्र रच रहे हैं : सुधांशु त्रिवेदी

भाजपा हरियाणा की सोशल मीडिया वॉलिंटियर मीट में पहुंचे राज्यसभा सांसद

गुरुग्राम (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुंधाशु त्रिवेदी ने कहा कि श्रीराम बोलने से बहुत से मारीचों और कॉलनेमियों को परेशानी होने लगी है। इस षडयंत्र में जुट गए हैं कि किस तरह से इनको रास्ते से भटकाया जाए। हमारी स्थिति हनुमान की तरह है। यह बात उन्होंने यहां सेक्टर-44 स्थित अपैरल हाउस में भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की सोशल मीडिया वॉलिंटियर मीट को संबोधित करते हुए कही। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हम हनुमान जी की तरह अपनी शक्ति को भूले हुए हैं, जो-जो शक्ति हमें याद आती जा रही है तो हम सकारात्मक रूप से देश की उन्नति के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन ये तमाम प्रतिगामी शक्तियां हमें बांटने की जुगत में लग गई है। उन्होंने एकजुट होने का आह्वान करते कहा कि जो एकजुट रहे वो चलते रहे, जो बंट गए वे मिट गए। एकजुटता नहीं होने के कारण हम पानीपत की तीसरी लड़ाई हार गए। अगर यह लड़ाई हम जीत जाते तो निश्चित ही

भारत में अंग्रेजी शासन नहीं आता। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सत्ता पाने के लिए समाज को जातियों में बांटने की कोशिश की। आज भी कुछ शक्तियां जातिवाद में बांटकर सत्ता पर काबिज होने का षड्यंत्र रही है। उन्होंने कहा कि दूसरी पार्टियां चुनावमूलक हैं, जातिवाद का चूर्ण देकर लोगों को भ्रमित करती है। वालिंटियर्स को विपक्ष के इस नेरेटिव को धराशाही करना होगा और समाज को एकजुट करने में अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इन साढ़े 9 साल में हम विचार बदलने की सोच में सफल हुए हैं। पानीपत की भूमि से प्रधानमंत्री मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया था आज देश में लोगों का बेटियों के प्रति नजरिया बदला है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सौर उर्जा का मुख्यालय गुरुग्राम में है। सौर उर्जा में भारत वर्ल्ड लीडर की भूमिका में है। भारत में हर रोज 37 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो रहा है। वाटर वे का निर्माण करना प्रधानमंत्री मोदी की विकासात्मक सोच का परिणाम है। इस मौके पर संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री पवन सैनी, प्रदेश मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रमुख डॉ. संजय शर्मा, जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, प्रदेश मीडिया सह प्रमुख अरविंद सैनी, सोशल मीडिया सह प्रमुख रामबीर भाटी, प्रदेश प्रवक्ता वंदना पोपली, प्रदेश निर्माण समिति उपाध्यक्ष हरविन्द्र कोहली, हर्ष चतुर्वेदी समेत अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

मिशन 2024 को जीतने के लिए वालिंटियर सिपाही की भूमिका निभाएं : ओम प्रकाश धनखड़

गुरुग्राम (हिंस)। अपैरल हाउस में भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की सोशल मीडिया वॉलिंटियर मीट में एकत्रित हुए छह जिलों के सैकड़ों सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि मिशन 2024 को जीतने के लिए सभी वालिंटियर सिपाही की भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी वालिंटियर्स को चुनाव जीतने की तैयारियों में अभी से जुट जाने को कहा। इस अवसर पर राज्यसभा के सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने वालिंटियर्स को विपक्ष के झूठे नेरेटिव को तोड़ने के लिए काम करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि समय-समय पर वॉलिंटियर्स को अपने व्यवहार और आचरण का आंकलन करना चाहिए और सच्चाई जानकर ही किसी भी विषय को आगे बढ़ाना चाहिए। आज इस कार्यक्रम में हरियाणा अनेक कलाकार भी उपस्थित रहे जिन्होंने अपने गीतों के माध्यम से मोदी सरकार की उपलब्धियां बताई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि जो दूसरों के पीछे चलते हैं और जिनकी अपनी सोच और चिंतन नहीं हैं वे स्वयं सेवक नहीं हो सकते। वालिंटियर्स में जोश भरते हुए उन्होंने कहा कि मजबूत जज्बे के साथ चुनाव 2024 में सोशल मीडिया के जरिए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें। धनखड़ ने कहा कि चुनौतियां हर जमाने में रहती है। एक जमाने की चुनौती थी कि हम गुलाम थे और हमारे वीर सेनानियों ने अपने मकसद के लिए अपना सबकुछ दाव पर लगा दिया। भगत सिंह, राजगुरू, सुखेदव, चंद्रशेखर आजाद ने तो अपनी जान तक दे दी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में झूठी कहानी गढ़ी गई, हम उनका जन्म दिन तो मनाते हैं, लेकिन उनकी पुण्य तिथि नहीं मनाते। हमारे स्वतंत्रता सेनानी जो उस दौर के युवा थे अपने समय की चुनौतियों से लड़े तो युग बदला। वालिंटियर्स को प्रधानमंत्री नरेंद मोदी सरकार की साढ़े 9 साल की उपलब्धियों के बारे में बोलते हुए धनखड़ ने कहा कि भारत स्टार्टअप का हब बन रहा है। हम बदलते हुए भारत को देख रहे हैं। वैश्विक मंच पर भारत का परचम लहरा रहा है। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग तथा आदित्य एल-1 का प्रक्षेपण और जी-20 की सफलता से हम गौरव महसूस कर रहे हैं। मोदी सरकार में देश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ है। भारत अर्थव्यवस्था के मामले में पांचवे स्थान पर पहुंचा है।

पेपर लीक प्रकरण: कांग्रेस नेता दिनेश खोड़निया से ईडी ने बारह घंटे की पूछताछ

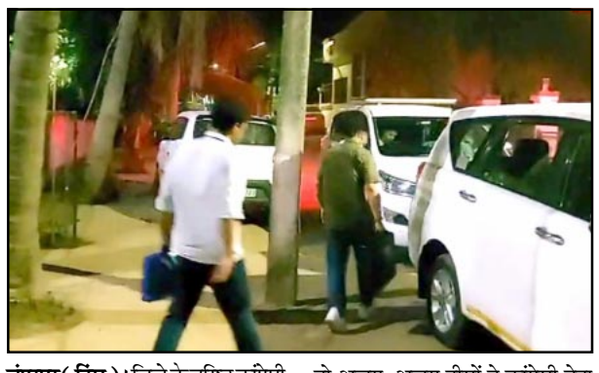

डूंगरपुर (हिंस)। जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी दिनेश खोड़निया और उनके समधी अशोक जैन के निवास पर प्रवर्तन निदेशालय की रेड शुक्रवार रात करीब एक बजे तक चली। इस दौरान ईडी की दो अलग-अलग टीमों ने कांग्रेसी नेता दिनेश खोड़निया और उनके समधी अशोक जैन के यहां राजस्थान लोक सेवा आयोग पेपर लीक प्रकरण में में आरोपी भूपेंद्र सारण से रिमांड के दौरान मिले इनपुट और सबूतों के आधार पर दिनभर छानबीन और पूछताछ की। ईडी की खोड़निया से पूछताछ बारह घंटे चली, हालांकि छानबीन और पूछताछ में क्या निकलकर आया अभी फिलहाल इस बारे में ईडी की ओर से कोई जानकारी नहीं मिली है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिनेश खोड़निया और उनके रिश्तेदार अशोक जैन के घर छापेमारी की कार्रवाई की थी। खोड़निया की सिफारिश पर ही प्रकरण में प्रमुख आरोपी बाबूलाल कटारा को आरपीएससी में सदस्य पद पर नियुक्ति मिली थी। ऐसे में उनकी नियुक्ति को लेकर लेनदेन के भी आरोप लगे थे। ईडी इन्हीं मामलों को लेकर छानबीन कर रही है।

पंजाब सिविल सचिवालय में होगी क्लर्कों की भर्ती

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने चंडीगढ़ स्थित सिविल सचिवालय में क्लर्क कैडर के 106 पद भरने के लिए सहमति दे दी। शनिवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मंत्री समूह ने सामान्य राज प्रबंध विभाग, पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में क्लर्क कैडर के 106 पदों (69 सुरजीत किए गए पदों समेत) भरने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया मुकम्मल होने के बाद पंजाब सिविल सचिवालय चंडीगढ़ का कामकाज सुचारू तरीके से चल सकेगा और यहां आने वाले लोगों को सुविधा होगी। बैठक में मोहाली, कपूरथला, होशियारपुर, मालेरकोटला और संगरूर में मेडिकल कॉलेजों के जल्द निर्माण के लिए उपयुक्त ढांचा कायम करने की भी मंजूरी दे दी। पंजाब निवासियों को लाभ देने के लिए राज्य को देश भर में मेडिकल शिक्षा के गढ़ के तौर पर स्थापित करने के लिए इन मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का निर्माण किया जा रहा है। पशुओं के लिए बढ़िया स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं देने के लिए पंजाब

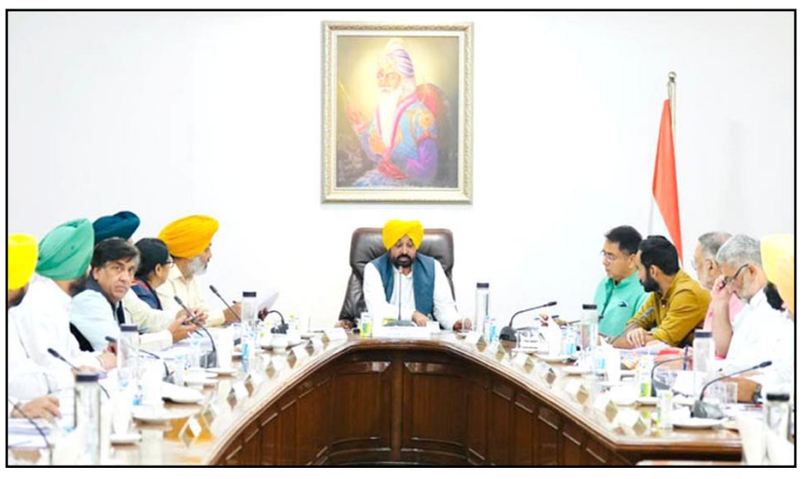

कैबिनेट ने राज्य भर के 582 वैटरनरी अस्पतालों में काम कर रहे 481 वैटरनरी फार्मासिस्टों की सेवाओं में सर्विस प्रोवाइडर के तौर पर पहली अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक एक साल के लिए वृद्धि करने की सहमति भी दी। पंजाब सरकार ने 582 सिविल वैटरनरी अस्पतालों का ग्रामीण वैटरनरी अफसरों के मंजूर पदों समेत ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के अधीन जिला परिषदों से पशु पालन, मछली पालन और डेयरी विकास विभाग में विलय कर लिया था।

शारदीय नवरात्र पर राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्र की देश और प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने जगत जननी मां भगवती से सभी के मंगल की प्रार्थना की है। उन्होंने मां जगत जननी से राष्ट्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की है।

हिंदू कन्या महाविद्यालय की फुटबाल खिलाड़ी का भारतीय टीम में चयन

जींद (हिंस)। जींद के हिंदू कन्या महाविद्यालय की बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा अंशिका मलिक का भारतीय फुटबाल टीम में चयन हुआ है। अंशिका टीम में कीपर के रूप में चयनित हुई हैं। इसकी सूचना मिलते ही महाविद्यालय में हर तरफ खुशी का माहौल बन गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रधान डॉ. अंशुल सिंगला ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की उपलब्धि हमारे महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. पूनम ने खिलाड़ी की उपलब्धि पर उसे शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छोटे से गांव से संबंध रखने वाली खिलाड़ी का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचना निश्चित रूप से सभी खिलाड़ियों के लिए मार्ग दर्शन का कारण बनेगा। खिलाड़ी की इस उपलब्धि पर शारीरिक शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका मीना मलिक ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह खिलाड़ी की मेहनत का फल है, जिसके लिए वह काफी वर्षों से संघर्षरत थी।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा ने किया डांडिया रास 2023 के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (हिंस)। नवरात्रि में मां दुर्गा की आराधना स्वरूप मनाए जाने वाले गरबा की कड़ी में स्माइल स्प्रेडर्स ग्रुप पिंक कांसेप्ट्स और बीट्स इवेंट्स की ओर से 21 अक्तूबर को वैशाली नगर वेस्ट स्थित कनक पैलेस में आयोजित किए जाने वाले डांडिया रास 2023 के पोस्टर का विमोचन पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने किया। इस अवसर पर ग्रुप के मैनेजिंग ट्रस्टी रवि शर्मा एवं बीट्स इवेंट्स के डायरेक्टर कपिल शर्मा मौजूद रहे। स्माइल स्प्रेडर्स ग्रुप के अध्यक्ष विनीश शर्मा और पिंक कांसेप्ट्स के डायरेक्टर अमन वर्मा ने बताया कि 21 अक्तूबर 2023 को होने वाले डांडिया रास कार्यक्रम में आगंतुकों को गुजराती और राजस्थानी संस्कृति का संगम देखने को मिलेगा। महिलाओं के समूह द्वारा हाथों में दीप लिए गरबा करते हुए मां दुर्गा की आराधना होगी। वहीं देर रात तक गुजराती, राजस्थानी, मिक्स बॉलीवुड म्यूजिक की लाइव डीजे बीट्स पर युवक युवतियां डांडिया खनकायेंगे। युवा संस्कृति, राजस्थान युवा छात्र संस्था के विशेष आग्रह पर यह कार्यक्रम एसएमएस अस्पताल के मंदिर श्री रामचन्द्रजी में संचालित श्री राम जानकी रसोई में सहयोग के लिए आयोजित किया जा रहा है।

किशनगढ़ इंडियन बैंक लूट का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

अजमेर (हिंस)। अजमेर जिला पुलिस ने खोड़ा गणेश मार्ग किशनगढ़ स्थित इंडियन बैंक ब्रांच में लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ही आरोपी प्रेम सिंह और कमलेश मात्र 26-27 साल की उम्र के हैं। कर्ज में डूबे हैं और अजमेर के रहने वाले हैं। इनमें एक स्वयं को डाक्टर बताता है तो दूसरा मैकेनिक। आरोपियों ने खिलौनेनुमा पिस्तोल और लकड़ी से बनाई नकली डाइनामाइट डिवाइस के जरिए बैंक लूट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस की स्पेशल टीम ने सैंकड़ों सीसीटीवी फुटेज जांच कर आरोपियों तक पहुंच बनाई और उन्हें पकड़ लिया। पुलिस अधीक्षक चूना राम जाट ने मीडिया को बताया कि इस मामले में प्रबंधक इंडियन बैंक कुलदीप सिंह ने मदनगंज थाना पुलिस में 7 अक्तूबर को बैंक में दो युवकों द्वारा बैंक को डाइनामाइट से उड़ाने की धमकी देते पिस्तोल की नौंक पर लूट करने का परिवाद पेश किया था। उन्होंने बताया कि आरोपी प्रेम सिंह अजमेर गंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है उसने पाली में कोई प्राइवेट क्लिनिक चलाने पर घाटा लगने पर बंद करने तथा कमलेश जो यहां कोतवाली थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहा है और मैकेनिक का काम करता है। कर्ज में डूबा होने और मौज शौक करने के चलते दोनों ने मिलकर एक साथ रुपया पाने की जुगत बनाई। दोनों ने कई दिनों तक बैंकों की रैकी की। खोडा गणेश मार्ग किशनगढ़ स्थित इंडियन बैंक में वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आरोपियों से आगे पूछताछ कर रही है। उल्लेखनीय है कि परिवादी प्रबंधक ने इस मामले में पुलिस को जो सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराई थीं उनमें आरोपी हाथों में पिस्तोल लेकर बैंक में वारदात अंजाम देते हुए भी दिखाई दिए थे। परिवादी ने पुलिस को बताया था कि वे पिछले 15 माह से प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। 7 अक्तूबर को दोपहर करीब सवा तीन बजे दो व्यक्ति बैंक में आए जिनमें एक ने हैलमेट लगा रखा था व दूसरे ने मुंह पर कपड़ा बांधा हुआ था। इस दौरान वे अपने कैबिन में काम कर रहे थे कि एक आरोपी ने उनकी कमीज पकड़े की कोशिश की जिसपर उन्होंने उसे धक्का दिया। मुंह पर कपड़ा बांधे व्यक्ति ने उनकी कनपटी पर पिस्तोल लगा दी फिर कॉलर पकड़कर खड़ा कर दिया और कहा कि 40 लाख रुपए चाहिए। आरोपी ने उन्हें सामने की कुर्सी पर बैठने और हाथ उपर करने के लिए धमकाया। इतने रुपए होने से मना करने पर वह उन्हें कैबिन से बाहर ले आया। इस दौरान दूसरा व्यक्ति कैशियर से थैली में रुपए भरवा रहा था। सभी से लॉकर खोलने और चाबी किसके पास है यह जानने के लिए धमका रहा था। इस दौरान दूसरे व्यक्ति के हाथ में एक इलेक्ट्रोनिक डिवाइस भी था जिसमें लाल बत्ती जल रही थी। सभी कर्मचारियों को आरोपियों ने धमकी देते हुए एक कमरे में बंद कर बाहर से कुंडी लगा दी। इस पर कर्मचारियों ने चाय वाले को फोन किया उसने आकर कुंडी खोली। इसी दौरान पुलिस को फोन किया। बैंक का कैश चैक किया। दोनों लुटेरे तीन लाख छिहत्तर हजार रुपए लूट कर ले गए थे। आगे जांच जारी है।

भ्रूण लिंग जांच गिरोह का पर्दाफाश, तीन दबोचे, चिकित्सक फरार

हिसार (हिंस)। हिसार व सिरसा की पीएनडीटी टीम ने बरवाला के एक मकान में छापा मारकर भ्रूण लिंग जांच का पर्दाफाश किया है। इस दौरान मुख्य आरोपी डॉक्टर भाग निकला जबकि महिला सहित तीन को टीम ने दबोच लिया। टीम ने अपना जाल बिछाने के लिए एक गर्भवती महिला को नकली ग्राहक बना कर डॉक्टर के पास भेजा था। डॉक्टर ने एंबुलेंस चालक के माध्यम से 50 हजार रुपए लेकर रात को भ्रूण लिंग जांच की। इस संबंध में सिरसा स्वास्थ्य विभाग की पीएनडीटी टीम को सूचना मिली थी कि हिसार के बरवाला में डॉ. अनंतराम गिरोह बना कर भ्रूण लिंग जांच का धंधा चला रहा है। इस सूचना पर हिसार के एसएमओ कम नोडल अफसर पीएनडीटी टीम डॉ. प्रभु दयाल व एएसएमओ डॉ. कामिद मोंगा के नेतृत्व में हिसार-सिरसा की संयुक्त टीम का गठन किया गया। पीएनडीटी टीम ने गर्भवती महिला सरोज को नकली ग्राहक बनाया। महिला को उसके पति राजेंद्र कुमार, एंबुलेंस चालक सुरेंद्र के साथ भेजा। सौदा तय होने के बाद महिला को बरवाला बुलाया। बताए गए स्थान पर महिला को

लेकर उसका पति व एंबुलेंस चालक शनिवार रात नौ बजे बरवाला के दहिया सर्विस स्टेशन हिसार रोड पहुंच गए। इसके बाद कृष्ण नामक व्यक्ति सरोज की आंखों पर पट्टी बांध कर मोटरसाइकिल पर बैठा कर ले गया। महिला सरोज से 50 हजार रुपए एम्बुलेंस ड्राइवर सुरेंद्र के माध्यम से गिन कर लिए। सड़क से दूर कृष्णा कॉलोनी में एक मकान में लेकर गए। जहां पर डॉ. अनंतराम बरवाला द्वारा अल्ट्रासाउंड किया गया। डॉक्टर की दलाल सुनीता व कृष्ण मोटरसाइकिल पर बैठा कर छोड़ने आए। सुनीता ने एंबुलेंस चालक सुरेंद्र को बताया कि सरोज के गर्भ में एक लड़की है। इसके बाद पीएनडीटी टीम के सदस्यों ने सुनीता और कृष्ण को काबू कर लिया। टीम सुनीता को उसी घर पर लेकर आई जहां अल्ट्रासाउंड हुआ था। सरोज ने उस घर को पहचान लिया। डॉ. अनंत राम लैपटॉप और पोर्टेबल यूएसजी मशीन लेकर आया था। डॉ. अनंत राम अल्ट्रासाउंड करने के बाद वह वहां से गायब हो गया। सरोज ने कृष्ण, सुनीता और अली मोहम्मद की भी पहचान की। टीमों ने सरोज, उसके पति राजेंद्र, दलाल कृष्ण, सुनीता, अली खान, सुरेंद्र के बयान दर्ज किए। टीम ने मौके से एक डीवीआर भी बरामद किया, जिसे टीम ने अपने कब्जे में लेकर सील कर दिया। अपनी कार्रवाई के बाद पीएनडीटी टीम बरवाला थाना पहुंची और शिकायत दी। पुलिस ने जनता अस्पताल बरवाला के डॉ. अनंत राम, तारा नगर कॉलोनी बरवाला निवासी सुनीता, गांव राजली निवासी कृष्ण कुमार व गांव सुलखनी निवासी अली खान के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक में बस ने मारी टक्कर, चार की मौत

प्रतापगढ़ (हिंस)। राजस्थान के प्रतापगढ़ के एक गांव से चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित सांवलिया जी के दर्शन को निकली बस गांव से कुछ ही दूरी पर दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे में चार यात्रियों की मौत हो गई और 18 यात्री घायल हो गए हैं। सभी घायलों को प्रतापगढ़ के जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। घटना शनिवार अलसुबह 4.30 बजे प्रतापगढ़-बांसवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग-56 पर कचोटियां गांव के पास हुई। बस सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। जानकारी के अनुसार बस में 41 यात्री सवार थे। सभी यात्री सुहागपुरा तहसील (प्रतापगढ़) के रहने वाले हैं। यात्री चित्तौड़गढ़ में शनि महाराज और सांवलियाजी के दर्शनों के लिए निकले थे। सुहागपुरा से निकलने बाद दो किलोमीटर दूर कचोटियां गांव में हादसा हो गया। हादसे के बाद वहां चीख पुकार मच गई। तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। राहगीरों ने निजी वाहनों से घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार मृतकों में सुहागपुरा क्षेत्र के नाथूलाल (60) पुत्र नारिया मीणा निवासी लंबा डबरा, रूपलाल (45) पुत्र मोरिंग मीणा, हीरालाल (50) पुत्र वाजिया मीणा, गोपाल (62) पुत्र रत्न मीणा सभी निवासी लांबा डाबरा सुहागपुरा थाना क्षेत्र के हैं।

ढोल नगाड़ों के साथ श्री माता वैष्णो देवी के लिए रवाना हुई 41वीं छड़ी यात्रा

जम्मू (हिंस)। शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई की 41वीं छड़ी यात्रा शनिवार को ढोल नगाड़ों के साथ जम्मू के ऐतिहासिक रधुनाथ मंदिर से शोभा यात्रा के रूप में जम्मू के मुख्य बाजारों से होकर त्रिकुटा की सुंदर पहाड़ियों में स्थित श्री माता वैष्णोदेवी के दरबार रवाना हुई। इसे कुंवरानी डॉ. रितू सिंह और बाल संत साहिल जी महाराज ने भगवा झंडी दिखा कर रवाना किया। श्री रधुनाथ मंदिर में पूजा अर्चना के बाद पवित्र छड़ी व आखंड ज्योत के साथ सैकड़ों की तादाद में श्रद्धालु मां का जयघोष करते हुए शोभा यात्रा के रूप में जम्मू के रधुनाथ बाजार, सिटी चौक, पुरानी मंडी, राज तिलक रोड, परेड होते हुए नगरोटा स्थित पहला दर्शन कौल कंडोली में दर्शकों एवं भंडारे का बाद दूसरा दर्शन देवा माई में माथा टेका। इसके बाद छड़ी यात्रा धर्म नगरी कटरा पहुंची। जहां श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों व पार्टी की कटरा एवं उधमपुर ईकाई द्वारा छड़ी यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद बानगंगा, चरण पादुका, अर्धकुंवारी होते हुए छड़ी यात्रा मांता वैष्णोदेवी के दरबार पहुंची। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने बताया कि पहले शुभ नवरात्रे पर पवित्र गुफा में पिंडी स्वरूप में विराजमान मां लक्ष्मी, सरस्वती, मां काली के चरणों में पूरे विधि-विधान के साथ छड़ी पूजन होगा और मां भगवती के चरणों में जम्मू-कश्मीर समेत पूरे देश में भाईचारा, अमन-बहाली कायम रहने के साथ सुख समृद्धि और आर्थिक उन्नति के लिए प्रार्थना की जाएगी।

जेल में बंद कैदी को परेशान नहीं करने की एवज में मांगी रिश्वत, कांस्टेबल गिरफ्त में

अलवर (हिंस)। केंद्रीय कारागृह में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रिश्वत के मामले में हेड कांस्टेबल रामावतार शर्मा को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी हेड कांस्टेबल रामाअवतार शर्मा से रिश्वत की बीस हजार रुपए की राशि भी बरामद की। आरोपी हेड कांस्टेबल ने फोन पे के जरिए परिवादी से पचास हजार रुपए डलवाने को और कहा था। एसीबी के पुलिस निरीक्षक प्रेम चंद के नेतृत्व में टीम ने पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया।

पितृ पक्ष की अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने फल्गु तीर्थ पर करवाया पिंडदान

कैथल (हिंस)। पितृ पक्ष की अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने गांव फरल में फल्गु तीर्थ पर अपने पितरों का पिंडदान करवाया। प्रदेश के कोने-कोने के अलावा अन्य राज्यों से भी हजारों श्रद्धालु पहुंचे और तीर्थ में पवित्र स्नान कर अपने पितरों के निमित्त पूजा-अर्चना और पिंडदान किया। तीर्थ की महिमा का वर्णन हमारे प्राचीन शास्त्रों और पुराणों में भी आता है। महाभारत के वनपर्व और गरुड़ पुराण में इसका उल्लेख आता है। तीर्थ पुरोहित नरेंद्र शर्मा, भीम सेन शर्मा, सुखदेव, युद्धवीर शर्मा, संदीप शर्मा, मुला राम शर्मा ने बताया कि यह तीर्थ अति प्राचीन है,

जो आदिकाल से फल्कीवन के नाम से प्रसिद्ध हुआ है। यहां पर श्री फल्गु ऋषि द्वारा घोर तपस्या की गई थी, जिसके प्रताप से ये पुरा क्षेत्र उनकी तपोस्थली रहा है। गयासुर के वरदान के कारण आश्विन मास की सोमवती अमावस्या आने पर पूरी श्रद्धा पक्ष के दौरान यहां पर बड़ा भारी मेला लगता है, जिसमें देश और विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते है। ग्रामीणों के अनुरोध पर विधायक रणधीर सिंह गोलन ने तीर्थ के रखरखाव व मुरम्मत आदि के लिए एक करोड़ रुपए की ग्रांट देने की घोषणा की है, जिससे तीर्थ के टूटे लाल पत्थर और चार दिवारी आदि की रिपेयर करवाई जाएगी।

इंडिगो के राकेश गंगवाल स्पाइसजेट में खरीदेंगे हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत तक चढ़ा स्पाइसजेट का शेयर

बेंगलुरु।

संकट से जुझ रही स्पाइसजेट एयरलाइन को देश की बजट एयरलाइन इंडिगो के सह संस्थापक राकेश गंगवाल में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बात कर रहे हैं।

करीब 20 फीसदी बढ़े स्पाइसजेट के शेयर – इस खबर के बाद स्पाइसजेट के शेयरों में करीब 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। बीएसई पर एयरलाइन के शेयर 19.39 प्रतिशत चढ़कर 43.60 पर पहुंच गया। शेयर बाजार के सूत्रों के मुताबिक जून के अंत तक इंडिगो का संचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन में गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल की हिस्सेदारी क्रमश: 13.23 प्रतिशत और 2.99 प्रतिशत है। वहीं उनके चिंकरपू फैमिल ट्रस्ट के पास 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है स्पाइसजेट – नकदी संकट से जूझ रही स्पाइसजेट फिलहाल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। कंपनी धन जुटाकर उन एक चौथाई विमानों का परिचालन फिर से शुरू करना चाहती है, वह अभी खड़े हैं। स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी सितंबर के अंत में घटकर मात्र 4.4 प्रतिशत रह गई है। इसी साल जनवरी में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 7.3 प्रतिशत थी। हालांकि हिस्सेदारी खरीदने को लेकर जब स्पाइसजेट से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उसने कोई जवाब नहीं दिया।

इंडिगो से सबसे ज्यादा यात्रियों ने की यात्रा – एक रिपोर्ट जारी कर यह जानकारी दी थी कि सितंबर के महीने में सबसे ज्यादा यात्रियों ने इंडिगो एयरलाइन से यात्रा की है। इंडिगो से 77.20 लाख यात्रियों ने यात्रा की, दूसरे नंबर पर विस्तारा एयरलाइन थी जिससे 12.29 लाख यात्रियों ने यात्रा की और तीसरे नंबर पर टाटा ग्रुप की एयर इंडिया है जिससे 11.97 लाख यात्रियों ने यात्रा किया। डीजीसीए ने कल यह जानकारी दी थी सितंबर में इंडिगो की फ्लाइट कैंसल या दो घंटे की अधिक देरी होने के कारण 76000 यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

न्यूज ब्रीफ

डेबिट कार्ड से बेहतर क्यों है क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली। वित्तीय लेनदेन को आसान बनाने के लिए हम क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इन दोनों कार्ड के जरिये हम कई तरह के लेनदेन आसानी से कर पाते हैं। डेबिट कार्ड से बेहतर क्रेडिट कार्ड को माना जाता है। डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड पर अलग-अलग सुविधाएं मिलती है। क्रेडिट कार्ड पर रिवॉर्ड, कैशबैक जैसे कई सुविधाएं भी मिलती है। इसके अलावा यह क्रेडिट स्कोर को अच्छा बनाए रखने में भी मदद करती है। आइए, जानते हैं कि किन कारणों से क्रेडिट कार्ड डेबिट कार्ड से बेहतर होता है। क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल करने पर आपको रिवॉर्ड प्वाइंट का लाभ मिलता है। इन प्वाइंट का इस्तेमाल आप क्रेडिट कार्ड के बिल भुगतान और शॉपिंग आदि में कर सकते हो। आप जो खरीदारी या शॉपिंग करते हैं उस पर आपको रिवॉर्ड प्वाइंट मिलते हैं। हर क्रेडिट कार्ड पर अलग रिवॉर्ड प्वाइंट मिलता है। कई क्रेडिट कार्ड पर आपको साइन-अप बोनस का भी लाभ मिलता है। इसमें आपको रिवॉर्ड पॉइंट, कैशबैक,फ्री-फ्लाइट टिकट और गिफ्ट-वाउचर जैसे फायदे मिलते हैं। जब भी आप कोई क्रेडिट कार्ड लेते हैं तब आपको ज्वाइनिंग फीस को माफ कर दिया जाता है। कई कार्ड पर ज्वानिंग फीस तब माफ होती है जब ग्राहक एक लिमिट तक खर्च करता है। क्रेडिट कार्ड पर कैशबैक और डिस्काउंट जैसे ऑफर दिया जाता है। फेस्टिव सीजन में इस तरह के ऑफर्स ज्यादा दिये जाते हैं। कैशबैक और डिस्काउंट ग्रोसरी, मनोरंजन, डाइनिंग जैसे कई कैटेगरी में दिया जाता है। आप जब क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करते हैं तब आपको कैशबैक का लाभ दिया जाता है। क्रेडिट कार्ड से करने वाले लेनदेन सुरक्षित होती है। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि डेबिट कार्ड की तुलना में क्रेडिट कार्ड काफी सिक्योर होता है। क्रेडिट कार्ड के सिक्योरिटी फीचर्स उसे डेबिट कार्ड से बेहतर बनाया है। क्रेडिट स्कोर अच्छे होने पर आपको लोन मिलने में कोई दिक्कत नहीं होती है। क्रेडिट कार्ड की मदद से आप अपने क्रेडिट स्कोर को अच्छा कर सकते हैं।

पीवीआर दर्शकों को सिनेमाघरों में आकर्षित करने सब्सक्रिप्शन प्लान शुरू करेगा, 699 रुपए का मासिक प्लान लॉन्च करने की योजना

मुंबई। ओटीटी के बढ़ते क्रेज को देखते हुए दर्शक सिनेमाघरों में जाने से कतराते हैं। इस ऑडियंस को मल्टीप्लेक्स की ओर खींचने के लिए पीवीआर इनोक्स ने एक जोरदार ऑफर पेश किया है। दरअसल मल्टीप्लेक्स ऑपरेटर दर्शकों को सिनेमाघरों में आकर्षित करने के लिए एक सब्सक्रिप्शन प्लान शुरू करेगा। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी 699 रुपए का मासिक प्लान लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिसमें सप्ताहभर 70 रुपए प्रति फिल्म के हिसाब से 10 फिल्में देखने को मिलेगी। पीवीआर की इस पेशकश को देश में पहला इन-थिएटर मूवी सब्सक्रिप्शन ऑफर बताया जा रहा है। हालांकि, इस सब्सक्रिप्शन प्लान में कुछ नियम और शर्तें शामिल होंगी। इस ऑफर के तहत सिर्फ एक सप्ताह में ही फिल्में देखी जा सकेंगी। यह प्लान भारत के दक्षिणी राज्यों और प्रीमियम स्क्रीन जैसे- इनसिग्निया और आईमैक्स उपलब्ध नहीं है। इस प्लान के तहत एक दिन में सिर्फ एक टिकट बुक कराया जा सकता है, साथ ही सब्सक्राइबर्स को हर बार सब्सक्रिप्शन के जरिए टिकट लेते समय एक गवर्नमेंट आईडी साथ रखनी होगी। दरअसल पीवीआर अपनी स्क्रीन्स में दर्शकों की संख्या बढ़ाने और नए ऑडियन्स ग्रुप को जोड़ने पर भी विचार कर रही है। कोरोना महामारी के कारण सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या में गिरावट आई, जो अभी भी प्री-कोविड स्तर की तुलना में 20 प्रतिशत कम है इसलिए थिएटर भी अधिक उम्र के लोगों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों में वापस लाने पर विचार कर रहे हैं।

आतंकी वित्तपोषण रोकने के लिए सेबी ने धनशोधन रोधी निर्देशों में किया बदलाव

नई दिल्ली। आतंकी फंडिंग पर लगाम लगाने के लिएपूंजी बाजार नियामक सेबी ने धनशोधन निवारण दिशानिर्देशों में बदलाव किया है। इसके तहत, अब किसी कंपनी में 10 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाले भागीदार को लाभार्थी स्वामी माना जाएगा। पहले यह सीमा 15 फीसदी थी। सरकार ने सितंबर में धनशोधन निवारण (अभिलेखों का रखरखाव) नियमों या पीएमएलए नियमों में संशोधन किया था, जिसके बाद सेबी ने यह कदम उठाया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नई निर्देशों के अनुसार, किसी साझेदारी फर्म में लाभार्थी स्वामी वह होगा, जिसके पास 10 फीसदी से अधिक पूंजी या मुनाफे का स्वामित्व है या किसी अन्य माध्यम से इतना स्वामित्व हासिल है। नियामक ने धनशोधन निवारण मानकों और आतंकवाद के वित्तपोषण के मुकाबले के लिए संशोधित निर्देशों के तहत यह व्यवस्था दी है।

सरकार ने उसना चावल पर 20 फीसदी निर्यात शुल्क 31 मार्च तक बढ़ाया, घरेलू कीमतों को काबू करना मकसद

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने घरेलू कीमतों को काबू में रखने और पर्याप्त चावल की उपलब्धता के लिए उसना चावल पर निर्यात शुल्क अगले साल 31 मार्च तक बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उसना (सेला) चावल कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए इस किस्म के चावल पर 25 अगस्त से 16 अक्तूबर के लिए 20 फीसदी निर्यात शुल्क लगाया गया था। अब इसे अगले साल मार्च तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

इससे पहले सरकार ने आगामी त्योहारों को देखते हुए घरेलू बाजार में आपूर्ति और कीमतों को काबू में रखने के लिए जुलाई में गैर बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगा दी थी। इस पाबंदी के साथ ही सरकार ने सभी तरह के गैर बासमती चावलों के निर्यात पर रोक लगा दी है। देश से होने वाले कुल चावल के निर्यात में गैर-बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी करीब 25 फीसदी है।

भारत-ब्रिटेन में महीने के अंत तक एफटीए पर समझौते की उम्मीद – भारत व ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता काफी आगे बढ़ चुकी है। दोनों पक्ष बाकी बचे मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, वार्ता अग्रिम चरण में है। हम मतभेदों को दूर कर रहे हैं। हमें इन वार्ताओं के पूरा होने तक इंतजार करना चाहिए। बातचीत का 13वां दौर अभी जारी है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों पक्षों को इस महीने वार्ता खत्म होने की उम्मीद है। इस महीने के अंतिम सप्ताह में समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। वार्ता के 26 अध्यायों में ज्यादातर पूरे हो चुके हैं। बाकी बचे मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर उच्चस्तरीय वार्ता जारी है। इस संबंध में ब्रिटेन से एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल यहां आया है। इससे पहले बर्थवाल के नेतृत्व में एक टीम हाल ही में लंदन में थी।

सैमसंग का भारत में राजस्व एक लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और अप्लायंसेज बनाने वाली दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग भारत में एक लाख करोड़ रुपए के सालाना रेवेन्यू के करीब पहुंच गई है। कंपनी ने 27 साल पहले भारत में अपना ऑपरेशन शुरू किया था। सैमसंग के पूर्ण स्वामित्व वाली सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड की 2022-23 में कुल इनकम 98,924 करोड़ रुपए रही। कंपनी ने हाल में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज को दी गई जानकारी में यह जानकारी दी है। सैमसंग इंडिया की फाइनेंशियल ईयर 2023 में सेल दिग्गज एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड से 65 फीसदी और आईटीसी लिमिटेड से 35 फीसदी ज्यादा है। सैमसंग इंडिया की सेल में वित्तीय वर्ष में 2023 में 16 फीसदी की तेजी आई जबकि इसका मुनाफा गिरकर 3,452 करोड़ रुपए रहा। वित्त वर्ष 2021-22 में यह 3,844 करोड़ रुपए रहा था। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से स्मार्टफोन, टेलीविजन और हाउसहोल्ड अप्लायंसेज की डिमांड में गिरावट आई है। कंपनी ने आरओसी फाइलिंग में फाइनेंशियल ईयर 2023 की अर्निंग परफॉरमेंस के कारणों के बारे में नहीं बताया है। इस बारे में सैमसंग इंडिया को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं आया। लगातार दूसरे साल सैमसंग इंडिया के मुनाफे में गिरावट आई है। सैमसंग देश की सबसे बड़ी मोबाइल कंपनी है। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी का मोबाइल फोन बिजनेस से राजस्व 70,292 करोड़ रुपए रहा। यह आईटीसी और एचयूएल के स्टैंडअलोन रेवेन्यू से अधिक है। पिछले साल सैमसंग इंडिया की मोबाइल फोन बिक्री 27 फीसदी बढ़ी है।

अडाणी ग्रुप के अकाउंट की जांच कर रही सरकार

मुंबई एयरपोर्ट से जुड़ा मामला, एक्सचेंज फाइलिंग में ग्रुप ने सेबी को दी जानकारी

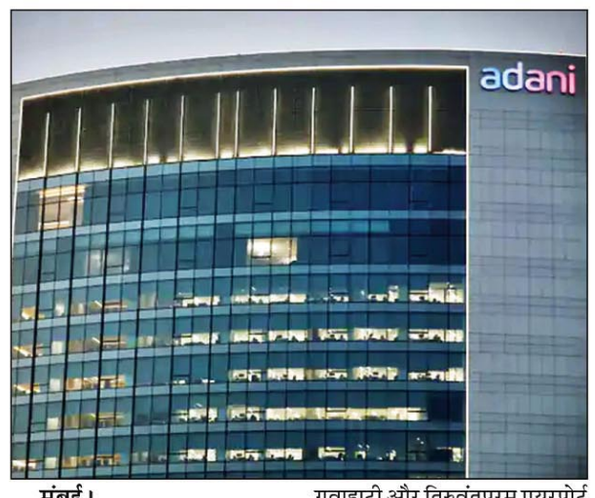

मुंबई।

कॉर्पोरेट अफेयर्स मिनिस्ट्री मुंबई में अडाणी ग्रुप के दो एयरपोर्ट के अकाउंट की जांच कर रही है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने एक्सचेंज फाइलिंग में मार्केट रेगुलेटर सेबी को इसकी जानकारी दी। अडाणी एंटरप्राइजेज ने बताया कि मिनिस्ट्री ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के वित्त वर्ष 2017-18 से वित्त वर्ष 2021-22 तक की जानकारी मांगी है और डॉक्यूमेंट्स मंगाए हैं। कंपनी ने सेबी को बताया कि ग्रुप कानूनी प्रावधानों के अनुसार इसका जवाब देगा।

7 शहरों में एयरपोर्ट ऑपरेट कर रहा अडाणी ग्रुप

अडाणी ग्रुप अभी देश के 7 शहरों एयरपोर्ट ऑपरेट करता है। इसमें मुंबई के साथ अहमदाबाद, लखनऊ, जयपुर, मंगलुरू, गुवाहाटी और तिरुवंतपुरम एयरपोर्ट शामिल हैं। इसके अलावा ग्रुप नवी मुंबई में एक नया एयरपोर्ट बना रहा है।

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुनवाई 20 अक्टूबर तक टली

इस सब के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अडाणी-हिंडनबर्ग केस की सुनवाई 20 अक्टूबर तक टाल दी है। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया में फ्रेश स्टेटस रिपोर्ट पेश करने वाली थी।

दरअसल, 24 जनवरी 2023 को अमेरिका की शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसके अलावा सेबी को भी जांच करने के लिए कहा था।

16180 करोड़ रुपये के पेमेंट गेटवे धोखाधड़ी मामले में दो गिरफ्तार, एटीएम से छेड़छाड़ करने वाले 10 पर केस

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने एक वित्तीय अपराध में कथित भूमिका के लिए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने भायंदर के अनूप दुबे (26) और मुंबई निवासी संजय नामदेव गायकवाड़ (42) को गिरफ्तार किया। यह मामला एक पेमेंट गेटवे कंपनी के सिस्टम में छेड़छाड़ कर 16,180 करोड़ रुपये की गड़बड़ी करने से जुड़ा है।

पुलिस के अनुसार, धोखाधड़ी लंबे समय से हो रही थी, लेकिन अप्रैल 2023 में कंपनी के पेमेंट गेटवे सिस्टम के हैक होने और 25 करोड़ रुपये की हेराफेरी के बारे में श्रीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद यह सामने आया। जांच के दौरान साइबर सेल की टीम को 16,180 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेनदेन का पता चला।

एटीएम से छेड़छाड़ मामले में 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

एटीएम से छेड़छाड़ कर 25.65 लाख रुपये चुराने के आरोप में ठाणे जिले के कल्याण में 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि मानपाड़ा पुलिस थाने में दर्ज पहली प्राथमिकी में चार अज्ञात लोगों ने 26 सितंबर से तीन अक्टूबर के बीच तीन एटीएम से धोखाधड़ी से पैसे निकाले।

अधिकारी ने बताया बताया कि डोंबिवली पुलिस थाने में दर्ज दूसरी प्राथमिकी में छह लोगों के खिलाफ 25 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच एक एटीएम से छेड़छाड़ करने और 18.99 लाख रुपये निकालने का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा, एटीएम एक ही बैंक के हैं। इस तरह से निकाली गई राशि 25.65 लाख रुपये है। 10 आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बीमा कंपनियों-मध्यस्थों ने कम खर्च दिखाकर की 30000 करोड़ की कर चोरी, वसूली की तैयारी में आयकर विभाग

नई दिल्ली।

बीमा कंपनियों और इनके मध्यस्थों ने एक जुलाई, 2017 से फर्जी खर्च दिखाकर 30,000 करोड़ रुपये की कर चोरी की है। हालांकि, ब्याज और जुर्माना लगाने पर यह रकम इससे भी ज्यादा हो सकती है। इसका पता चलने पर आयकर विभाग इन कंपनियों को अब नोटिस भेजकर इसकी वसूली शुरू करने की तैयारी में है। इसमें 30 बीमा कंपनियां, 68 एजेंट एवं अन्य मध्यस्थों का पता चला है।

आयकर विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम कंपनियों को जुर्माने और ब्याज के साथ अलग से डिमांड नोटिस भेज रहे हैं। उन्हें इसका जवाब देने या कानूनी लड़ाई के लिए अनिवार्य समय मिलेगा। जानकारी के मुताबिक, इसमें कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पर फर्जी खर्च भी शामिल हैं। इन कंपनियों ने बढ़ा-चढ़ाकर विज्ञापन और अन्य कार्यक्रमों के बिल भी दिखाए हैं। इन सभी का विवरण विभाग को मिला है।

आयकर विभाग ने पिछले साल शुरू की थी जांच

पिछले साल आयकर विभाग ने जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) के साथ मिलकर जांच शुरू की थी। इसमें पता चला था कि कुछ बीमा कंपनियां कमीशन पर जीएसटी की चोरी कर रही थीं। एजेंटों और मध्यस्थों को मंजूरी से ज्यादा भुगतान कर रही थीं। भुगतान उन चालानों के आधार पर किया गया था, जिन्हें

आयकर अधिकारियों ने फर्जी बताया था।

रिलायंस को भेजे चार नोटिस

इस सप्ताह की शुरुआत में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस को डीजीजीआई से 922.58 करोड़ के कई कारण बताओ नोटिस मिले। डीजीजीआई ने कंपनी को चार नोटिस भेजकर पुनर्बीमा और सह-बीमा जैसी सेवाओं से कमाई पर क्रमश: 478.84 करोड़, 359.70 करोड़, 78.66 करोड़ और 5.38 करोड़ रुपये का जीएसटी मांगा है। एलआईसी को भी कईनोटिस मिल चुके हैं।

पांच महीने के निचले स्तर पहुंचा भारत का फारेक्स रिजर्व सोने से भंडार में भी आई गिरावट

नई दिल्ली।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। 6 अक्टूबर की समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अपने 5 महीने के नीचले स्तर पर पहुंच गया।

आरबीआई द्वारा जारी आंकड़े के मुताबिक 6 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.166 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 584.742 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

पहले कितना कम हुआ था भंडार

6 अक्टूबर से पहले के समीक्षाधीन सप्ताह यानी 29 सितंबर में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.794 बिलियन अमेरिकी डॉलर कम होकर 586.908 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था।

अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अपने उच्च स्तर पर पहुंच गया था। उस वक्त विदेशी मुद्रा भंडार 645 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। जिसके बाद पिछले साल से वैश्विक विकास के कारण दबाव के बीच आरबीआई ने भारतीय करेंसी रुपये की रक्षा के लिए विदेशी भंडार को

खर्च किया था।

फॉरेन करेंसी एसेट में भी गिरावट

6 अक्टूबर की समीक्षाधीन तिमाही में विदेशी मुद्रा भंडार का मुख्य घटक फॉरेन करेंसी एसेट 707 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 519.529 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

गोल्ड रिजर्व में भी आई कमी

फॉरेन करेंसी के अलावा भारत के स्वर्ण भंडार में भी कमी देखने को मिली है। आरबीआई ने कहा कि सोने का भंडार 1.425 बिलियन अमेरिकी डॉलर की भारी गिरावट के साथ 42.306 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

पाम तेल का आयात 29 प्रतिशत बढ़कर 90.80 लाख टन पहुंचा

नई दिल्ली। देश का पाम तेल आयात चालू तेल वर्ष 2022-23 के पहले ग्यारह महीनों में सालाना आधार पर 29.21 प्रतिशत बढ़कर 90.80 लाख टन पहुंच गया। उद्योग संगठन साल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने कहा कि आरबीडी पामोलीन का आयात तेजी से बढ़ रहा है, जिससे घरेलू रिफाइनर के लिए खतरा पैदा हो गया है। भारत दुनिया का प्रमुख वनस्पति तेल खरीदार है। पिछले तेल वर्ष की समान अवधि के दौरान 70.28 लाख टन पाम तेल उत्पादों का आयात किया गया था। इस बीच, 2022-23 तेल वर्ष की नवंबर-सितंबर अवधि के दौरान देश का कुल वनस्पति तेल आयात 20 प्रतिशत बढ़कर 156.73 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले की अवधि में 130.13 लाख टन था। हालांकि, सितंबर में देश के वनस्पति तेल आयात में पांच प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 16.32 लाख टन से घटकर 15.52 लाख टन रह गया। एसईए ने कहा कि नवंबर 2022 और सितंबर 2023 के दौरान पाम उत्पादों का आयात तेजी से बढ़ा। हालांकि, सोयाबीन और अन्य तेलों के मुकाबले कच्चे पाम तेल के आयात को थोड़ा झटका लगा, जो इस साल सितंबर में कुल 7.05 लाख टन रहा, जो पिछले महीने के 8.24 लाख टन से कम है। पाम तेलों में आरबीडी पामोलिन, क्रूड पाम ऑयल (सीपीओ), क्रूड ओलेन और क्रूड पाम कर्नेल ऑयल (सीपीकेओ) शामिल हैं।

क्या होता है विदेशी मुद्रा भंडार

किसी देश के केंद्रीय बैंक द्वारा रखी गई विदेशी मुद्रा को विदेशी मुद्रा भंडार कहा जाता है। चूंकि सभी विदेशी लेन-देन अमेरिकी डॉलर में होते हैं, इसलिए आयात के वित्तपोषण के लिए देश को विदेशी भंडार पर निर्भर होना पड़ता है।

विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों को ज्यादातर उच्चतम क्रेडिट रेटिंग वाले अंतरराष्ट्रीय उपकरणों में निवेश किया जाता है। अधिक विदेशी भंडार होने से अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का विश्वास बढ़ता है जिसके कारण फॉरेन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट (एफडीआई) में भी बढ़ोतरी होती है।

प्रियंका ने बेटी का बनाया सीक्रेट इंस्टा अकाउंट !

-फिलहाल अकाउंट को रखा गया है प्राइवेट

मुंबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चौपडा और उनके हसबेंड निक जोनस ने अपनी बेटी के नाम का अभी से एक सीक्रेट इंस्टा अकाउंट बनाया है। यह तो हम सभी जानते हैं कि प्रियंका अपने पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ समय बिताने का एक भी मौका नही छोड़तीं, ऐसे में फैमिली की अमेजिंग फोटोज शेयर कर फैंस को इंप्रेस करती रहती हैं। बेटी को मिल रहे प्यार को देखते हुए उन्होंने अब उसके नाम का सीक्रेट इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया है, जिसे फिलहाल प्राइवेट रखा गया है इस अकाउंट का नाम मालती मैरी है, खुद प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस इसे फॉलो कर रहे हैं। मालती के इस सीक्रेटअकाउंट को 14 लोग फॉलो कर रहे हैं और इस अकाउंट से 13 लोगों को फॉलो किया जा रहा है। इस अकाउंट की प्रोफाइल में मालती नजर आ रही है। दावा किया जा रहा है कि कुछ समय पहले ये फोटो निक जोनस ने भी अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर की थी।

इसे देखकर तो यही कह सकते हैं कि प्रियंका चोपड़ा ने पहले से ही अपनी बेटी के भविष्य की प्लानिंग कर ली है। याद हो कि शुरूआत में प्रियंका मालती के चेहरे पर इमोजी लगाकर उनकी फोटो शेयर करती थी, इसके कुछ समय बाद एक इवेंट से प्रियंका और मालती की फोटो वायरल हुई, जिसमें एक्ट्रेस की लाडली का चेहरा साफ दिखा। तब से प्रियंका ने भी मालती का चेहरा दिखाने से परहेज नहीं किया। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा ने बाकी सेलेब्स की तरह अपने फैंस से बेटी मालती को दूर नहीं रखा है। मालती के जन्म के कुछ देर बाद ही प्रियंका और निक ने उसका चेहरा दुनिया को दिखा दिया था, तब से वह सोशल मीडिया स्टार बन चुकी हैं। एक्ट्रेस भी आए दिन अपनी लाडली की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती है।

सलमान और कैटरीना की जोडी कर रही परदे पर वापसी

-टाइगर और जोया के रूप में मचाएंगे फिर धमाल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के दबंग भाईजान यानि सलमान खान और कैटरीना कैफ, सुपर-जासूस जोड़ी टाइगर और जोया के रूप में पर्दे पर वापस धमाल मचाने आ रहे हैं। यशराज फिल्म्स द्वारा उनकी 50वीं वर्षगांठ समारोह के हिस्से के रूप में उनकी आगामी फिल्म टाइगर 3 के फर्स्ट लुक पोस्टर का अनावरण किया गया। पोस्टर में सलमान और कैटरीना को एक उग्र और गहन अवतार में दिखाया गया। वहीं, अब फिल्म से कैटरीना का सोलो फर्स्ट लुक पोस्टर सामने आते ही सुर्खियों में छा गया है।कैटरीना कैफ ने फिल्म से अपने फर्स्ट लुक पोस्टर को साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम का सहारा लिया है। पोस्टर को शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा है, आग का आग से लड़ना, वो है जोया। पोस्टर में कैटरीना कैफ हवा में रस्सी के सहारे लटकी ताबड़तोड़ फायरिंग करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री के इस अंदाज पर फैंस फिदा हो गए हैं, और चंद मिनट पहले जारी हुए कैटरीना के लुक को लाखों लाइक्स मिल चुके हैं। कैटरीना कैफ वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस हैं। टाइगर फ्रेंचाइजी में कैटरीना, जोया की भूमिका में हैं और लड़ाई या रणनीति में वह टाइगर उर्फ सलमान खान से बराबरी करती हैं। कैटरीना ने जब भी जोया का किरदार निभाया है, चाहे वह एक था टाइगर हो या टाइगर जिंदा है, उन्हें हर तरफ से प्यार मिला है। अभिनेत्री ने साबित किया है कि वह अपने दम पर अविश्वसनीय एक्शन सीक्वेंस कर सकती हैं।फिल्म में अपने एक्शन अंदाज को लेकर कैटरीना कैफ कहती हैं, जोया वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस हैं, और मुझे यह किरदार पाकर बहुत गर्व है। वह उग्र हैं, वह साहसी हैं, वह पूरी तरह से समर्पित हैं, वह वफादार हैं, वह सुरक्षात्मक हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वह हर समय मानवता के लिए खड़ी रहती हैं। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में जोया का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है और मैंने हर फिल्म में खुद को परखा है। टाइगर 3 कोई अपवाद नहीं है। हम इस बार एक्शन दृश्यों को अगले स्तर पर ले जाना चाहते थे, और मैंने फिल्म के लिए अपने शरीर को चरम सीमा तक धकेला है और लोग उसे देखेंगे। शारीरिक रूप से यह मेरी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म रही है। टाइगर 3, दीपावली के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मूवी का लुत्फ हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में उठाया जा सकेगा। टाइगर फ्रेंचाइजी की टाइगर 3 को लेकर दर्शकों का उत्साह दिखते ही बनता है।

प्रोड्यूसर के रूप में डेब्यू करेगा आमिर का बेटा

-दादा के नक्शे कदम पर चलेगा जुनैद

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर आमिर खान ने अपने बेटे जुनैद खान को लेकर एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने बताया है कि उनका बेटा प्रीतम प्यारे से बॉलीवुड में बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रहे हैं। आमिर खान ने खुलासा किया कि उनका बेटा जुनैद उनके पिता ताहिर हुसैन की तरह, एक अभिनेता के रूप में नहीं बल्कि एक प्रोड्यूसर के रूप में बॉलीवुड में अपना पहला कदम रख रहा है। आमिर ने कहा, जुनैद फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश करने वाले हैं। आश्चर्य की बात यह है कि वह अभी एक एक्टर के रूप में बॉलीवुड में प्रवेश नहीं कर रहे हैं, बल्कि वह मेरे पिता की तरह एक निमार्ता के रूप में अपना पहला कदम उठा रहे हैं। वह पहली फिल्म है जो वह एक निमार्ता के रूप में बनाएगा। उन्होंने इसे बहुत ही शानदार तरीके से बनाया है। मुझे उन पर बहुत गर्व है। फिल्म एक दम परफेक्ट टाइम पर पूरी हुई है जो बेहद अच्छी बनी है। निर्देशक भी नए थे इसलिए युवा लोग इसे बना रहे थे और जुनैद इसका निर्माण कर रहे थे। मैं ये सब देखकर कर बेहद खुश हूं। एक निर्माता के रूप में जुनैद की पहली फिल्म के टाइटल का खुलासा करते हुए आमिर ने आगे कहा, फिल्म का नाम प्रीतम प्यारे है। उन्होंने कहा कि वह भी फिल्म में एक छोटा सा किरदार निभा रहे हैं। उनकी फिल्म में उनका एक 4-5 मिनट का कैमियो है। आपको बता दें कि आमिर खान के पिता ताहिर हुसैन फिल्म निर्माता थे। उन्होंने कई सारी फिल्में बतौर प्रोड्यूसर प्रोड्यूस किया है और डायरेक्ट भी किया है। ऐसे में आमिर खान के लाडले अपने पिता की तरह बतौर एक्टर नहीं बल्कि बतौर प्रोड्यूसर बॉलीवुड पर राज करने के बारे में सोच रहे हैं। आगे आमिर ने कहा कि जब जुनैद बड़ा हुआ तो वह और उनकी एक्स वाइफ रीना दत्ता दोनों चिंतित थे। उन्होंने साझा किया, जुनैद पढ़ाई में अच्छा था लेकिन वह लोगों से बात करने से कतराता था। वह दूसरों के साथ बातचीत करने में झिझकता था। हम इसलिए काफी चिंतित थे। मुझे लगा कि हमारी सबसे बड़ी खूबी यह है कि हमें पता होना चाहिए कि लोगों के साथ कैसे व्यवहार करना है और यदि आप ऐसा नहीं कर सकते तो आपका जीवन कठिन हो जाता है। इसलिए, मैं तनाव में था। हालांकि वह बहुत मल्टी टैलेंटेड है। बता दें कि सिनेमा में एंटर करने से पहले, जुनैद खान ने थिएटर की दुनिया को छह साल दिए हैं। उन्होंने अगस्त 2017 में निर्देशक क्वासर ठाकोर पदमसी की बर्टोल्ट ब्रेख्त की मदर करेज एंड हर चिल्ड्रन की प्रस्तुति के साथ अपनी जर्नी शुरू की थी। बता दें कि आमिर खान तीन दशक से दर्शकों पर राज कर रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले मिस्टर परफेक्शनिस्ट आजकल फिल्मों का निर्माण कर रहे हैं। एक्टिंग से दूरी बना कर वह लगातार फिल्में प्रोड्यूसर कर रहे हैं।

प्रभास की फिल्म से डर रहे है शाहरुख खान, जल्द ले सकते हैं बड़ा फैसला

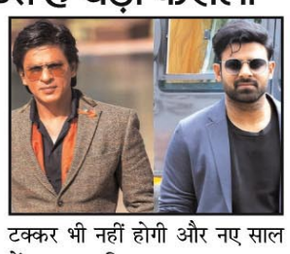

बॉक्स ऑफिस पर इस वक्त धमाल देखने को मिल रहा है। साल के अंत तक कई बड़े बजट की फिल्में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हो रही हैं। शाहरुख खान की 'डंकी' से लेकर प्रभास की 'सालार' और रणबीर कपूर की 'एनिमल' तक कई बड़ी फिल्में आने वाली हैं। वहीं, प्रभास की फिल्म 'सालार' की सीधी टक्कर शाहरुख खान की 'डंकी' से हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान अपनी फिल्म 'डंकी' को लेकर बड़ा फैसला लेने की तैयारी में हैं। संभावना है कि शाहरुख अपनी फिल्म रिलीज में देरी कर सकते हैं। फिल्म ट्रेड विश्लेषकों ने भी राय जताई है कि अगर दो बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर टकराएंगी तो भारी नुकसान होगा। इसीलिए शाहरुख खान 'सालार' से सीधे मुकाबले से बचने के लिए अपनी फिल्म 'डंकी' की रिलीज में देरी कर सकते हैं। राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित शाहरुख खान की 'डंकी' दिसंबर 2023 की बजाय अगले साल की शुरूआत यानी 2024 में रिलीज हो सकती है। इससे दो बड़े बजट की फिल्मों से सीधी टक्कर भी नहीं होगी और नए साल में एक बार फिर शाहरुख खान का जादू देखने को मिलेगा। शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' ने साल 2023 की धमाकेदार शुरूआत की है। ऐसे में नए साल में भी उनकी फिल्म से उम्मीदें हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज टालने को लेकर शाहरुख खान, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट या राजकुमार हिरानी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि यह घोषणा जल्द ही हो सकती है। शाहरुख खान की 'डंकी' और प्रभास की 'सालार' 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होंगी। दोनों फिल्मों की रिलीज का ऐलान पहले ही हो चुका है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि आखिर शाहरुख खान क्या फैसला लेंगे।

लियो अपने एलान के बाद से है सुर्खियों में

-सेंसर बोर्ड ने जारी किया यू/ए प्रमाण पत्र

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म लियो अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इस पफिल्म में एक्टर थलपति विजय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 5 अक्टूबर को जारी फिल्म के एक्शन से भरपूर ट्रेलर ने सिनेप्रेमियों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। अब सीबीएफसी ने अभिनेता की फिल्म को कई कट और म्यूट के आदेश के बाद से यू/ए प्रमाणित किया है। लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म लियो को हाल ही में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से सेंसर प्रमाणपत्र मिला है और यह इंटरनेट पर वायरल हो रही है। यह फिल्म लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स (एलसीयू) का एक हिस्सा है। बता दें कि फिल्म को लेकर सीबीएफसी का प्रमाणन कई बदलावों के साथ आया है, जिसमें कुछ अपशब्दों को म्यूट करना और खूनी दृश्यों को संशोधित करना शामिल है। पहले खबर आई थी कि लियो को सीबीएफसी द्वारा यू/ए प्रमाणपत्र के साथ प्रमाणित किया गया है, जिससे हर वर्ग के लोग इस फिल्म को देख सकते हैं। बता दें कि सीबीएफसी ने फिल्म में 13 बदलाव अनिवार्य कर दिए हैं, जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दलपति विजय के फैंस का ध्यान खींचा है। इन बदलावों में फिल्म में इस्तेमाल की गई अप शब्दों को म्यूट करना और कुछ हिंसक दृश्यों में बदलाव शामिल हैं। इस एक्शन थ्रिलर का कार्यकारी शीर्षक पहले थलपति 67 था क्योंकि यह विजय की 67वीं फिल्म है। इसमें संजय दत्त, तृषा, अर्जुन सरजा, गौतम वासुदेव मेनन, मंसूर अली खान, अनुराग कश्यप और मैसस्किन जैसे कलाकार शामिल हैं। संगीत और बैकग्राउंड स्कोर अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा किया गया है, जिन्होंने हाल ही में जवान के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की है। फैंस अब विजय को एक बार फिर पर्दे पर एक्शन करते देखने के लिए बेकरार है। बता दें कि लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित, एक्शन थ्रिलर लियो 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तापसी पन्नू ने बॉलीवुड के 'स्टार सिस्टम' पर दिखाई नाराजगी, प्रमोशन न करने का फैसला

बतौर प्रोड्यूसर अपनी दूसरी फिल्म धक धक की वजह से तापसी पन्नू इस समय चर्चा में है। उन्होंने फिल्म की प्रमोशन स्ट्रैटेजी से नाराजगी दिखाते हुए इस फिल्म का प्रमोशन न करने का फैसला किया है। चूंकि तापसी इस फिल्म के मेकर्स से भी खफा हैं, क्योंकि उन्हें इस फिल्म पर ज्यादा भरोसा नहीं है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मसाला फिल्में करने के बाद तापसी ने बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी लोकप्रियता में इजाफा किया। एक्टिंग के साथ-साथ तापसी ने प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम करना शुरू कर दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान तापसी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्म शाहरुख खान की जवान जितनी बड़ी नहीं होगी, लेकिन ऐसी छोटी फिल्मों को भी उचित अवसर और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इसके साथ ही तापसी ने इंडस्ट्री के स्टार सिस्टम पर भी कमेंट किया। तापसी ने बताया कि यह सब स्टार सिस्टम पर ही निर्भर करता है, जो ओटीटी के आने के बावजूद अभी भी मौजूद है। एक्ट्रेस ने कहा कि इसके लिए इसमें शामिल हर व्यक्ति को दोषी ठहराया जाना चाहिए। इसमें एक्टर, स्टूडियो, दर्शक, हर कोई शामिल है। यह फिल्म इंडस्ट्री के लिए नुकसानदायक है, क्योंकि आप केवल बड़े नामों को ही सक्षम बना रहे हैं, तो बाकियों को मौका कैसे मिलेगा? इससे एक्टर्स और स्टार्स के बीच दूरियां ही बढ़ेंगी। तापसी की फिल्म धक धक का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह चार महिलाओं की दोस्ती और आत्म-खोज की कहानी है। इस फिल्म में रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा, संजना सांघी और फातिमा सना शेख मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

ऑस्कर में स्वतंत्र प्रविष्टि के तौर पर भेजी जाएगी अक्षय कुमार की 'मिशन रानीगंज'

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म मिशन रानीगंज 6 अक्टूबर को रिलीज होने के बाद बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन इसे अच्छे रिव्यू मिले। फिल्म मिशन रानीगंज के निमार्ताओं ने अब स्वतंत्र रूप से फिल्म को ऑस्कर में भेजने का फैसला लिया है। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि मिशन रानीगंज ऑस्कर में किस श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करेगी। यह फिल्म पश्चिम बंगाल के रानीगंज में एक खदान में फंसे 65 श्रमिकों को सुरक्षित निकालने वाले सरदार जसवन्त सिंह गिल के जीवन पर आधारित है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार दो तरीकों से कोई भी देश गैर-अंग्रेजी भाषा की फिल्में ऑस्कर में भेज सकता है। एक देश की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के जरिये और दूसरा स्वतंत्र फिल्म के तौर पर। दोनों ही तरीकों में फिल्म को कुछ अमेरिकी शर्तों को पूरा करना होगा। पिछले साल गुजराती फिल्म चेलो शोला को भारत की ओर से आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर भेजा गया था। इसी तरह राजामौली की तेलुगु फिल्म आरआरआर एक स्वतंत्र प्रविष्टि थी। इस साल भारत ने मलयालम फिल्म 2018: एव्रीवन इज ए हीरो को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना है। इसी तरह अब अक्षय कुमार की मिशन रानीगंज ऑस्कर में इंडिपेंडेंट एंट्री के तौर पर चुनी गई है।

विक्की कौशल ने अपनी फिल्म 'सैम बहादुर' का टीजर वीडियो शेयर किया

अभिनेता विक्की कौशल पिछले कुछ महीनों से अपनी आगामी फिल्म सैम बहादुर को लेकर चर्चा में हैं। फैंस भी विक्की की फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस फिल्म से जुड़ी अपडेट्स शेयर करते रहते हैं। अब उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का टीजर वीडियो शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने इस फिल्म की तैयारी का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर अपने फैंस को दिखाया। कल विक्की ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सैम बहादुर का फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसे दर्शकों से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। लोगों ने उनके लुक पर कमेंट किए और दिलचस्पी दिखाई। अब विक्की कौशल ने टीजर वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। टीजर में विक्की कौशल फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की भूमिका में नजर आ रहे हैं। इस रोल के लिए विक्की ने इतनी मेहनत की है। यह साफ दिख रहा है कि उनके डायलॉग्स और बॉडी लैंग्वेज परफेक्ट हैं। इस टीजर से पता चलता है कि एक सैनिक के लिए देश हमेशा सबसे पहले आता है। टीजर में साफ है कि फिल्म सैम मानेकशॉ के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डालेगी। आर्मी ऑफिसर के किरदार में विक्की बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। फिल्म में सान्या मल्होत्रा सैम मानेकशॉ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं और एक्ट्रेस फातिमा सना शेख इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आएंगी। टीजर में सैम मानेकशॉ और इंदिरा गांधी के बीच एक छोटी सी बातचीत भी दर्शकों को प्रभावित करने में कामयाब रही है। फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है और यह फिल्म 1 दिसंबर 2023 को रिलीज होगी। विक्की के फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और उन्हें टीजर भी काफी पसंद आया है।

सूडोकु नवताल- 6583

कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6582 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्दजाल - 7330

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न	
ब	ज	य	लि	दा	व	का	मौ	स	ल	य	
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना	
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि	
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा	
न	म	स्का	र	र	र	क	व	ना	श	म	
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब	
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न	
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र	
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा	
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं	

शब्द जाल में 'न' से शुरु होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

नगमा, नजराना, नयनतारा, नवीन,नमस्कार, नयनाभिराम, नवज्योति, नवजीवन, नवनीत, नवनिर्माण.

शब्दजाल - 7329 का हल

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म	
ती	ल	ती	ति	रा	क	क्रां	ति	ग	कृ	धु	
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म	
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति	
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग	
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण	
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क	
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो	
श	प	श	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म	
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता	
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6283

	5	2	3	7		
1	33		40		34	6
7		4	6		2	3
	27	5	34	1	29	
2				4		5
	25	6	30		38	
	4		5	2		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6282 का हल

2	6	4	1	5	3	7
6	37	5	28	2	26	1
7	5	2	6	3	1	4
1	31	6	33	4	28	2
3	6	1	4	7	2	5
4	31	3	33	6	36	6
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

यूनिसेफ की पहल पर भारत–श्रीलंका मुकाबले में वानखेड़े स्टेडियम का बदलेगा रंग

नई दिल्ली ।
यूनिसेफ की पहल पर वानखेड़े स्टेडियम का रंग बदलने जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और श्रीलंका क्रिकेट के साथ साझेदारी में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और यूनिसेफ 2 नवंबर को 'वन डे फॉर चिल्ड्रन' का जश्न मनाने जा रहे हैं। इसके लिए खेल के एक अरब प्रशंसकों को एक आशाभरे संदेश के समर्थन लिए एक साथ लाया जा रहा है, ताकि हर बच्चे को जीवित रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। एक इवेंट-वाइड सबनोचैंपियन अभियान इस दिन शिखर पर होगा। ये अभियान हर बच्चे के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने में मदद करने के लिए आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप की वैश्विक पहुंच का उपयोग करने पर केंद्रित है। इसी का उत्सव मनाने के लिए मुंबई का वानखेड़े स्टेडियम नीले रंग की रोशनी से जगमगा उठेगा। जानकारी मिली है कि बिकने वाले फिक्स्चर में भाग लेने वाले प्रशंसकों को एक एलईडी रिस्टबैंड दिया जाएगा जो दूसरी पारी के दौरान स्टेडियम-व्यापी नीली रोशनी के साथ समन्वयित किया जाएगा। भारत और श्रीलंका के खिलाड़ी यूनिसेफ और आईसीसी के राजदूत सचिन तेंदुलकर और मुथैया मुरलीधरन सहित खेल के अन्य दिग्गजों के साथ वन डे फॉर चिल्ड्रन संदेश के विस्तार का समर्थन करेंगे। पूरे अभियान में जुटाया गया धन बच्चों के विकास में लगाया जाएगा। वन डे फॉर चिल्ड्रन की थीम दुनिया भर के टीवी दर्शकों तक पहुंचने की पहल की जाएगी। जबकि विभिन्न आईसीसी वाणिज्यिक भागीदार मैच के दौरान डोनेशन के ज़रिए इस आयोजन का समर्थन कर रहे हैं। वन डे फॉर चिल्ड्रन फिक्स्चर एक व्यापक आईसीसी क्रिकेट4 गुड रणनीति का हिस्सा है और आईसीसी, यूनिसेफ और बीसीसीआई द्वारा विकसित एक नई ऑनलाइन, जीवन कौशल सीखने की पहल क्रियो 4 गुड के लॉन्च का अनुसरण करता है, जिसका उद्देश्य लड़कियों और लड़कों के बीच लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। इतना ही नहीं भारतीय शिक्षा मंत्रालय 1.5 मिलियन से अधिक स्कूलों में कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि आईसीसी और यूनिसेफ प्रत्येक मेजबान शहर में क्लीनिक आयोजित करने के लिए क्रिकेट विश्व कप की सभी 10 टीमों के साथ काम कर रहे हैं, जहां यूनिसेफ कार्यक्रमों के सैकड़ों बच्चों को अपने नायकों के साथ बल्ला और गेंद उठाने का मौका दिया जा रहा है। बच्चों के समर्थन में यूनिसेफ में योगदान देने के इच्छुक समर्थक डोनेशन की न्यूनतम रकम 2 डॉलर जमा कर सकेत हैं।

न्यूज ब्रीफ

सर एलिस्टेयर कुक ने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड के पूर्व पुरुष कप्तान सर एलिस्टेयर कुक को उनकी सेवानिवृत्ति की घोषणा के बाद इंग्लैंड और एसेक्स के लिए 20 साल के असाधारण करियर के लिए बधाई दी। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने इंग्लैंड के रिकॉर्ड तोड़ने वाले करियर के दौरान खुद को सर्वकालिक महान खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया, इस दौरान उन्होंने 161 टेस्ट खेले, जिनमें से 59 कप्तान के रूप में, और इंग्लैंड के लिए रिकॉर्ड 12,472 टेस्ट रन बनाए। कुक ने एक बयान में कहा, मैं अपने संन्यास और एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में अपने करियर के अंत की घोषणा कर रहा हूं। अलविदा कहना आसान नहीं है। दो दशकों से अधिक समय से, क्रिकेट मेरी नौकरी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण रहा है। इसने मुझे उन स्थानों का अनुभव करने की अनुमति दी है जहां मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं जाऊंगा, उन टीमों का हिस्सा बनूंगा जिन्होंने ऐसी चीजें हासिल की हैं जो मैं कभी नहीं कर सकता था, सबसे महत्वपूर्ण बात, गहरी दोस्ती बनाई है जो जीवन भर रहेगी। आठ साल के लड़के से जो पहली बार विकम बिशप्स अंडर 11 के लिए खेला था से लेकर अब तक, मैं गर्व के साथ मिश्रित दुख की एक अजीब भावना के साथ समाप्त हो रहा हूं। हालांकि सबसे ऊपर, मैं अविश्वसनीय रूप से खुश हूं। यह मेरे जीवन के इस हिस्से के समाप्त होने का सही समय है। मैंने हमेशा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के लिए अपना सब कुछ दिया है, लेकिन अब मैं नई पीढ़ी के लिए रास्ता बनाना चाहता हूं। कुक के नाम इंग्लैंड के किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक 33 टेस्ट शतक हैं, और उन्होंने अपने 12 साल के टेस्ट करियर का अंत भारत के खिलाफ नागपुर में पदार्पण और 2018 में किआ ओवल में यादगार शतक के साथ किया। ईसीबी प्रमुख, रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा, सर एलिस्टेयर को उनकी अंतिम टेस्ट पारी के बाद जो स्टैंडिंग ओवेशन मिला, वह हमेशा मेरे साथ रहेगा।

ओलंपिक में फिर शामिल हुआ क्रिकेट, 128 साल बाद लगेंगे चौके-छक्के

नई दिल्ली । ओलंपिक में क्रिकेट को एक बार फिर से शामिल किया गया है। इसे क्रिकेट फैंस के लिए

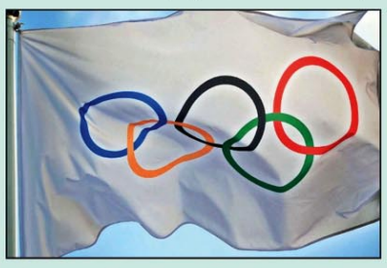

बड़ी खुशखबरी बताई जा रही है। ओलंपिक में 128 साल बाद फिर से क्रिकेट को शामिल करने के बाद अब ओलंपिक में बैटर्स चौके और छक्के जड़ते हुए दिखाई देंगे वहीं बॉलर्स अपनी कातिलाना गेंदबाजी से कहर बरपाते हुए नजर आएंगे। इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए इसकी मंजूरी दे दी। इंटरनेशनल ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा कि कार्यकारी बोर्ड के अधिकारियों ने क्रिकेट को उन 5 नए खेलों में शामिल करने की मंजूरी दे दी है जिनमें बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, स्क्वैश और लैक्रोस आदि हैं। हालांकि, जिन 5 खेलों को मंजूरी दी गई है उन्हें 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में जगह सुनिश्चित करने से पहले आईओसी सदस्यता की ओर से सोमवार को होने वाले वोटिंग में वोट हासिल करने की जरूरत होगी। इससे पहले, फरवरी 2022 में चीन की राजधानी बीजिंग में नीता अंबानी की अगुआई में आईओसी सत्र के लिए बिडिंग की गई थी। इस ऐतिहासिक बैठक में भारत के पक्ष में 75 वोट तो विपक्ष में मात्र 1 वोट पड़ा था। बताया जा रहा है कि यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरे 40 वर्षों के बाद यह आईओसी का सत्र भारत में हो रहा है। आईओसी सत्र में वर्तमान में 99 वोटिंग और 43 मानद सदस्य हैं। इसमें खेल जगत के अभिजात्य वर्ग के 600 से अधिक सदस्यों के मुंबई में होने की उम्मीद है ।

एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में पूनिया को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें

नई दिल्ली । 27 अक्टूबर से रांची में होने वाली एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम की कप्तान बनी सविता पूनिया ने कहा है वह इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित है। महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी पांच नवंबर के तक खेली जाएगी। देश में पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सविता ने कहा, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होने के कारण मैं यह जानकर बेहद खुश हूं कि महिलाओं के लिए एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी रांची में होने वाली है। उन्होंने कहा, यह घोषणा साबित करती है कि महिला हॉकी ने न केवल भारत में बल्कि पूरे एशिया में सफलता हासिल की है। इतने अहम मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमें बेहद गर्व से भर देता है। इस टूर्नामेंट के सातवें संस्करण में जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, थाईलैंड भी भाग लेंगी।

हार के बावजूद भारतीय टीम के प्रदर्शन को स्थानीय प्रशंसकों ने खूब सराहा

कुआलालंपुर।
मर्डेका टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मेजबान मलेशिया के हाथों 2-4 की दिल दहला देने वाली हार के बावजूद भारतीय फुटबॉल टीम के प्रदर्शन को स्थानीय प्रशंसकों ने खूब सराहा। रिपोर्ट के अनुसार, मर्डेका टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मेजबान मलेशिया के हाथों चौथी हार के बाद, बुकित जलील स्टेडियम में भीड़ के सामने भारत के प्रदर्शन को मैदान में मौजूद स्थानीय प्रशंसकों ने खूब सराहा। मैच के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम उदास था, लेकिन निराशा की वह भावना जल्द ही आत्मनिरीक्षण में बदल गई। कोच और खिलाड़ी इन सबसे गुज़रे, अच्छा, बुरा और बदसूरत; जो लोग अपने प्रदर्शन से खुश नहीं थे उन्होंने अपनी गलतियाँ स्वीकार कीं और अच्छे प्रदर्शन करने वालों को निराश करने के लिए माफी मांगी। यह सब उस चीज़ का अभिन्न अंग है जो एक टीम को एक ऐसी टीम बनाती है जिसमें कोई मैं नहीं है। हम एक साथ जीतते हैं, हम एक साथ पीड़ित होते हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम बुरे समय में एक-दूसरे का साथ निभाते हैं। भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक स्पष्ट रूप से जिस तरह से चीजें घटीं उससे खुश नहीं थे, लेकिन उन्होंने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिनमें ब्लू टाइगर्स को सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, कुछ स्थितियों में, हम समय पर गेंद को बॉक्स में नहीं डाल रहे थे। हम अधिकतर बहुत लंबे समय तक इंतजार कर रहे थे और क्रॉस अवरुद्ध हो रहे थे, या हमें अपने शॉट लेने में बहुत अधिक समय लगा। फुटबॉल में, एक बार जब आप बॉक्स के करीब पहुंच जाते हैं, तो आपको यह सोचते रहना पड़ता है कि आप गोल कैसे करेंगे। हमें अपनी निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करने की जरूरत है। स्टिमैक की भावनाओं को कप्तान सुनील छेत्री ने दोहराया, जिन्होंने भारत के लिए दूसरा गोल किया, जो उनके करियर का 93वां अंतरराष्ट्रीय गोल था। छेत्री ने कहा, यह अनुमान लगाना सही नहीं है कि यदि कुछ निर्णय हमारे अनुकूल होते तो क्या होता। ऐसा कहने के बाद, अगर लक्ष्य को 3-3 पर अनुमति दी जाती, तो हमारे लिए चीजें अलग हो सकती थीं। इसके लिए हम स्वयं दोषी हैं। हमने चौथा गोल खा लिया जबकि हमें अच्छे से बचाव करना चाहिए था। यह कम से कम हमारे नियंत्रण में था। छेत्री ने कहा, हमारे पास गति थी, हम दूसरे हाफ में खेल पर नियंत्रण कर रहे थे, लेकिन चौथे गोल ने इसे खत्म कर दिया। दिन के अंत में, भारतीय फुटबॉल टीम को तैयारी के लिए बड़ी लड़ाइयों का सामना करना पड़ेगा। दो विश्व कप क्वालीफायर, 16 नवंबर को कुवैत में और 21 नवंबर को मौजूदा एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ घरेलू मैदान पर, ब्लू टाइगर्स के लिए कम से कम कठिन मुकाबले होंगे। ये मैच उन्हें 2024 में एएफसी एशियाई कप में निश्चित रूप से और भी कठिन कार्यों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से भी काम करते हैं, जहां ग्रुप बी में उनका सामना ऑस्ट्रेलिया (13 जनवरी), उज्बेकिस्तान (18 जनवरी) और सीरिया (23 जनवरी) से होगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम वापसी करेगी : लाबुशेन

लखनऊ । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को भरोसा है कि विश्व कप में खराब शुरुआत के बाद भी उनकी टीम वापसी करने में सफल रहेगी। ऑस्ट्रेलिया टीम को यहां दाक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा था। लाबुशेन ने कहा कि उनकी टीम की पहचान दबाव में बेहतर प्रदर्शन की है और वह ये साबित भी करेगी। साथ ही कहा कि यह शुरुआत है, अंत नहीं। अब तक विश्वकप में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उसे अपने शुरुआती दोनों मैचों में भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जिससे वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। अब ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे सात मैच में से कम से कम छह जीतने होंगे। लाबुशेन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि अंक प्रणाली कैसे काम करती है पर मुझे लगता है कि हमें यहां से हर मैच जीतना होगा या कम से कम शीर्ष चार के करीब आना होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया ने पांच बार विश्व कप जीता है क्योंकि हम दबाव में अच्छा खेलते हुए वापसी करते हैं। हमने अच्छी शुरुआत नहीं की है, लेकिन यह शुरुआत है, अंत नहीं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम खेल के सभी क्षेत्रा में पीछे रह गयी। लाबुशेन ने कहा, 'लोग निराश हैं पर हम यह भी जानते हैं कि हमें एक काम को अंजाम देना है। हम इस प्रदर्शन को लेकर निराश हो सकते हैं, हम कई चीजों को लेकर निराश हो सकते हैं, हम कैसे खेले लेकिन वास्तविकता यह है कि आप ड्रेसिंग रूम में बैठकर नाराज नहीं हो सकते।

शंकर, प्रिशा ने 28वीं राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीते

नई दिल्ली ।
मणिपुर के शंकर हेइसनाम और महाराष्ट्र की प्रिशा शिंदे ने यहां डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में 28वीं फेनेस्टा ओपन नेशनल टेनिस चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर करते हुए अपने-अपने वर्ग में खिताब जीत लिया।

16वीं वरीयता प्राप्त शंकर ने उत्कृष्ट बेसलाइन खेल का प्रदर्शन किया और सातवीं वरीयता प्राप्त तमिलनाडु के थिरुमुरुगन वी को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से हराकर लड़कों के एकल अंडर-16 का खिताब जीता, जबकि प्रिशा ने छठी वरीयता प्राप्त आनंदिता उपाध्याय को लड़कियों के एकल अंडर-14 वर्ग में 6-1, 6-2 से हराकर खिताबजीता। इस टूर्नामेंट में विभिन्न आयु समूहों की श्रेणियों में लगभग 1,000 खिलाड़ी शामिल हुए थे।

विजेताओं को चमचमाती ट्राफियां मिलीं, समारोह में फेनेस्टा बिल्डिंग सिस्टम्स के कार्यकारी निदेशक और बिजनेस हेड साकेत जैन और डीएलटीए से बलराम सिंह उपस्थित थे।

साकेत जैन ने कहा, मैं फेनेस्टा ओपन नेशनल्स में खेलने वाले सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देता हूं। डीसीएम श्रीराम में, हमारा मिशन हमेशा युवा टेनिस खिलाड़ियों की आकांक्षाओं का पोषण करना रहा है, और यह स्वीकार करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है कि हम लगातार इस पर खरे उतरे हैं। वर्षों से, फेनेस्टा नेशनल्स टूर्नामेंट एक ऐसा मंच रहा है जहां उल्लेखनीय उपलब्धियां देखी गई हैं, और कई होनहार प्रतिभाओं की खोज की गई है। एक संगठन के रूप में, हम खेल और उसके भविष्य के लिए समर्पित हैं ।

तेलंगाना की रिशिता बासिरेड्डी ने रोमांचक मुकाबले में दिल्ली की आइशी बिष्ट को 6-4, 6-3 से हराकर लड़कियों का एकल अंडर-16 खिताब जीता, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने जबरदस्त फोरहैंड लगाए। शीर्ष वरीयता प्राप्त तेलंगाना के रितिक कटकम ने भी कोर्ट पर चमक बिखेरी और कर्नाटक के प्रकाश सर्रान को 6-4, 6-3 से हराकर लड़कों के अंडर-14 एकल वर्ग का खिताब जीता।

भारतीय टीम मिस्र में विश्व कैडेट चैम्पियनशिप से हटी, इस्त्राइल-हमास संघर्ष बना वजह

चेन्नई ।
भारतीय टीम ने गाजा की स्थिति को देखते हुए और प्रतिभागियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 14 से 23 अक्तूबर तक मिस्र के शर्म अल शेख में होने वाली विश्व कैडेट शतरंज चैंपियनशिप से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट में देश के 39 खिलाड़ियों को हिस्सा लेना था, जिसमें अंडर-12, 10 और 8 कैटेगरी के इवेंट शामिल थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने कहा, इजराइल और हमास के बीच गाजा पट्टी में चल रही स्थिति और प्रतिभागियों की उम्र को ध्यान में रखते हुए, उचित विचार-विमर्श के बाद, विश्व कैडेट शतरंज चैंपियनशिप-2023 में भारतीय टीम की भागीदारी वापस लेने का निर्णय लिया गया। एआईसीएफ के सूत्रों के अनुसार, खिलाड़ियों, कोचों और खिलाड़ियों के साथ आए लोगों सहित लगभग 80 लोगों को टूर्नामेंट के लिए शर्म अल शेख जाना था। विज्ञप्ति में कहा गया, अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने युवा खिलाड़ियों की सुरक्षा के सभी पहलुओं पर विचार करते हुए यह निर्णय लिया, क्योंकि मिस्र की सीमा गाजा के साथ-साथ इजराइल से भी लगती है। चैंपियनशिप का मेजबान शहर शर्म अल शेख इजराइल सीमा से 400 किलोमीटर से भी कम दूरी पर है और संघर्ष अल्प सूचना पर मध्य पूर्व में वाणिज्यिक एयरलाइनों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। फेडरेशन ने अप्रत्याशित घटना और अप्रत्याशित परिदृश्यों के आधार पर यह कठोर निर्णय लिया क्योंकि हम अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को सर्वोपरि महत्व देते हैं, भले ही हमारे खिलाड़ियों ने इस महत्वपूर्ण आयोजन में भाग लेने के लिए लगभग एक वर्ष का प्रशिक्षण लिया हो। इस बीच, एआईसीएफ के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय महासंघ ने विश्व शतरंज संस्था से गाजा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट को स्थगित करने का अनुरोध किया है। अधिकारी ने यह भी कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखना था और गाजा की स्थिति के कारण विमान संचालन पर अनिश्चितता थी। इजराइल ने गाजा पर शासन करने वाले इस्लामिक आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ एक अभूतपूर्व हमला शुरू कर दिया है, जब उसके लड़ाके सात अक्तूबर को सीमा बाड़ को तोड़कर देश के दक्षिण में हवा, जमीन और समुद्र के माध्यम से घुस गए थे।

रोनाल्डो ने फैन को गाल पर किया था किस, रिपोर्ट में दावा- अब ईरान पहुंचे तो मिलेगी यह सजा

तेहरान ।
ईरान की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो भविष्य में उनके देश में प्रवेश करते हैं तो उन्हें एक गलत आचरण के लिए 99 कोड़े की सजा का सामना करना पड़ सकता है। ये रिपोर्टें तब सामने आई हैं जब रोनाल्डो हाल ही में अल नस्र फुटबॉल क्लब का मैच खेलने के लिए ईरान पहुंचे थे। वहां उन्होंने एशियाई चैंपियंस लीग का ग्रुप चरण मैच पर्सेपोलिस के खिलाफ खेला था।

ईरान की अपनी यात्रा के दौरान, रोनाल्डो को प्रशंसकों की ओर से उपहारों की बौछार की गई, जिसमें फारसी कालीन और फुटबॉलर की पेंटिंग शामिल थीं। यह कलाकार फातिमा हमीमी द्वारा उपहार में दी गई पेंटिंग हैं, जो अपने पैरों का उपयोग करके पेंटिंग करती हैं क्योंकि वह 85 प्रतिशत लकवाग्रस्त हैं और चलने-फिरने के लिए व्हीलचेयर का उपयोग करती हैं। विवाद हमीमी को लेकर ही हुआ है। दरअसल, रोनाल्डो ने कथित तौर पर उपहार के लिए अपना आभार व्यक्त करने के लिए हामिमी को गले लगाया और गाल पर चूमा। ईरानी कानून के तहत, इस कृत्य को गलत आचरण का एक रूप माना जाता है जब इसमें किसी ऐसी महिला को शामिल किया जाता है जो किसी की पत्नी नहीं है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो 2016 से मॉडल जॉर्जीना रोड्रिग्स के साथ रिश्ते में हैं और उनके दो बच्चे हैं। रोड्रिग्स रोनाल्डो के तीन अन्य बच्चों की मां भी हैं। हालांकि, रोनाल्डो के प्रतिनिधियों ने अभी तक स्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन रिपोर्टों से पता चलता है कि 99 कोड़े मारने की सजा पहले ही जारी की जा चुकी है। हालांकि, यह कहा गया है कि अगर रोनाल्डो अपने किए पर पश्चाताप दिखाते हैं तो उनकी सजा रद्द की जा सकती है। यदि उनकी टीम किसी टूर्नामेंट के नॉकआउट दौर में ईरानी टीम का सामना करती है तो स्थिति संभावित रूप से रोनाल्डो को प्रभावित कर सकती है, जिससे उनकी भविष्य की ईरान यात्रा के बारे में चिंताएं बढ़ जाएंगी। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस स्थिति से संबंधित जानकारी मीडिया रिपोर्टों पर आधारित है और इस मामले के संबंध में रोनाल्डो या उनके प्रतिनिधियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। इस घटना ने कानूनों की व्याख्या और प्रयोग में सांस्कृतिक अंतर के साथ-साथ ईरानी टीमों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों पर संभावित प्रभाव के बारे में चर्चा शुरू कर दी है।

रैगिंग के चलते ली ताइक्वांडो की ट्रेनिंग

ब्रूस ली को देख एमएमए से हुआ प्यार; जेसन ऐसे बने दिल्ली डॉन

नई दिल्ली ।
भारतीय मिक्स मार्शल आर्ट फाइटरों के बारे में बातचीत करते हैं तो द दिल्ली डॉन यानी जेसन रमेश सोलोमन का उल्लेख किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती। भारतीय एमएमए में सबसे बड़े नामों में से एक, सोलोमन एक लाइटवेट और वेल्टरवेट फाइटर हैं। दिल्ली के रहने वाले सोलोमन फिलहाल यूएसए में ट्रेनिंग ले रहे हैं। उनसे जागरण ऑनलाइन के स्पोर्ट्स संवाददाता उमेश कुमार ने खास बातचीत की।

मिक्स मार्शल आर्ट में करियर बनाने की प्रेरणा कहां से मिली-इसकी शुरुआत बचपन से ही हो गई थी। ब्रूस ली और जैकी चैन को टीवी पर लड़ते हुए देखने पर मुझे आश्चर्य हुआ था। उन्हीं दोनों को देखने के बाद अंदर से लगा की मैं भी लड़ सकता हूं। बचपन से ही लड़ने का का शौक था। ताइक्वांडो सीखा। फिर किक बॉक्सिंग सीखी। कॉलेज के लिए अमरीका आया था तो यहां मिक्स मार्शल आर्ट के बारे में जानकारी हुई। पहली ही

नजर में एमएमए से प्यार हो गया। आज से 10 साल पहले भारत में इस तरह का कोई टूर्नामेंट नहीं था। भारत आकर मैंने मुंबई में एक ट्रेनिंग जिम में हिस्सा लिया। ट्रायल दिया उसके बाद दो तीन फाइट जीती। वहां से फिर सिलसिला शुरु हो गया।

बचपन की ऐसी कौन सी याद दिमाग में घर कर गई, जिसने आपको लड़ने के लिए प्रेरित किया-पापा हिन्दुस्तानी और मां विदेशी हैं, तो हाईस्कूल में मेरे साथ रैगिंग होता था। मेरी हिंदी उतनी अच्छी नहीं थी। गोरा था अन्य बच्चों की अपेक्षा। नाम से भी विदेशी लगाता हूं। तो स्कूल में बच्चे मेरे साथ पंगे लेते थे। बहुत रैगिंग करते रहते थे। दो तीन बार सीनियर्स के साथ लड़ाई हो गई थी। क्लास में बहुत ज्यादा परेशान किया था। घर जाकर खूब रोया था, तब पापा ने सेल्फ डिफेंस के लिए ताइक्वांडो की ट्रेनिंग दिलाई थी।

द दिल्ली डॉन नाम के पीछे की कहानी क्या है-इसके पीछे कोई खास कहानी नहीं है। बस फाइट में आने के लिए एक खास नाम सोच रहा था। तब पता नहीं कैसे ये नाम दिमाग में आ गया। कूल लगा तो रख लिया। क्यों असली का डॉन तो नहीं पर एमएमए का डॉन जरूर हूं। फाइट में जाते वक्त दिमाग में ये चलता रहता था कि मैं किसी भी लड़ सकता हूं, उससे जीत सकता हूं। दिल्ली का प्रतिनिधित्व करना रहता थो दिल्ली डॉन नाम रख लिया था। मुझे गर्व है कि मैं भारत के दिल्ली शहर से हूं।

शुरू-शुरू में एमएमए में आने के बाद किन-किन चुनौतियों का समाना करना पड़ा-शुरु में किसी को पता नहीं था एमएमए क्या है। जब घर में मां-पापा से बात की तो उन्होंने डांटा था। हर फैमली की तरह वो चाहते थे कि मैं अच्छी नौकरी करूं। घर का बिजनेस संभालूं। लेकिन मैंने अपने सपने को फॉलो किया। दिल्ली से नासिक चला गया, वहां एक एमएमए ट्रेनिंग कैंप लगा था। वहां रहना खाना सब मिलता था। दो-तीन साल तक यहां ट्रेनिंग ली। फिर फाइट में हिस्सा लिया। जीत मिली नाम मिला और शोहरत भी मिली तो घरवालों को भी लगा मैं कुछ कर लूंगा, तो मां-पापा ने भी सपोर्ट किया। फिर थाइलैंड, बैंकॉक में मिक्स मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली। सुपर फाइट लीग खत्म होने के बाद आज नए युग की मैट्रिक्स फाइट नाइट ने ले ली है। अब यूके, यूएएस में ट्रेनिंग लेता हूं और भारत में जूनियर्स को सिखाता हूं।

वसा खाना है आपके लिए अच्छा

आहार और पोषण विशेषज्ञ दोनों ही दादी-नानी की घी-तेल खाने की सलाह को सही मानते हैं। इससे न सिर्फ शरीर की मांसपेशियां व ढांचा मजबूत होते हैं, शरीर की विटामिंस को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ती है। क्या आप वसा से परहेज रखने की सोच रहे हैं? यदि हां तो एक बार अमेरिकी कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा हाल में जारी आहार निर्देश पर भी गौर करें। उनके अनुसार, हर रोज एक या दो अंडे डाइट में शामिल करना टाइप टू डायबिटीज के खतरे और हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। हमारे शरीर को हर रोज कुछ वसा की जरूरत होती है। इसके बिना शरीर स्वयं से ट्रीग्लिसिराइड, कोलेस्ट्रॉल व अन्य फैटी एसिड नहीं बना पाता। इन्हीं वसा का टूटना शरीर को विकास और अंगों को सुरक्षा देने के लिए ऊर्जा देता है। शरीर वसा में घुलनशील विटामिन्स को बेहतर तरीके से ले पाता है। वनस्पति तेल, घी और मक्खन को अपने आहार में समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। वसा शरीर के मेटाबॉलिज्म, जोड़ व हड्डियों को दुरुस्त रखता है।

घी

आयुर्वेद में प्राचीन समय से गाय के दूध का बना घी उपचार व खाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सर्वे के अनुसार गाय का घी लिवर में कैंसर के कारक कार्सिनोजेंस का सक्रिय होना कम करता है। सही मात्रा में घी खाने से हृदय रोगों से बचाव होता है। हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और त्वचा में चमक आती है। हर रोज एक चम्मच घी खाना ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है और वसा की जरूरत को पूरा करता है।

अंडा

अंडे में एमयूएफए और पीयूएफए होते हैं, जो हृदय के लिए लाभकारी हैं। ये विटामिन बी-12 व प्रोटीन से भरपूर होते हैं। सलाद के साथ अंडा खाने से शरीर वसा में घुलनशील कैरेटेनॉएड को ढंग से ले पाता है, जिससे सूजन, दर्द व तनाव कम होता है। बॉडी बिल्डर्स के लिए हर रोज दो और अन्य के लिए हर रोज एक अंडा खाना पर्याप्त है।

मेवा

बादाम, अखरोट और पिस्ते में एमयूएफए प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो रक्तचाप कम करते हैं। ऊर्जा बढ़ाते हैं व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। पहाड़ी बादाम में ओलिक एसिड और मैग्नीशियम अधिक होता है, जो कैंसर की आशंका कम करता है। नियमित चार से छह बादाम, दो अखरोट और छह पिस्ते खाएं।

चीज

एक दिन छोड़ कर 20 ग्राम चीज खाना आपकी वसा की जरूरत को पूरा कर देता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी-12 होते हैं। यह उत्पाद कैल्शियम व प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसकी एक स्लाइस, एक गिलास दूध के बराबर है। चीज नहीं खाते तो सफेद मक्खन, 60 ग्राम तक घरेलू पनीर और 300 ग्राम दही खा सकते हैं।

गर्भवती महिलाएं दें ध्यान

इकतीसवें हफ्ते में बच्चे का वजन बढ़ता रहता है। इस समय उसका वजन करीब साढ़े तीन से चार पाउंड और लंबाई 15 इंच तक होनी चाहिए। बच्चा वसा की परत का विकसित करना जारी रखेगा और हर हफ्ते उसका आधा पाउंड वजन बढ़ता रहेगा। बच्चे के फेफड़े विकसित हो गए है और वे संकुचन द्वारा सांस लेने में सक्षम हो गए हैं। बच्चा अब गर्भ के बाहर की आवाज को स्पष्ट रूप से सुन सकता है।

ग्रीन टी से प्रभावित होती है प्रजनन क्षमता

आमतौर पर लोगों को ग्रीन टी का अधिक शौक होता हैं सामान्य चाय की तुलना में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है। लेकिन ये खबर आपको डरा सकती है। एक शोध से सामने आया है कि इसके लगातार सेवन से प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्रीन टी की बढती लोकप्रियता इसका सेवन करने वालों की संख्या को लगातार बढ़ा रही है जो कि गलत है।

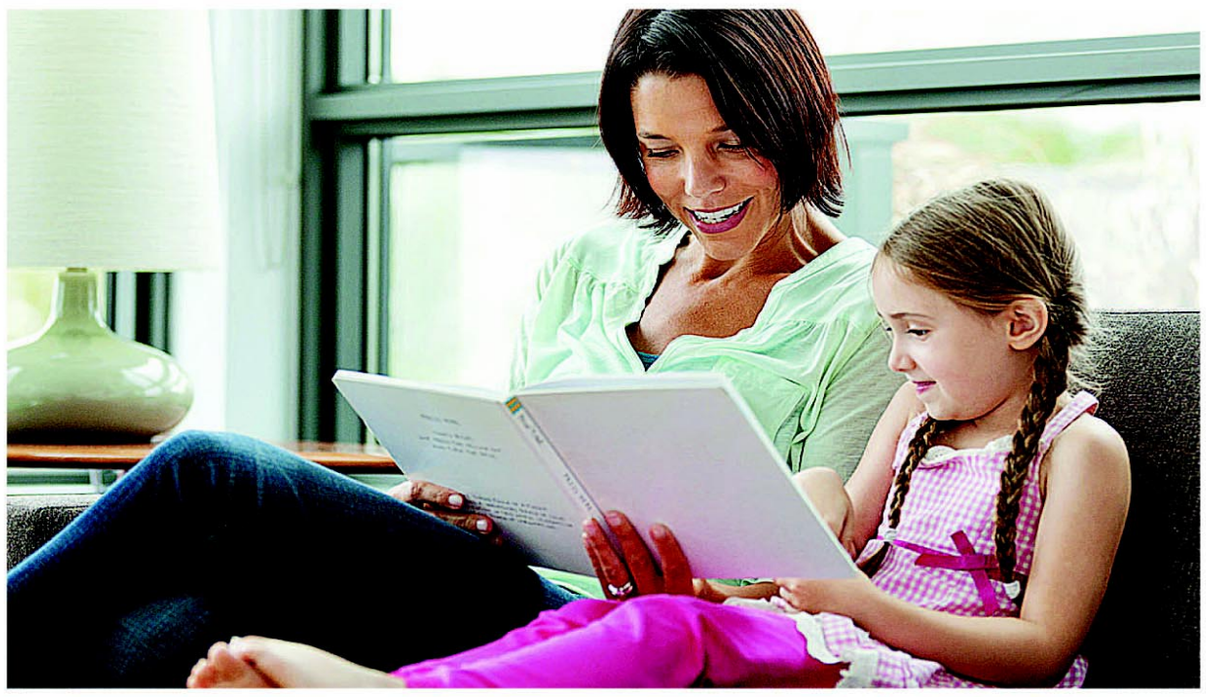

मुश्किल समय में कैसे करें बच्चों की देखभाल

हर किसी के जीवन में सुख-दुख लगा रहता है। ऐसे में खुद को संभालना तो संभव है। लेकिन जब एक माता-पिता की भूमिका में रहते हैं तो बच्चों की खास देखभाल करनी होती है। हर परिवार में कभी ना कभी कुछ मुश्किल परिस्थितियां पैदा होती हैं जिनके साथ बच्चों की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है। किसी की मृत्यु, बीमारी, तलाक या आर्थिक समस्याएं वो है जिनके बारे में बच्चों को कुछ नहीं बताया या समझाया नहीं जा सकता है। बच्चों के बाल मन पर इसका विपरीत असर ना हो इसलिए आपको खास देखभाल करनी चाहिए।

बच्चों को मुश्किलों से बचाएं

अभिभावक होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को दुनिया की भयानक सच्चाई से बचा कर रखें। आपको हर उस चीज से अपने बच्चे को बचाना चाहिए जो उसे नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं। अगर जीवन में दुख, दर्द, निराशा, असफलता है तो इन सबको हरा कर ही आपको खुशी, सफलता और उम्मीद की किरण भी मिलती है। जीवन में दुख-सुख तो लगे ही रहते हैं लेकिन आपको इन परिस्थितियों से लड़ना आना चाहिए। ध्यान रखिए आप अपने बच्चों के सामने जैसा करेंगे वो वैसा ही सीखेंगे। अगर आप दुख की घड़ी में बिना विचलित हुए अपने बच्चे को अच्छी देखभाल करते हैं तो यह गुण उसमें भी जरूर आएगा।

खुद की देखभाल जरूरी है

बच्चों का खयाल रखने से पहले जरूरी है कि आप खुद का खयाल रखें। अगर आप खुद ठीक नहीं रहेंगे तो बच्चों को कैसे संभाल पाएंगे। अकसर ऐसा होता कि कठिन परिस्थितियों के दौरान आप खाना-पीना छोड़ देते हैं जिससे आपको कमजोरी, चिंता, थकान और चक्कर की समस्या होती है। ऐसे में आप अपने बच्चों की देखभाल कैसे कर पाएंगे। इसलिए पहले खुद को संभालना सीखें जिससे आपके बच्चे की परवरिश पर कोई असर ना हो।

मदद लेने में नहीं है बुराई

अगर इस दौरान खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं तो किसी से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है। आप चाहें तो परिवार में किसी सदस्य या दोस्त की मदद ले सकते हैं। इसके अलावा किसी काउंसलर की मदद लेना भी अच्छा विकल्प है। अगर आपका बच्चा थोड़ा समझदार है तो उसे अपनी समस्या के बारे में बताने में कोई बुराई नहीं है लेकिन अगर बच्चा छोटा है तो उसके साथ हंसने, खेलने से भी आपको दिमागी सुकून मिलता है।

बच्चे के साथ समय बिताएं

इस मुश्किल और तनावपूर्ण समय में अपने बच्चे के साथ समय बीताना भी जरूरी है जैसे उसे पार्क में ले जाना या उसकी मनपसंद आइसक्रीम खिलाने के लिए ले जाना। हो सकता है कि यह सब कुछ करने के लिए आप खुद को तैयार नहीं कर पा रहे हो लेकिन बच्चा इस चीज को नहीं समझ सकता है। इसलिए अगर आप कुछ देर के लिए अपना दुख भूलकर उसकी खुशी में खुश होगें तो आपको भी अच्छा लगेगा।

अदरक कई बीमारियों के लिए रामबाण

अदरक सिर्फ स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि दवा के रूप में भी काम में आता है। अदरक के उपयोग से कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

वजन कम करना- अदरक में थर्मोजेनिक एजेंट नामक तत्व होता है जो वसा को खत्म करने में मदद करता है, जिससे वजन आसानी से कम होता है।

बुखार में आराम- अदरक से बुखार में भी आराम मिलता है। शहद के साथ इसे खाने से बुखार कम होता है।

जोड़ों के दर्द में राहत- अदरक को सुखाकर उसे जायफल के साथ पीसकर तिल के तेल में डालकर पेस्ट बनाया जाता है, उस पेस्ट को जोड़ों पर लगाने से आराम मिल सकता है।

गैस की समस्या से निजात- पिसी हुई सोंठ और कैरम के बीजों को नींबू के रस में भिगोकर छाया में सुखाकर प्रतिदिन सुबह लेने से गैस और पेडू के दर्द में आराम मिलता है।

सिरदर्द और बदन दर्द से राहत- सिरदर्द, माइग्रेन, गर्दन और शरीर का दर्द होने पर सूखी अदरक और पानी का लेप बनाकर लगाने से आराम मिलता है।

उल्टी रोकने में सहायक

जी मचलाने, ठण्ड में पसीना आने, चक्कर आने और उल्टी आने जैसी समस्याओं को कम करने में यह बेहद फायदेमंद है।

कैंसर को बढ़ने से राकता है

इसमें कैंसररोधी गुण भी मौजूद होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं।

पेट दर्द और कब्ज से राहत

पेट दर्द, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में इसे पीसकर हींग और सेंधा नमक के साथ लेने से आराम मिलता है।

लकवे का प्रभाव कम करता है

लकवे के प्रभाव को कम करने के लिए सूखी अदरक का पाउडर, जिगरी और गर्म मसूर की दाल को मिलाकर खाने से फायदा होता है।

आपका फैशन स्टेटमेंट बनेगा स्टाइलिश

मल्टी-टास्किंग रेड कलर से दिखेंगी हॉट

ड कलर फैशन स्टेटमेंट बन चुका है और ड जल्दी ट्रेंड से जाने वाला भी नहीं। गंस्टर्स इसके काफी क्रेजी होते हैं। वे रेड जरिए खुद को ज्यादा हॉट साबित करने ी कोशिश करते हैं। अब जबकि ठंड छ-कुछ बढ़ने लगी है, रेड से आप अपना शन स्टेटमेंट कुछ ज्यादा स्टाइलिश बना कती हैं। जब बात की जाए मेकअप की रेड कलर से बेहतर और कोई नहीं हो कता। इस सीजन में तो यह कलर ल्टी-टास्किंग बन चुका है। यह सिर्फ ठों पर नहीं दिखता, बल्कि गालों और खों को भी खूबसूरत लुक देता है।

स्किन के अनुसार करें सिलेक्शन

रोजी लिप्स: अगर आपको लिप कलर से बोल्ड दिखने का शौक है तो, आप रेड कलर की लिपिस्टक लगा सकती हैं। रेड लिपिस्टक कई शेड्स में अवेलेबल हैं, जिसे पसंद व स्किन टोन के अनुसार सिलेक्ट किया जा सकता है। अगर आप रेड लिपिस्टक लगा रही हैं तो आई मेकअप लाइट रखें, अगर लिप और आई मेकअप दोनों डार्क होंगे तो लुक लाउड लगेगा।

मैट लिप्स: आप अगर स्पॉट लाइट एंजॉय करती हैं तो मैट शेड आपके लिए बेहतरीन चॉइस है। इससे यह पता चल जाता है कि आप कूल हैं या हॉट। जब आप रेड कलर की मैट लिपिस्टक खरीदने जाएं तो उन पर यह लिखा हुआ जरूर चेक करें, जैसे मैट, 18 घंटे या लॉन्ग लास्टिंग और शीयर या सैमीमैट को अवॉयड करें।

फाउंडेशन के साथ लगाएं पाउडर

ग्लासी लिप्स: अगर आपको ड्रामा पसंद है तो आपके लिए बैस्ट ऑपशन है ग्लॉसी रेड लिपिस्टक। यह आजकल फैशन में भी है। ग्लॉसी रेड लिपिस्टक सेक्सी व बोल्ड लुक देती है और अट्रैक्टिव भी लगती है। ग्लॉसी लिप्स मैट कॉम्पलैक्शन के साथ बेहतरीन दिखते हैं। मैट फिनिश कॉम्प्लैक्शन के लिए अपने फाउंडेशन के साथ पाउडर का इस्तेमाल करें।

चैरी चीक्स: ब्लश गालों की शेप और चेहरे की रंगत को उभारता है। इसे आमतौर पर गालों के उभार वाले हिस्से पर लगाया जाता है। अगर लाइटली ब्लश अप्लाई किया जाए, तो चीक्स को यूथफुल और नैचुरल लालिमा मिलती है। पाउडर ब्लश लगाने में ब्रश का इस्तेमाल करें। क्रीम ब्लश लगाने में स्पंज का इस्तेमाल करें।

रेसिपी

अचारी पनीर टिक्का

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए: 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक, स्वाद अनुसार

अन्य सामग्री: 2 कप 37 एमएम के चकोर टुकड़ो में कटा पनीर

परोसने के लिए: दहीं वाली पुदीना चटनी

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरी मिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दहीं के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़े: एक बाउल में पनीर और अचारी मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। मॅरीनेड किए हुए पनीर के टुकडों को स्कीवर में पिरोकर चारों तरफ से भूरा होने तक बारबेक्यू पर ग्रिल कीजिए। स्कीवर में से निकालकर दहींवाली पुदीना चटनी के साथ परोसिए। **सुलभ सुझाव:** यदि आपके पास हरीमिर्च का आचार नही है तो इस व्यंजन को बनाने के लिए आप किसी भी अन्य अपने मनपसंद आचार का प्रयोग कर सकते है।

ऑटिज्म जैनेटिक नहीं मेडिकल समस्या, इलाज संभव

ऑटिज्म पिछले कुछ दशकों से एक गंभीर समस्या बनी हुई है। अमेरिका में यह अनुपात 1975 से पहले 5 हजार च्चों में से एक बच्चा था जो 2015 में ुंचते-पहुंचते 50 बच्चों के पीछे एक हो ा- 40 सालों में 100 गुना ज्यादा बढ़ोतरी। क अनुमान के अनुसार अमेरिका में प्रत्येक ई इन बच्चों की गिनती में 10-17 फीसदी ी बढ़ोतरी हो रही है, जबकि भारत में इन च्चों की संख्या कहीं ज्यादा है। भारत में 011 की जनगणना के अनुसार, 2.4 मेल ोर 2.0 फीमेल एक या एक से ज्यादा किस्म ी अपंगता के शिकार हैं। उत्तरी भारत में इन च्चों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर एक हर और छावनी में इन बच्चों के लिए सेंटर ल गए हैं। प्रत्येक सेंटर में इन बच्चों की ख्या 30-50 है। ऑटिज्म का इलाज अब भव हो गया है।

ऑटिज्म के मुख्य लक्षण...

यह बच्चे अपने आप में मस्त रहते है, हड़बड़ाहट, इधर-उधर घूमते रहते हैं,आंखों से आंखें मिलाकर बात नहीं करते, दूसरों की बातों में ध्यान ना देना, बार-बार सूंघना, बिना मतलब हंसना-रोना, एक ही हरकत को बार-बार करना, हाथों को हिलाना, उछलते-कूदते रहना, इनकी समझ कम होती है या बातों का जवाब नहीं दे सकते, खिलौने को फेंकते हैं या तोड़ते हैं, बहुत ज्यादा हाईपर होते है, दूसरों से व्यवहार अच्छी तरह नहीं करते आदि।

लक्षणों को जानने के बाद होता है इलाज

'डीफीट ऑटिज्म नाउ' के अनुसार इन बच्चों का ईलाज पूरी तरह संभव है पर इसके लिए पहले बच्चे के बायोमेडिकल ईलाज, जिसमें सबसे पहले बच्चे के लक्षणों की जांच होती है। फिर लक्षणों का कारण जानने के लिए अलग-2 लैब टेस्ट में से गुजारा जाता है। टेस्टों के आधार पर अलग-2 डॉक्टर जैसे- बच्चों के माहिर, एलोपैथि डॉक्टर, नैचरोपैथ, आयुर्वेद, डायटीशीयन, कैरलथेरापीस्ट, न्युरोथेरापिस्ट, करेनियोसेकरल थैरेपिस्ट एक ही थ्योरी पे चलते हुए काम करते है, व लक्षणों की गहराई में जाकर इलाज करते हैं, जिससे बच्चों के अंदर कुदरती तौर पर सुधार आने लगता है।

ऐसे होता है बीमारी में सुधार...

ऑटिज्म सिर्फ जीन्स की बीमारी नहीं, इसी तरह इसको सिर्फ दिमाग की बीमारी समझना भी वैज्ञानिक भूल है। आटिज्म पूरे शरीर की बीमारी है, आटिज्म से पीड़ित बच्चों में और भी अनेक अंगों के नुक्स होते हैं, जैसे- शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होना, बार-2 आंत की सोजस होना, पाचन शक्ति कम होना, भारी धातुओं (जैसे- लैड, आरसैनिक, अल्युमिनीयम, पारा, कैडमियम, बेरियम) का ज्यादा होना व पोषक तत्वों का कम होना आदि। जब भारी धातुओं की मात्रा शरीर में बढ़ जाती है तो यह शरीर की कैमिकल व हार्मोन की संरचना को बिगाड़ देती है। जिसका सीधा असर दिमाग के ऊपर होता है। जैसे-2 ये भारी धातुएं शरीर से किलेशन प्रणाली द्वारा बाहर निकाल दिए जाते है।

आलू चीज क्रोकैट्स्

सामग्री

मिलाकर चीजी भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कसा हुआ मोजरैला चीज, 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रौसेस्ड चीज, 3 टेबल-स्पून चिली-गार्लिक सॉस, **अन्य सामग्री:** 4 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ताजी पीसी हुई कालीमिर्च, 1/2 कप मैदा, 3/4 कप ब्रेड क्रम्बस्, रोल करने के लिए, तेल, तलने के लिए

विधि

आलू, नमक और काली मिर्च को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, हर भाग के छोटे गोले बना लें। बीच से थोड़ा दबाकर गड्ढा बना लें। चीजी मिश्रण का 1 टी-स्पून रखकर दुबारा लंबे गोल आकार का बना लें। मैदा और 3/4 कप पानी को अच्छी तरह मिलाकर एकसर मिश्रण बना लें। प्रत्येक क्रोकेट को मैदा-पानी के मिश्रण में डुबोकर ब्रेड क्रमबस् में सभी तरफ से रोल कर लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम करें और क्रौकेट्स् लडालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**